"मिस्ट्री के सबसे ओरिजिनल कैरेक्टर्स में से एक।" -मिस्ट्री न्यूज़

रिचर्ड स्टार्क

द जुगर

एक पार्कर उपन्यास

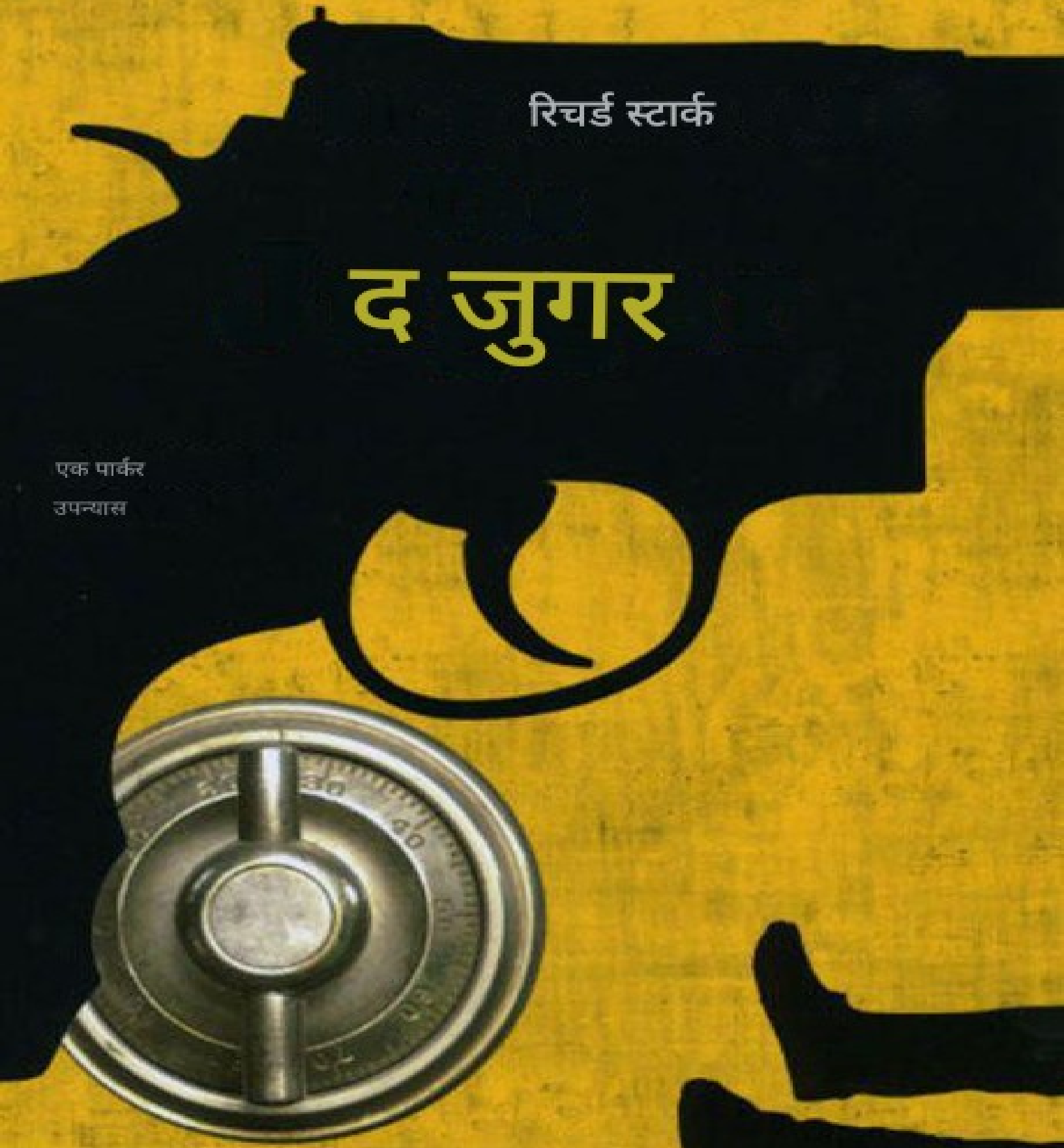

जॉन बैनविले की नई प्रस्तावना के साथ

Table of Contents

□□□□□□□□□

□□□□□□ □□□

□□□□□□□□□□□

□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□ ---- □□□□

□□□□□□ 1

□□□□□□ □□

□□□□□□ 3

□□□□□□ 4

□□□□□□ 5

□□□□□□ 6

□□□□□□ 7

□□□ 2

□□□□□□ 1

□□□□□□ □□

□□□□□□ 3

□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□ 3
□□□□□□□ 1
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□ 4
□□□□□□□ 1
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□□ □□ □□□□□

जगर

रिचर्ड स्टार्क
जॉन बैनविल द्वारा लिखित एक नई प्रस्तावना के साथ दि यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो प्रेस

शिकागो विश्वविद्यालय प्रेस, शिकागो 60637
© 1965 रिचर्ड स्टार्क द्वारा
प्रस्तावना © 2009 जॉन बैनविल द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
पॉकेट बुक्स द्वारा पहली बार 1965 में प्रकाशित। 2002 में पुनः मुद्रित। रहस्यमय प्रेस।
शिकागो विश्वविद्यालय प्रेस संस्करण 2009
अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में छपी
15 14 13 12 11 10 09 1 2 3 4 5
आईएसबीएन-13: 978-0-226-77102-1 (पेपर)
आईएसबीएन-10: 0-226-77102-4 (पेपर)
ISBN-13: 978-0-226-77285-1 (ई-पुस्तक)
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा
स्टार्क, रिचर्ड, 1933–
द जगर / रिचर्ड स्टार्क; जॉन बैनविल द्वारा लिखित एक नई प्रस्तावना के साथ।
पी. सेमी.
सारांश: यह पार्कर का एक उपन्यास है, जिसका मुख्य पात्र नेब्रास्का के सैगामोर में है, जो जो शीर के अनुरोध पर है, जो एक सेवानिवृत्त तिजोरी तोड़ने वाला है और पार्कर के कई आपराधिक रहस्यों को जानता है।
ISBN-13: 978-0-226-77102-1 (पेपरबैक: एल्केलाइन पेपर)
ISBN-10: 0-226-77102-4 (pbk. : alk. paper) 1. पार्कर (काल्पनिक चरित्र)। I. बैनविल, जॉन। II. शीर्षक। पीएस 3573.ई 9 जे84 2009
813’.54—dc22
2008042432
इस प्रकाशन में प्रयुक्त कागज़, सूचना विज्ञान के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय मानक - मुद्रित पुस्तकालय सामग्री के लिए कागज़ की स्थायित्व, एएनएसआई Z39.48-1992 की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करता है।

रिचर्ड स्टार्क और पार्कर उपन्यासों की प्रशंसा:

“बेहद प्रतिभाशाली, बेहद घातक… पार्कर बेहद मजबूत है।”
— न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू

"अप्रत्याशित मोड़ों और धोखेबाजी से भरी एक्शन कहानी गढ़ने की वेस्टलेक की क्षमता बेजोड़ है।"
— सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल

“पार्कर एक शानदार आविष्कार है… वेस्टलेक को चाहे जिस नाम से पुकारा जाए, जो बात सबसे ज़्यादा अलग बनाती है, वह है प्रक्रिया और यांत्रिकी के प्रति उनका जुनून… पार्कर ने अपने कार्यक्रम से मशीन तर्क के अलावा सब कुछ हटा दिया है, लेकिन यह महज़ एक दिखावा है। वह एक रोमांटिक अवशेष हैं, एक मुक्त-बाज़ार अराजकतावादी हैं जिनकी स्वतंत्र स्थिति अब अतीत की बात होती जा रही है।”
— ल्यूक सैंटे, द न्यूयॉर्क रिव्यू ऑफ बुक्स

“रिचर्ड स्टार्क द्वारा अभिनीत पार्कर… एक ताज़गी भरा अनैतिक चरित्र है, एक ऐसा चोर जो हमेशा लूट का माल लेकर भाग निकलता है।”
— स्टीफन किंग, एंटरटेनमेंट वीकली

“अगर स्टार्क पहले से मौजूद न होता, तो एल्मोर लियोनार्ड वो नहीं लिखते जो वो लिखते हैं। और क्वेंटिन टारनटिनो भी लियोनार्ड के बिना वो नहीं लिखते जो वो लिखते हैं… वो एक महान लेखक हैं, और स्टार्क उन सभी से कहीं बेहतर है।”
— एल.ए. टाइम्स

"वेस्टलेक दुनिया के सबसे सहज और आकर्षक लेखकों में से एक हैं।"
— सैन डिएगो ट्रिब्यून

"रहस्यमय कथाओं के सबसे मौलिक पात्रों में से एक अपनी गति, चतुराई, बेबाकी, व्यावहारिक ज्ञान या जीवित रहने की भावना को खोए बिना वापस लौट आया है।"
— मिस्ट्री न्यूज़

"पार्कर के उपन्यास... सर्वकालिक महानतम हार्डबॉइल्ड लेखन में से हैं।"
— फाइनेंशियल टाइम्स (लंदन)

"वेस्टलेक की तरह शब्दों को गढ़ने की कला किसी में नहीं है।"
— डेट्रॉइट न्यूज़ एंड फ्री प्रेस

"स्टार्क जो कुछ भी लिखते हैं, मैं पढ़ता हूँ। वे एक कुशल लेखक हैं, एक पेशेवर हैं, और मुझे उनका दृष्टिकोण बहुत पसंद है।"
— एलमोर लियोनार्ड

“स्टार्क, जो कि सम्मानित और बेहद विपुल लेखक डोनाल्ड ई. वेस्टलेक का छद्म नाम है, रहस्य कथाओं के पारखी लोगों के लिए एक आनंददायक कृति है… एक अत्यंत कुशल, बुद्धिमान लेखक।”
— टाइम आउट न्यूयॉर्क

"डोनाल्ड ई. वेस्टलेक रिचर्ड स्टार्क की तरह लिखते हैं जब वह यह देखना चाहते हैं कि वह इसे कितनी हद तक आगे बढ़ा सकते हैं।"
— मैरिलिन स्टासियो, न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू

“रिचर्ड स्टार्क नॉयर का राजकुमार है।”
— मार्टिन क्रूज़-स्मिथ

□□□□□□□□□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□

□□□ □□

- □□
- □□
- □□□
- □□□
- □□□□
- □□
- □□□

□□□ □□

- □□
- □□
- □□□
- □□□
- □□□□

□□□ □□□

- □□
- □□
- □□□
- □□□
- □□□□
- □□
- □□□
- □□
- □□
- □□

□□□ □□□

- □□
- □□
- □□□
- □□□

पाँच
छह
सात
आठ
नौ

पार्कर उपन्यास
जॉन बैनविल

1960 के दशक में रिचर्ड स्टार्क ने पार्कर उपन्यासों की अपनी उत्कृष्ट श्रृंखला लिखना शुरू किया—आखिरी गिनती के अनुसार इनकी संख्या चौबीस थी— लेकिन ये उपन्यास कुंभ राशि के युग का उतना ही सटीक प्रतिनिधित्व नहीं करते जितना संभव हो सकता है। ज़रा इस सबसे शातिर अपराधी की कल्पना कीजिए, जो टाई-डाई की कमीज़ और मखमली पैंट पहने हो। पार्कर नशा नहीं करता, क्योंकि उसे अपने दिमाग को विकसित करने या अपनी भावनाओं को गहरा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है; उसे राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और विदेशी युद्धों से उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता, हालाँकि उसने उनमें से एक में भाग लिया था या कम से कम उसमें हिस्सा लिया था; वह प्यार से ज़्यादा पैसा कमाना चाहता है और शांति को मौका देने को तैयार है, बशर्ते वह चुपके से प्रेम-प्रसंग के पीछे से घुसकर सबकी लावारिस चीज़ें चुरा सके। जब वह सैन फ़्रांसिस्को जाता है, तो वह अपना दिल वहाँ छोड़ने नहीं जाता—क्या पार्कर के पास दिल है भी?—बल्कि उस गिरोह से कुछ पैसे वापस लेने जाता है जो उसे देना बाकी है और इस प्रक्रिया में कई लोगों को मार डालता है।

पारंपरिक अपराध उपन्यासों का आकर्षण उनमें मिलने वाली पूर्णता की भावना में निहित है। जीवन एक उलझन है—हमें अपने जन्म की याद नहीं रहती, और मृत्यु, जैसा कि लुडविग विटजेनस्टीन ने बुद्धिमानी से कहा था, जीवन का कोई अनुभव नहीं है, इसलिए हमारे पास बस एक अराजक मध्य भाग है, जो अधूरी बातों से भरा हुआ है, जिसमें कुछ भी कभी पूरी तरह से समाप्त नहीं होता। यह कहा जा सकता है कि किसी भी शैली के सभी उपन्यासों में एक शुरुआत, मध्य और अंत होता है—यहां तक कि फिनिगन्स वेक का भी एक स्वरूप है—लेकिन अपराध उपन्यास इसे सबसे बेहतर ढंग से प्रस्तुत करते हैं। चाहे संदिग्धों का समूह कितना भी असंभावित हो या अगाथा क्रिस्टी के किसी रहस्यमय उपन्यास या रॉबर्ट लुडलम के किसी रोमांचक थ्रिलर में सुरागों का जाल कितना भी पेचीदा क्यों न हो,

हमें वास्तविक जीवन से परे एक निश्चितता के साथ पता होता है कि जब हत्यारे का पर्दाफाश होगा या साजिश नाकाम होगी, तो सब कुछ अपनी जगह पर आ जाएगा, जैसे कोई पहेली हमारी आंखों के सामने सुलझ रही हो। हालांकि, पार्कर की किताबों में यह मानकर चला जाता है कि अगर कुछ गलत हो सकता है, तो वह होगा ही, और चूंकि कुछ न कुछ गलत होना हमेशा संभव है, इसलिए वह हमेशा होता ही है। दरअसल, पार्कर की कई कहानियाँ इसी तरह शुरू होती हैं, जब हालात बेहद खराब हो जाते हैं या हो चुके होते हैं। और पार्कर अपनी सबसे ज़्यादा रचनात्मकता तब दिखाते हैं जब वे सबसे ज़्यादा हताश होते हैं।
पार्कर से हमारी पहली मुलाकात 1962 में प्रकाशित 'द हंटर' में हुई थी। उनके रचयिता, डोनाल्ड वेस्टलेक, पहले से ही एक स्थापित लेखक थे - उन्होंने रिचर्ड स्टार्क उपनाम अपनाया क्योंकि, जैसा कि उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा, "जब आप पहली बार प्यार में पड़ते हैं, तो आप इसे हर समय करना चाहते हैं," और शुरुआती दिनों में वह इतना अधिक और इतनी बार लिख रहे थे कि उन्हें डर था कि वेस्टलेक के नाम से लेखकों की संख्या जल्द ही बढ़ जाएगी।
1933 में जन्मे वेस्टलेक वास्तव में एक बहुमुखी लेखक हैं और पार्कर की तरह ही एक पूर्ण पेशेवर हैं। अपराध उपन्यासों के अलावा, उन्होंने लघु कथाएँ, हास्य नाटक, विज्ञान कथाएँ और पटकथाएँ भी लिखी हैं—जिम थॉम्पसन के उपन्यास पर आधारित उनकी सशक्त और सुरुचिपूर्ण पटकथा 'द ग्रिफ्टर्स' को अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। हालाँकि, उनकी लिखी सबसे बेहतरीन फिल्म निस्संदेह 'पॉइंट ब्लैंक' है, जो पार्कर के पहले उपन्यास 'द हंटर' पर आधारित एक उत्कृष्ट नॉयर फिल्म है, जिसका निर्देशन जॉन बूरमैन ने किया है और जिसमें ली मार्विन ने अभिनय किया है। फिल्म देखने वाला कोई भी व्यक्ति मार्विन को पार्कर का सर्वोत्कृष्ट रूप मानेगा, हालाँकि वेस्टलेक ने कहा है कि जब उन्होंने पहली बार अपने इस निर्भीक नायक—नायक? — की कल्पना की थी, तो वे उसे जैक पैलेंस जैसा दिखने की कल्पना करते थे। उस पहली किताब, द हंटर में, पार्कर एक अनगढ़ हीरा था—वेस्टलेक कहते हैं, "मैंने उसे पाठक के लिए सहज बनाने के लिए कुछ नहीं किया था, न कोई फालतू बातें, न कोई विचित्रता, न कोई पालतू जानवर"—और वह एक क्लासिक पल्प फिक्शन गुंडे जैसा दिखता था:

वह विशालकाय और घने बालों वाला था, उसके कंधे चपटे और चौकोर थे, और उसकी बाजूएँ छोटी आस्तीनों में बहुत लंबी थीं... उसके हाथ, घुमावदार उंगलियों के साथ उसके बगल में झूलते हुए, ऐसे लग रहे थे मानो उन्हें किसी ऐसे मूर्तिकार ने भूरी मिट्टी से गढ़ा हो जो बड़ी सोच रखता हो और नसों को उभारना पसंद करता हो। उसके बाल भूरे, सूखे और बेजान थे, उसके सिर के चारों ओर ऐसे उड़ रहे थे जैसे कोई टूटा- फूटा विग हो जो कभी भी उड़ सकता है। उसका चेहरा कंक्रीट के टूटे-फूटे टुकड़े जैसा था, और उसकी आँखें काले रंग की थीं जिनमें कुछ खामियाँ थीं। उसका मुँह एक झटपट स्ट्रोक जैसा था, जिसमें कोई रक्त नहीं था। (पृष्ठ 3-4)
इस छोटी सी किताब के अंत से पहले ही, हम देखते हैं कि वेस्टलेक/स्टार्क अपनी बिल्कुल नई रचना को तराशना और निखारना शुरू कर देता है, उसे विभिन्न पहलू, तीखे कोण और एक कठोर, आंतरिक अग्नि की झलक देता है। उसके सबसे अच्छे दोस्त ने उसे धोखा दिया है और उसकी पत्नी ने उसे गोली मार दी है, और अब आउटफिट—माफिया, जैसा कि हम मानते हैं—पर उसका पैसा बकाया है, और वह तब तक नहीं रुकेगा जब तक उसे वह चुका नहीं दिया जाता।

गति उसे आगे बढ़ाती रही। उसे खुद भी अब यकीन नहीं था कि संगठन को प्रभावित करने के लिए उसका दिखावा कितना था और उसका अपना स्वभाव कितना। वह जानता था कि वह कठोर है, वह जानता था कि वह दूसरों की तुलना में भावनाओं की परवाह कम करता है। लेकिन उसे कभी किसी की हत्या करने का विचार अच्छा नहीं लगा था... बस गति ही थी, और कुछ नहीं। अठारह साल एक ही व्यवसाय में, साल में एक या दो साफ-सुथरे, तेज़ और सरल ऑपरेशन करते हुए, बाकी समय अपनी पसंद की महिला के साथ रिसॉर्ट होटलों में आराम से बिताते हुए, और फिर अचानक सब कुछ उलट गया। वह महिला चली गई, दिनचर्या बदल गई, आराम चला गया, साफ-सुथरी तेज़ी चली गई। (पृष्ठ 171)
सच तो यह है कि भले ही पार्कर खुद इस धारणा को तुच्छ समझें, वे उस अस्तित्ववादी व्यक्ति की पूर्णता हैं, जिनके शुरुआती आदर्शों से हम नीत्शे, कीर्केगार्ड और दोस्तोवस्की में मिले थे। अगर पार्कर ने कभी गोएथे को पढ़ा है—और शायद पढ़ा भी हो?—तो उन्होंने फाउस्ट के स्वर्ग-विरोधी कथन "इम अनफांग वार डाई टाट" [शुरुआत में कर्म था] में अपना स्वाभाविक आदर्श वाक्य पहचान लिया होगा। डोनाल्ड वेस्टलेक इसे और भी सरल शब्दों में कहते हैं, "मेरा हमेशा से मानना रहा है कि ये किताबें असल में काम पर लगे एक कारीगर के बारे में हैं, जो अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहा है," और पार्कर के संदर्भ में वे "लोगों के बारे में हेमिंग्वे के इस विचार" का जिक्र करते हैं कि "सक्षम व्यक्ति अपना काम खुद करता है और अक्षम लोग एक-दूसरे का सहारा लेते हैं।"
पार्कर की दुनिया में कोई कानून नहीं है, सिवाय उस कानून के जो तेज और निर्दयी लोगों द्वारा मंदबुद्धि और सुस्त लोगों के खिलाफ चलाया जाता है।

पुलिस कभी आती ही नहीं, या अगर आती भी है तो पार्कर को उसके इरादे को पूरा करने से रोकने में हमेशा बहुत देर हो जाती है। उसे सिर्फ दो बार पकड़ा गया है और कुछ समय के लिए जेल भी हुई है, एक बार उसकी पत्नी और माल रेस्निक के धोखे के बाद, जिसने द हंटर को बदले की भावना से भर दिया, और दूसरी बार हाल ही में हुए ब्रेकआउट में। पार्कर कानून का पालन करने वाली दुनिया, उस शांत दुनिया, जिसमें हममें से ज्यादातर लोग रहते हैं, के साथ खामोशी से पेश आता है, अधीरता से, या जब हममें से कोई दुर्भाग्य से उसके रास्ते में आ जाता है और उसे रोकता है, तो घातक दक्षता से। खास बात यह है कि उसे हत्या का विचार कभी पसंद नहीं आया; इसका मतलब यह नहीं है कि उसे हत्या करने में मजा आता है, बल्कि वह हत्या की आवश्यकता को आवश्यक ऊर्जा की बर्बादी मानता है, ऐसी ऊर्जा जिसका बेहतर उपयोग कहीं और किया जा सकता था।
पार्कर की किताबों में हिंसा हमेशा त्वरित और साफ-सुथरी होती है, और इसी तेज़ी और सफाई के कारण और भी चौंकाने वाली होती है। एक किताब में—यह बताना कहानी का सस्पेंस खत्म कर देगा कि कौन सी किताब है—पार्कर एक युवक को तहखाने की मिट्टी में गड्ढा खोदने के लिए मजबूर करता है, ताकि वहाँ दबी हुई किसी चीज़ को खोजा जा सके। जब वह चीज़ मिल जाती है, तो कहानी एक संक्षिप्त, सीधे-सादे वाक्य के साथ समाप्त हो जाती है, जिसमें बताया जाता है कि पार्कर ने उस युवक को गोली मार दी और उसे उसी गड्ढे में दफना दिया जिसे उसने खुद खोदा था। एक अन्य कहानी में, पार्कर और उसका एक साथी एक बदमाश को कुर्सी से बांध देते हैं और उससे कुछ ज़रूरी जानकारी निकलवाने के लिए उसे यातना देते हैं। इसके बाद वे उसे कुर्सी से बांधे हुए ही एक कोठरी में बंद कर देते हैं और चले जाते हैं, इस बात से बेपरवाह कि कोई नहीं जानता कि वह बदमाश कहाँ है और इसलिए उसे छुड़ाने वाला कोई नहीं होगा।
जेम्स एम. केन, जिम थॉम्पसन और जॉर्जेस सिमेनन जैसे लेखकों को छोड़कर— यानी, मैगरेट की किताबों वाले सिमेनन नहीं, बल्कि उनके उन उपन्यासों के लिए जिन्हें वे 'रोमांस डर्स' कहते थे—सभी अपराध कथा लेखक मूल रूप से भावुक होते हैं, यहाँ तक कि, या विशेष रूप से, जब वे अपने सबसे खूनी रूप में होते हैं। हत्या, हिंसा और न्याय के लिए संघर्ष की पारंपरिक कहानियों में, पाठक को पलायन का अवसर मिलता है, भले ही वह एक ऐसे स्वप्नलोक में ही क्यों न हो जहाँ पुरुष, पुरुष होते हैं और स्त्रियाँ उन्हें इसी रूप में प्यार करती हैं, जहाँ अपराधी, अपराधी होते हैं और उनके चेहरों पर पड़े निशानों और

मुट्ठियों में छिपी पिस्तौल से आसानी से पहचाने जा सकते हैं, जहाँ पुलिसकर्मी सुस्त लेकिन ईमानदार होते हैं और आमतौर पर तलाक के मामलों से निपटते हैं, जहाँ एक अच्छे आदमी से कानून तोड़ने वाले डरते हैं और कानून का पालन करने वाले उसका सम्मान करते हैं: संक्षेप में, जहाँ जीवन अलग और बेहतर होता है। हालाँकि, पार्कर की किताबों में, यह भयानक और तात्कालिक वास्तविकता का एहसास ही है जो उन्हें इतना चौंकाने वाला, इतना बेचैन करने वाला और इतना विश्वसनीय बनाता है।
जैसे-जैसे श्रृंखला आगे बढ़ती है, पार्कर की प्रेरणाएँ अधिक जटिल और व्यवहार अधिक परिष्कृत होता जाता है—उसकी प्रेमिका, क्लेयर, जो उसकी पत्नी लिन की जगह लेती है, जिसने उसे गोली मारी और बाद में आत्महत्या कर ली, एक आकर्षक रचना है; सहनशील, प्रेममय, देखभाल करने वाली, एक पेशेवर के लिए आदर्श साथी—फिर भी चालीस से अधिक वर्षों में उसके रचयिता ने उसे कभी कमजोर या नरम नहीं होने दिया। 2008 में प्रकाशित सबसे हालिया उपन्यास, डर्टी मनी, पार्कर, एक महिला और एक ठग के बीच एक पुराने संवाद के साथ समाप्त होता है, जो पार्कर को धोखा देने की मूर्खता करता है।
उसने मैकव्हिटनी को बिस्तर पर लेटने में मदद की, फिर सैंड्रा से कहा, "अगर हम इसे ठीक से करते हैं, तो तुम मुझे सुबह दो बजे तक क्लेयर के घर पहुंचा सकती हो।"
“मैं कितनी अच्छी इंसान हूँ,” उसने कहा।
ज़मीन पर पड़े उस आदमी ने कहा, "अगर तुम मुझे यहीं छोड़ दोगे, तो वो कल सुबह मुझे मार डालेगा।" पार्कर ने उसकी तरफ देखा। "तो तुम्हारे पास अभी भी आज रात का समय है," उसने कहा।

और पार्कर, या रिचर्ड स्टार्क, किसी को भी इससे ज्यादा कुछ करने की अनुमति देने को तैयार नहीं होते।

□□□ □□

1

जब दरवाजे पर दस्तक हुई, तो पार्कर शोक संदेश वाला पृष्ठ पलट ही रहा था। उसने अखबार नीचे रखा और कमरे में चारों ओर देखा, सब कुछ साफ-सुथरा और सामान्य था। वह आगे बढ़ा और दरवाजा खोला।
वहाँ खड़ा छोटा सा आदमी ऐसे कपड़े पहने था मानो मज़ाक कर रहा हो। गहरे हरे रंग की पतलून, काले-सफेद जूते, काली डोरी वाली नारंगी कमीज़, चमड़े के कोहनी पैच वाली ट्वीड स्पोर्ट्स जैकेट। उसकी जैकेट की जेब से लैवेंडर रंग के रूमाल के मुलायम कोने झाँक रहे थे। उसका बायाँ हाथ लापरवाही से पतलून की जेब में था, और दायाँ हाथ नेपोलियन की नकल करते हुए जैकेट के अंदर घुसा हुआ था। उसका चेहरा किसी शराबी या दलाल की तरह झुर्रियोंदार और चमड़े जैसा था, और वह दोनों ही था। उसकी उम्र चालीस से थोड़ी ज़्यादा, अस्सी के करीब थी।
वह अपने बड़े-बड़े दांत दिखाते हुए मुस्कुराया और बोला, "पार्कर, तुम बदसूरत आदमी हो। नए चेहरे के साथ तो तुम और भी बदसूरत हो गए हो, और यह एक आश्चर्य की बात है।"
पार्कर ने उसे पहचान लिया। उसका नाम टिफ्टस था और वह खुद को ताला बनाने वाला बताता था। पार्कर ने उसके साथ कभी काम नहीं किया था क्योंकि वह बहुत अविश्वसनीय था।
टिफ्टस और भी मुस्कुराई और बोली, "मुझे अंदर क्यों नहीं बुलाते? हमें बात करनी है।"
यह महज़ संयोग नहीं हो सकता था; इसका संबंध ज़रूर जो शीर से था। लेकिन पार्कर ने यह सुनिश्चित करने के लिए पूछा, "किस बारे में? हम क्या बात करेंगे?"
"हॉल में नहीं, पार्कर। तुम्हें शिष्टाचार कहाँ से मिला?"
"भाड़ में जाओ।"
टिफ़्टस मुस्कुराता रहा। उसने अपना सिर हिलाया और अपना दाहिना हाथ जैकेट से इतना बाहर निकाला कि पार्कर को हाई-स्टैंडर्ड.25-कैलिबर ऑटोमैटिक पिस्तौल की चांदी जैसी चमक दिखाई दी। "अच्छे से पेश आओ," उसने

कहा। "हम पुराने दिनों और पुराने दोस्तों के बारे में अच्छी बातें करते हैं।"
तो बात जो के बारे में थी। पार्कर पीछे हट गया और टिफ्टस को अंदर आने का इशारा किया। मोर की तरह इतराते हुए टिफ्टस दहलीज पार करके पार्कर के दाहिने हाथ में आ गिरा। पार्कर ने उसे बेल्ट बकल और ऑटोमैटिक बंदूक के बीचोंबीच वार किया, और टिफ्टस का चेहरा भूरे चमड़े से बदलकर हाथी की चमड़ी जैसा हो गया। पार्कर ने उसके हाथ से ऑटोमैटिक बंदूक छीन ली, उसे कमरे में और अंदर खींच लिया और दरवाजा बंद कर दिया।
टिफ़्टस के गले से एक ऐसी आवाज़ निकल रही थी जैसे दूर से कोई हवाई हमले का सायरन सुनाई दे रहा हो। पार्कर ने उसे कमरे की इकलौती कुर्सी पर बिठाया और खिड़की के पास जाकर बाहर देखने लगा। कैप्टन यंगर अभी भी अपनी काउबॉय टोपी के नीचे, सितंबर की धूप में अपनी काली फोर्ड कार के फेंडर से टिके हुए थे। सामने रेलवे स्टेशन था। सैगामोर, नेब्रास्का। मुख्य सड़क पर कुछ गाड़ियाँ धूप में धूल से सनी हुई थीं।
बाहर तो कोई और नज़र नहीं आ रहा था। अगर टिफ़्टस के साथ कोई था भी, तो वो या तो नीचे लॉबी में था या कहीं छिपकर उसका इंतज़ार कर रहा था।
पार्कर ने छोटी सी स्वचालित बंदूक को लेखन मेज के दराज में रख दिया और टिफ्टस की ओर देखा, लेकिन वह अभी भी कुर्सी पर एकदम सीधा बैठा था, उसकी बाहें उसके पेट से चिपकी हुई थीं, हवाई हमले का सायरन अभी भी उसके गले के पिछले हिस्से में दूर से गूंज रहा था।
पार्कर ने अखबार को पूरा पढ़ने के लिए समय निकाला। उसने पहले ही उसे शोक संदेशों वाले पृष्ठ पर खोल लिया था। उसने सूची में नीचे देखा और जो के छद्म नाम के तहत उसे ढूंढ लिया:
शार्डिन—जोसेफ टी., 17 सितंबर, कोई जीवित रिश्तेदार नहीं। अंतिम संस्कार बुधवार सुबह 10 बजे बर्नार्ड ग्लिफ फ्यूनरल चैपल में, दफ़न ग्रीनलोन कब्रिस्तान में।

बुधवार; आज। सुबह दस बजे। उसने अपनी घड़ी देखी, ग्यारह बज चुके थे, इसलिए अंतिम संस्कार शायद समाप्त हो गया होगा। ज़्यादा समय नहीं लगा होगा, क्योंकि वहाँ जो को जानने वाला कोई नहीं था।
वह वापस पहले पन्ने पर गया और अखबार को पूरा पढ़ने लगा, सारी सुर्खियाँ पढ़ डालीं, जो की मौत के बारे में कोई जानकारी ढूंढने की कोशिश की, लेकिन

शोक संदेश के अलावा जो का कहीं कोई ज़िक्र नहीं था। शोक संदेश में यह नहीं बताया गया था कि जो की मौत किस कारण हुई।
पेज सात पर कैप्टन एबनर एल. यंगर और तीन अन्य हट्टे-कट्टे लोगों की एक तस्वीर थी, जिसमें वे सेफ्टी फर्स्ट कॉन्फ्रेंस में स्कूली बच्चों को खराब ड्राइवरों द्वारा मारे जाने से बचाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे थे। काउबॉय हैट के कारण यंगर की आंखें ठीक से दिखाई नहीं दे रही थीं।
पार्कर ने आखिरकार अखबार बंद किया और टिफ्टस के सामने जाकर खड़ा हो गया, जो अब फिर से सांस ले रहा था। टिफ्टस के चेहरे का रंग एक बार फिर बदल गया था, अब उसका पूरा चेहरा सफेद पड़ गया था, सिवाय उसकी दर्द भरी भूरी आँखों और सख्त गालों पर लाल रंग के दो गोल धब्बों के, जो ऐसे लग रहे थे जैसे उसे जोकर जैसा दिखाने के लिए रंग लगाया गया हो। वह मुँह खोलकर सांस ले रहा था और दर्द भरी आँखों से पार्कर को देख रहा था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। चमकीले कपड़े पहले से भी ज़्यादा बेमेल लग रहे थे।
पार्कर ने कहा, "तुम बात करना चाहते हो। बात करो।"
टिफ़्टस ने अपने होंठ हिलाए, लेकिन कुछ नहीं बोला। फिर उसने अपना मुँह बंद किया, ज़ोर से निगला, अपनी सूखी जीभ से अपने होंठों को चाटा, और अंत में बोला, "तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी।" उसकी आवाज़ भारी लग रही थी। "मुझे उल्टी आने वाली थी," उसने कहा। उसकी आवाज़ में नाराज़गी झलक रही थी। पार्कर ने कहा, “तुम्हारी उम्र कितनी है, टिफ्टस? सौ? इस उम्र में तुम्हें बंदूकों के बारे में कुछ नहीं पता? जिस आदमी को तुम मारना नहीं चाहते, उसे कभी बंदूक मत दिखाओ। तुम मूर्ख हो, टिफ्टस। अब, तुम किस बारे में बात करना चाहते थे?”
“तुम्हारे साथ नहीं, कमीने।” पार्कर ने उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी, और वह रूठने वाला था।
पार्कर ने कहा, "जो की मौत किस वजह से हुई?"
टिफ़्टस सचमुच हैरान लग रहा था; इतना हैरान कि वह मुंह फुलाने के बारे में भूल ही गया। उसने कहा, "ये क्या बकवास है? मुझे कैसे पता चलेगा?"

“क्या तुम यहाँ नहीं थे?”
“कौन, मैं?”

पार्कर ने चिढ़कर अपना सिर हिलाया। उसने टिफ्टस की छाती पर उंगली से हल्का सा मारा, जिससे टिफ्टस दर्द से कराह उठी। उसने फिर से मारा और कहा, "सवाल मत पूछो। मैं तुमसे एक सवाल पूछता हूँ, उसके बाद तुम उसका जवाब दोगे, दूसरा सवाल नहीं पूछोगे। क्या तुम फिर से कोशिश करने के लिए तैयार हो?" “आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है, पार्कर। मैं यहाँ बस दोस्ती के नाते आता हूँ, इसलिए मुझे लगता है कि हम…”
"खिलौने वाली बंदूक से।"
“ठीक है। ठीक है, आप सही हैं, मैं इसके लिए माफी मांगता हूँ।” आखिरकार वह संभल रहा था, फिर से पहले की तरह खुशमिजाज हो गया था। “मुझे उस तरह से आप पर बंदूक नहीं ताननी चाहिए थी।”
मुझे यह पहले से ही पता था। मुझे कुछ ऐसा बताओ जो मुझे पता न हो।
टिफ्टस ने शांति का संकेत देते हुए अपने हाथ फैलाए। उसने कहा, “पार्कर, हमारे बीच लड़ने का कोई कारण नहीं है। हम कभी दुश्मन नहीं रहे, कभी भी अपने जीवन में नहीं। हमारे बीच कभी कोई मनमुटाव नहीं रहा।”
“हमारे बीच कभी कुछ नहीं था। तुम यहाँ कब आए?”
“अभी-अभी। भगवान के लिए, आप क्या सोचते हैं? पार्कर, मैंने अभी तक अपना सामान भी नहीं खोला है। मैं ट्रेन से उतरी, सड़क पार की, मैंने आपको होटल में आते देखा, मैंने डेस्क क्लर्क से आपका कमरा नंबर लिया, बस इतना ही। मैंने एक कमरा लिया, एक मंजिल ऊपर, अपना सूटकेस वहीं रखा और सीधे आपसे मिलने नीचे आ गई। हम एक-दूसरे के खिलाफ क्यों काम करें?”
हमें एक दूसरे के साथ काम क्यों करना चाहिए?

टिफ्टस एक बार फिर आत्मविश्वास से भर उठा, फिर से आत्मसंतुष्ट हो गया। उसने कहा, "क्योंकि हम दोनों यहाँ हैं। हम दोनों एक ही चीज़ के पीछे पड़े हैं।"
“हम हैं? वो क्या है?”
लेकिन टिफ्टस मुस्कुराई, उंगली हिलाई और नखरे दिखाने लगी। "पार्कर, तुम भी उतना ही जानते हो जितना मैं। तुम जानना चाहते हो कि मुझे कितना पता है, क्या यही बात है?"

पार्कर यह पता लगाना चाहता था कि टिफ्टस किस बारे में बात कर रहा है। लेकिन वह टिफ्टस को यह अंदाज़ा नहीं लगने दे सकता था कि उसे नहीं पता, इसलिए उसे झूठ बोलना पड़ा और टिफ्टस के कुछ कहने का इंतज़ार करना पड़ा। उन्होंने कहा, “मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम क्या जानते हो। मुझे अब भी तुम्हारे साथ काम करने का कोई कारण नहीं दिखता। इससे पहले भी मैंने तुम्हारे साथ कभी काम नहीं किया क्योंकि तुम भरोसेमंद नहीं हो, और अब भी मैं तुम्हारे साथ काम नहीं करने वाला।”
“लेकिन ये तो अलग बात है,” टिफ्टस ने कहा। “इस बार आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं कि मैं इस नीरस छोटे से शहर में अंत तक यहीं रहूँगी। आप यहाँ हैं, मैं यहाँ हूँ, और हममें से कोई भी यहाँ से नहीं जा रहा है। अगर हम आपस में लड़ेंगे, तो हम सिर्फ़ अपना ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। अगर हम साथ मिलकर काम करेंगे, तो हम जल्दी ही काम पूरा कर लेंगे।”
पार्कर ने उसे कैप्टन यंगर के बारे में बताने की ज़हमत नहीं उठाई, क्योंकि उस तरफ़ पहले ही ध्यान जा चुका था। इसके बजाय, उसने कहा, "अगर मैं तुमसे कहूँ कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो तो?" टिफ्टस हँसी और चालाकी से बोली, "अरे, पार्कर! तुम यहाँ क्या कर रहे हो? मुझे लगता है कि तुम अपनी सेहत के लिए आए हो, या फिर तुमने सोचा कि तुम जो के अंतिम संस्कार में शामिल होने आ जाओगे, क्या यही बात है?"

पार्कर सोचने लगा। टिफ़्टस कुछ मामलों में मूर्ख था, लेकिन कुछ मामलों में चतुर भी; यह मुमकिन नहीं था कि वह पार्कर को पहले से बताई गई बातों से ज़्यादा कुछ बताएगा। लेकिन अगर पार्कर और सवाल पूछता रहा, तो टिफ़्टस को लगने लगेगा कि उसे कहानी का सच में कुछ पता ही नहीं है, और यह ठीक नहीं होगा।
पार्कर आगे की ओर झुका, उसका बायां हाथ सीधा फैला हुआ था, और हाथ टिफ्टस के सिर के पास कुर्सी की पीठ पर टिका हुआ था। धीमी आवाज़ में उसने कहा, "ठीक है, टिफ्टस, मैं तुम्हें सच बताऊंगा। मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं वास्तव में यहाँ क्यों आया हूँ।"
टिफ्टस ने बेहतर ढंग से सुनने के लिए अपना सिर एक तरफ झुकाया।

पार्कर ने उसके जबड़े पर एक जोरदार प्रहार किया। टिफ्टस का सिर झटके से पलटा और पार्कर की बाईं बांह से टकराया। वह आगे की ओर झुक गया और कुर्सी से गिरने ही वाला था, लेकिन पार्कर ने उसे वापस धकेल दिया।
पार्कर ने अपनी जेबें टटोलीं। जैकेट में कुछ नहीं था सिवाय उस लैवेंडर रंग के रूमाल के, जो सुगंधित निकला। नारंगी शर्ट की जेब में प्लास्टिक की नोक वाली छोटी सिगारों का एक बंद पांच-पैक था। दाहिनी पतलून की जेब में एक ज़िपो लाइटर था जिस पर 'फ्रॉम डीडब्ल्यू टू एसएफ' लिखा था, इन दोनों अक्षरों का टिफ्टस से कोई संबंध नहीं था। बाईं पतलून की जेब में 57 सेंट खुले पैसे, उसके होटल के कमरे की चाबी और एक खरगोश का पैर था। उनकी कमर की जेब में उनका बटुआ था, और उस बटुए में एडॉल्फ टिफ्टस के नाम से बना एक सोशल सिक्योरिटी कार्ड, नेवादा का ड्राइविंग लाइसेंस, घोड़ों की चार ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें, एक सिक्का-संचालित फोटो बूथ से टिफ्टस की खुद की एक तस्वीर, चौंसठ डॉलर के नोट, डेली टेलीग्राफ के एक कॉलम की एक कतरन जिसमें युद्ध-पूर्व के एक सीजन में फ्रीहोल्ड रेसवे के उद्घाटन में उनकी उपस्थिति का उल्लेख था, एक छोटी सी एडिंग मशीन के कागज का टुकड़ा जिस पर पेंसिल से दो टेलीफोन नंबर लिखे थे, और खड़े हुए एक चीनी जोड़े की एक अश्लील रंगीन तस्वीर थी।
जेब या बटुए में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे पता चले कि टिफ़्टस ओमाहा से चालीस मील दूर स्थित एक सुनसान कस्बे, नेब्रास्का के सैगामोर में क्या कर रही थी। टेलीफोन नंबर सैगामोर एक्सचेंज के नहीं थे। आसपास कोई रेस ट्रैक नहीं था। जो शीर का रेस ट्रैक से कोई लेना-देना नहीं था, सिवाय कभी-कभार वहाँ जाकर जुआ खेलने के। जो कभी जुआरी नहीं रहा था; यही वजह थी कि रिटायर होने से पहले वह इतना अच्छा खिलाड़ी था।
पार्कर ने कमरे की चाबी को छोड़कर बाकी सब कुछ टिफ्टस की जेब में वापस रख दिया। उसने टिफ्टस को ऐसे उठाया जैसे कोई कठपुतली कलाकार अपनी पुतली को उठाता है, उसे अपने कंधे पर डाला और हॉल के दरवाजे की ओर चल दिया।
हॉल में कोई नज़र नहीं आ रहा था। पार्कर ने थोड़ा समय निकालकर कमरे के दूसरी तरफ जाकर ड्रेसर से टिफ्टस की बंदूक निकाली और उसे अपनी जेब में रख लिया। फिर वह हॉल में गया, कमरे का दरवाजा बंद किया और उस लाल बत्ती की ओर चल पड़ा जो उसे सीढ़ियों का रास्ता दिखा रही थी।

टिफ़्टस हड्डियों और चमड़ी का ढांचा मात्र था, एक कीड़े जितना हल्का। पार्कर उसे एक सीढ़ी ऊपर ले गया और फिर एक सुनसान गलियारे से होते हुए टिफ़्टस की चाबी से दरवाजा खोला।
टिफ़्टस झूठ नहीं बोल रहा था। उसका सूटकेस, बंद और भरा हुआ, बिस्तर पर रखा था। ऊँट के बालों का एक ओवरकोट, जिसके कॉलर, कफ़ और नीचे का किनारा थोड़ा पुराना हो गया था, बड़े ही सलीके से आर्मचेयर पर फैला हुआ था। टिफ़्टस ने ये दोनों चीज़ें उतारीं और सीधे पार्कर के कमरे में चला गया। पार्कर ने टिफ्टस को बिस्तर पर पीठ के बल पटक दिया। जैसे ही उसने टिफ्टस को छोड़ा, उसे एक आवाज़ सुनाई दी और वह मुड़ा। बगल वाले कमरे का दरवाजा खुल गया था। दरवाजे पर एक महिला खड़ी थी, जिसने अपने बाएं हाथ पर सफेद होटल का बाथरोब और पैरों में गुलाबी, फूली हुई चप्पलें पहन रखी थीं, और कुछ नहीं। ऊपर से पीली और नीचे से काली, वह दो-पीस स्विमिंग सूट पहनकर धूप में टैनिंग के लिए निकली थी। उसका शरीर भारी था, लेकिन मोटा नहीं; मजबूत मांस उसके बड़े-बड़े हड्डियों वाले शरीर पर अच्छी तरह से गठीला था। उसका चेहरा सुंदर होता, सिवाय इसके कि उसकी आंखें जेबकतरों जैसी और मुंह वेश्याओं जैसा था। उसने कहा, "तुम आखिर कर क्या रहे हो?"
तो टिफ़्टस पार्कर से मिलने आने से पहले तीन चीज़ें पीछे छोड़ गई थी: बैग, कोट और तीसरा बैग। दूसरा बैग बगल के कमरे में नहाने के लिए रख दिया गया था। पार्कर ने कहा, "वापस अंदर जाओ और चुप रहो।"
“तुम कह रहे हो। मेरे आदमी को क्या हुआ?”
“तुम्हारा क्या?”
"छोड़ो तुम। वो कद में छोटा है लेकिन तगड़ा है।" और अगर वो तीस साल की दिखती है, तो उसकी उम्र उससे लगभग दोगुनी होगी।
पार्कर ने कहा, "उसका मुझसे ही कारोबार था। दफा हो जाओ।"
अचानक उसे याद आया और उसने तौलिया अपने सामने उठा लिया। अब वह किसी अग्निशमन केंद्र में रखे कैलेंडर जैसी लग रही थी। उसने कहा, "जब तक मुझे पता नहीं चल जाता कि बेचारे एडॉल्फ का क्या हुआ, तब तक नहीं।"
वह अपनी महत्वाकांक्षा के कारण गिर पड़ा।
क्या इसे मज़ाकिया माना जाना चाहिए?
पार्कर चलकर आया और तौलिए के बीचोंबीच हाथ रखकर उसे धक्का दिया। उसने पास का दरवाजा बंद किया और कुंडी लगा दी, फिर वापस बिस्तर पर चला गया।

महिला ने दरवाजे पर कुछ बार खटखटाया, लेकिन जब पार्कर ने उसकी बात अनसुनी कर दी तो वह चुप हो गई। वह जानता था कि वह इतनी समझदार तो होगी कि पुलिस को बुलाकर कुछ भी नहीं करेगी; टिफ्टस से उसका संबंध था, इसलिए उसे इतना तो पता ही होगा।
उसने टिफ़्टस का सूटकेस बिस्तर से उठाया, टिफ़्टस के फैले हुए पैरों में से एक के नीचे से निकाला, और उसे ड्रेसर के ऊपर रखकर खोल दिया। उसने एक-एक करके कपड़े बाहर फेंके, जो उसके बगल में ज़मीन पर ढेर हो गए। लेकिन जब उसने सब कुछ निकाल लिया, तो उसके पास सिर्फ़ एक खाली सूटकेस और ज़मीन पर बिखरा हुआ बहुत सारा कबाड़ था। कपड़े, टूथपेस्ट और टूथब्रश, ज़िंक ऑइंटमेंट की ट्यूब, बवासीर की किसी क्रीम की ट्यूब, उसी ऊबे हुए चीनी जोड़े की कुछ और अश्लील तस्वीरें, ऑटोमैटिक बंदूक के कारतूसों का डिब्बा, बालों का तेल, तीन ज्योतिष पत्रिकाएँ। फिर भी उसे टिफ़्टस के इरादे का कोई सुराग नहीं मिला।
उस महिला से पूछें? नहीं, टिफ्टस को भी इतना तो पता होना चाहिए कि वह अपने निजी मामलों को अपने तक ही सीमित रखे। वह महिला काम के बाद साथ आएगी, काम के दौरान नहीं।
फिर टिफ़्टस के होश में आने का इंतज़ार करना और उससे सीधे पूछना? नहीं, अभी यह सब छोड़ो। समय बहुत कम था, और टिफ़्टस को यह पता नहीं चलना चाहिए था कि पार्कर को कितनी कम जानकारी थी।
पार्कर ने कमरे की चाबी खाली सूटकेस में रख दी और दरवाजे की ओर चल पड़ा। वह रुककर पीछे मुड़ा, लेकिन टिफ्टस अभी भी बाहर थी। बगल वाले कमरे से कोई आवाज नहीं आ रही थी। पार्कर ने दरवाजा सावधानी से बंद करते हुए वहां से चला गया।
दाईं ओर लिफ्ट और सीढ़ियाँ थीं जिनसे वह अभी ऊपर आया था, लेकिन दूसरी तरफ एक आग से निकलने का रास्ता होना चाहिए था, जो लॉबी या इमारत के सामने के किसी भी हिस्से की ओर न जाता हो। पार्कर उस दिशा में गया और पहले ही मोड़ पर उसे वह मिल गया - एक चौड़ा लकड़ी का दरवाजा जिस पर लाल अक्षरों में 'आग से निकलने का रास्ता' लिखा था। वह जंग लगे हुए, मुश्किल से खुला। पार्कर इमारत के पीछे की ओर लकड़ी की पट्टियों से बनी एक बाहरी सीढ़ी पर पहुँचा, एक पुरानी, चौड़ी, लकड़ी की आग से निकलने वाली सीढ़ी जिसकी रेलिंग समय के साथ टेढ़ी-मेढ़ी हो गई थी। वह उससे नीचे एक छोटी सी कंक्रीट की गली में

पहुँचा जिसके किनारे हरे दरवाजे और कूड़ेदान लगे थे। उसके अंत में सड़क थी।
पार्कर गली से निकलने से पहले एक मिनट तक सड़क की ओर देखता रहा। उसे न तो कैप्टन यंगर दिखाई दिया, न ही कोई ऐसा व्यक्ति जो देखने में कैप्टन यंगर के लिए काम करता हुआ प्रतीत हो। न ही कोई ऐसा व्यक्ति जो टिफ्टस से जुड़ा हुआ प्रतीत हो; हालाँकि इस मामले में पार्कर को पूरा यकीन था कि टिफ्टस अकेले ही काम कर रहा था। अगर उसके साथ कोई दूसरा आदमी होता, उस औरत के अलावा कोई और, तो पार्कर को अब तक उसका कोई न कोई सबूत ज़रूर मिल जाता।
वह गली से निकला और अगले कोने पर स्थित एक दवा की दुकान की ओर सड़क पर चलने लगा। उसे शोक संदेश में छपा नाम याद था; दवा की दुकान में उसे पता और वहाँ पहुँचने का रास्ता मिल जाएगा।

2

कमरे में फूलों और मौत की दुर्गंध फैली हुई थी। बाईं ओर दीवार पर लगे झुर्रीदार मस्जिदों के आकार के नारंगी बल्ब मंद रोशनी बिखेर रहे थे, जो वॉलपेपर के उलझे हुए पैटर्न पर चमक रहे थे, लेकिन गहरे मैरून रंग के मोटे कालीन और दरवाजों के चारों ओर लगे भारी काले पर्दों में उनकी चमक फीकी पड़ रही थी। दाईं ओर, हरे रंग की टोकरियों में सड़े हुए फूल एक ताबूत के बिना बनी अर्थी के चारों ओर रखे थे; कुछ सफेद गुलाब की पंखुड़ियाँ अर्थी की सपाट सतह पर गिरी हुई थीं और धीरे-धीरे भूरी होकर छोटी-छोटी मुट्ठियों में सिमट रही थीं।
पार्कर मुख्य द्वार पर एक मिनट तक खड़ी रही, सड़क की तेज धूप के बाद अंदर के धुंधलेपन से अभ्यस्त होने की कोशिश कर रही थी। कमरा खाली, सन्नाटे भरा और लोगों से रहित था; आगंतुकों के हस्ताक्षर के लिए रखी पुस्तक वाले पोडियम के पास दरवाजे के बगल में कोई खड़ा नहीं था, और कोने में बने मैरून मोहेयर सोफे पर भी कोई नहीं बैठा था।
पार्कर ने सामने का दरवाजा बंद किया और कमरे के उस पार जाने लगा, उसके चलने से मोटे कालीन पर बिल्कुल भी आवाज नहीं हुई।
कमरे के दूसरे छोर पर पर्दे से ढके दरवाज़े से गुज़रना मानो समय यात्रा जैसा था, मानो विक्टोरियन युग के धुंधले अंधेरे से निकलकर आईबीएम युग की समतल ज्यामिति में छलांग लगा दी हो। इस गलियारे की धूसर रंगी दीवारें प्लास्टर की घटिया नकल में चिपके प्लास्टिक जैसी लग रही थीं; छत सफेद ध्वनि-रोधक पैनलों की एक जालीदार संरचना थी जिसमें पंक्तियों में छोटे- छोटे काले छेद थे; और फर्श काले रंग का था जो पार्कर के कदमों की आवाज़ को लगभग उतना ही दबा देता था जितना कि दूसरे कमरे में मैरून रंग का कालीन दबा देता था।
गलियारे के बीचोंबीच दो सफेद दरवाजे आमने-सामने थे। पार्कर ने बाएँ वाले दरवाजे से अंदर जाने की कोशिश की और देखा कि सीढ़ियाँ नीचे अँधेरे में जा रही हैं। दाएँ वाला दरवाजा बेहतर था; वह एक छोटे से दफ्तर में खुलता था जो गलियारे की तरह ही आईबीएम शैली में बना था, लेकिन खिड़की के दोनों ओर पुराने जमाने की कांच की अलमारियों से सुसज्जित था।

कार्यालय भी खाली था। पार्कर दरवाजे से अंदर दाखिल हुआ और चारों ओर देखा। बगल वाली मेज पर रखे इलेक्ट्रिक टाइपराइटर में कोई कागज नहीं था, मुख्य मेज की साफ-सुथरी व्यवस्था में कोई गड़बड़ी नहीं थी, कोने में लगे कोट रैक पर न कोई कोट था और न ही कोई टोपी। यह जगह किसी फर्नीचर कंपनी के शोरूम में बने नकली कार्यालय जैसी लग रही थी।
वह वापस हॉल में जाने के लिए मुड़ा, और तभी अचानक दरवाजे पर एक भारी- भरकम, नाराज़ दिखने वाला आदमी खड़ा हो गया, जिसने काले रंग का टाइट सूट, ड्राइवर की टोपी और भूरे रंग के दस्ताने पहन रखे थे। उसने भौंहें चढ़ाकर पार्कर को घूरते हुए कहा, "तुम अंदर क्या कर रहे हो?"
"ग्लिफ़ की तलाश में।"
"क्या?"
“बर्नार्ड ग्लिफ। यही इस जगह का मालिक है, यही तुम्हारा बॉस है।”
मैं मिस्टर ग्लिफ को जानता हूँ।
"क्या आपको पता है कि वह कहाँ है?"
वह अब भी दुखी लग रहा था, लेकिन पार्कर पर नहीं, बल्कि मानो यह उसका सामान्य भाव हो, मानो उसके साथ हुए अन्याय ने उसे इतना गहरा घाव दिया हो कि वह उस निशान को कभी नहीं मिटा पाएगा, भले ही यह घटना इतने लंबे समय पहले घटी थी कि उसे ठीक से याद भी नहीं था कि वह क्या थी। उसने सिर हिलाया और कहा, "हाँ, मुझे पता है वह कहाँ है।"
"कहाँ?"
वह ऊपर जाकर झपकी ले रहा है।
“उसका क्या?”
“जब भी हमें ग्रीनलॉन में सुबह का कोई काम मिलता है, तो वह उसके बाद झपकी लेता है। क्या आप उसे किसी खास काम के लिए चाहते हैं?”
पार्कर ने कहा, "मैं उनसे जोसेफ शार्डिन के बारे में बात करना चाहता हूं।"
"कौन?"
"तुमने आज सुबह उसे दफनाया था," पार्कर ने उससे कहा। "वह ग्रीनलॉन जाने वाली सुबह की ड्यूटी पर था।"

“ओह। ओह, वो।” उसने सिर हिलाया। “मुझे लाशों के नाम कभी याद नहीं रहते,” उसने कहा। “जब तक कि वो मेरे अपने परिवार का कोई सदस्य न हो, तब बात अलग है।”
"क्या आप ग्लिफ़ को पाना चाहते हैं?"
“हाँ, ठीक है। आप अंदर इंतज़ार नहीं कर सकते, आपको बाहर व्यूइंग रूम में इंतज़ार करना होगा।”

"क्या?"
उसका मतलब उस कमरे से था जहाँ पार्कर पहले ही जा चुका था, जिसमें फूल और अर्थी रखी थी। पार्कर वहाँ पाँच मिनट तक लाल रंग के कालीन पर इधर-उधर टहलता रहा। वह सोच रहा था कि क्या टिफ़्टस जाग गई होगी, क्या कैप्टन यंगर को पता चल गया होगा कि पार्कर अब होटल में नहीं है। उसे नहीं पता था कि उसके पास कितना समय बचा है।
अंततः ग्लिफ़ कमरे के दूसरे छोर पर लगे पर्दों से बाहर आया, मानो कोई क्षमा याचना करता सिडनी ग्रीनस्ट्रीट हो। वह बेहद लंबा, कुछ भारी-भरकम शरीर वाला व्यक्ति था, जिसके कंधे झुके हुए थे, चौड़ा शरीर था और पैर सीधे और मज़बूती से ज़मीन पर टिके हुए थे। उसकी उम्र लगभग पचास वर्ष थी, काले बाल कनपटी पर स्वाभाविक रूप से सफ़ेद हो रहे थे, चेहरा रोटी के आटे की तरह पीला और गाल गिलहरी की तरह लटके हुए थे। उसकी आँखें हल्की नीली, नम और पतली भौहों के नीचे थोड़ी उभरी हुई थीं; इस समय वे नींद से जाग रही थीं। उसने काला सूट और काली टाई पहनी हुई थी।
वह मेसी की परेड के गुब्बारे की तरह अविश्वसनीय रूप से हल्का होकर आगे बढ़ा, उसका बेजान हाथ फैला हुआ था। "मैं बर्नार्ड ग्लिफ़ हूँ," उसने कहा। "आप..."
ग्लिफ़ के लिए, पार्कर ने अपना कारोबारी वाला चेहरा बना लिया। उसने ग्लिफ़ से हाथ मिलाया और कहा, "विलिस। चार्ल्स विलिस।" यह वही नाम था जो उसने इस शहर की यात्राओं के दौरान पहले भी इस्तेमाल किया था, इसलिए इस बार भी उसने यही नाम लिया। जिस तरह से उसने नाम लिया, उससे लगता था कि वह किसी न किसी तरह का कारोबारी है। उसके शरीर की बनावट, कद-काठी और मज़बूती को देखकर लगता था कि उसका कारोबार कठिन और प्रतिस्पर्धी होगा; शायद पुरानी कारों का या ज्यूकबॉक्स का।

ग्लिफ ने कहा, "मुझे बेनी ने बताया कि यह बात मिस्टर शार्डिन के एक दोस्त ने बताई है।" जो का नाम लेते समय उनकी आँखों में हल्की सी चमक आ गई। पार्कर ने कहा, "बिल्कुल सही। इसीलिए तो मैं यहाँ हूँ।"
"कार्यालय में आइए। हम बैठकर बातचीत कर सकते हैं।"
ड्राइवर—शायद बेनी—कहीं नज़र नहीं आ रहा था। पार्कर, ग्लिफ़ के पीछे- पीछे गलियारे से होते हुए वापस ऑफिस में गया, और ग्लिफ़ आराम से घूमकर मुख्य डेस्क के पीछे वाली कुर्सी पर ऐसे बैठ गया जैसे कोई हवाई जहाज़ लंगर डालता हो। पार्कर डेस्क के पीछे ग्राहकों के लिए बनी कुर्सी पर बैठ गया। ग्लिफ़ ने कहा, "श्री शार्डिन के बारे में यह एक दुखद बात है। वाकई दुखद।" यह महज़ शब्द थे, बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए कहे गए शब्द।
पार्कर ने कहा, "अखबार में उनकी मौत के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया था।"
“मुझे लगता है कि दिल का दौरा पड़ा था। आप श्री शार्दिन को अच्छी तरह जानते थे?” उनकी आँखों में फिर से वही उत्साह झलक रहा था, जिसे उन्होंने तुरंत छुपा लिया।
"उनके सेवानिवृत्त होने से पहले से ही," पार्कर ने कहा।
“आह।” ग्लिफ़ ने गंभीर भाव से सिर हिलाया, आँखें झुकी हुई थीं, और मेज़ पर हाथों से उंगलियों को आपस में मिलाकर एक छोटा सा तंबू जैसा आकार बनाया। “मैं श्री शार्डिन से कभी नहीं मिला,” उन्होंने कहा। “हाल ही में हमारे समुदाय में रहने आए हैं।” उनका लहजा विश्वास और जानकारी जगाने वाला था। लेकिन पार्कर को जानकारी चाहिए थी। उसने कहा, "तुम उसे कभी नहीं जानते थे?"
नहीं, मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि मैंने ऐसा नहीं किया। सभी के अनुसार, वह बहुत ही मिलनसार और सौहार्दपूर्ण व्यक्ति थे।
आपको यह नौकरी कैसे मिली?
ग्लिफ़ एक पल के लिए थोड़ा नाराज़ दिखे, लेकिन फिर गायब हो गए और उन्होंने कहा, "चूंकि कोई ज्ञात जीवित रिश्तेदार नहीं थे, इसलिए अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने की ज़िम्मेदारी नगर पालिका पर आ गई, और यह दायित्व मुझे सौंपा गया।" उन्होंने अपने हाथ इस तरह फैलाए मानो कह रहे हों कि मृत्यु भयानक है लेकिन अपरिहार्य है और किसी को तो ये दुखद कर्तव्य

निभाने ही होंगे। फिर उनका चेहरा खिल उठा और उन्होंने कहा, "क्या आप श्री शार्डिन के गृहनगर से हैं?"
“नहीं, हम कुछ समय तक एक ही व्यवसाय में थे। संपत्ति का प्रबंधन कौन कर रहा है?”
“मुझे लगता है, सिटीजन ट्रस्ट। जी हाँ, सिटीजन ट्रस्ट। श्री शार्डिन का वहाँ एक खाता था और क्योंकि उनकी मृत्यु बिना वसीयत बनाए हुई थी, इसलिए अदालत ने बैंक को वसीयत का कार्यकारी नियुक्त किया। तो आप दोनों एक ही व्यवसाय में थे, है ना?”
“कुछ समय के लिए।” जानकारी हासिल करने के लिए ग्लिफ़ के प्रयास आश्चर्यजनक रूप से ज़ोरदार थे। पार्कर ने उन्हें नज़रअंदाज़ करते हुए भी उनके बारे में सोचा; ग्लिफ़ को उस व्यक्ति में इतनी दिलचस्पी नहीं होनी चाहिए जिसे वह कभी जीवित नहीं देखा था।
इससे पहले कि ग्लिफ अपना अगला सवाल पूछ पाते, पार्कर ने कहा, "उनका डॉक्टर कौन था?"
“उनके डॉक्टर?” ग्लिफ़ हैरान लग रहे थे। “मुझे लगता है कि वे डॉ. रेबोर्न थे। आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं?”
मैंने सोचा कि मैं उससे मिलने जाऊं। जो से मेरा काफी समय से संपर्क नहीं था; मैं जानना चाहता हूं कि उसके साथ क्या हुआ।
"खैर, बुढ़ापा तो आखिरकार हम सभी को आता ही है, और श्री शार्डिन कोई युवा व्यक्ति नहीं थे; मेरी राय में उनकी उम्र इकहत्तर वर्ष थी।"
"ऐसा कुछ।"
“उन्होंने एक परिपूर्ण जीवन जिया,” उन्होंने कहा, मानो जो के जीवन में अब तक केवल ग्लिफ़ द्वारा इस छोटे से शोक संदेश को दोहराने की ही कमी थी, “और मुझे विश्वास है कि एक सुखी जीवन भी। लेकिन आप इसके बारे में मुझसे ज़्यादा जानते होंगे।”
“उसका जीवन सुखमय था। ये डॉ. रेबोर्न कहाँ हैं?”
“उनका दफ्तर यहाँ से बस एक ब्लॉक दूर, लेक एवेन्यू पर पश्चिम दिशा में है। वैसे, श्रीमान विलिस, सच कहूँ तो मुझे आपकी उनसे मिलने की इच्छा समझ नहीं आती। श्री शार्दिन अब इस दुनिया में नहीं हैं; हम कुछ भी कर लें, वे वापस नहीं आ सकते।”

मैं उसे वापस नहीं लाना चाहता। मैं यह जानना चाहता हूं कि उसकी मौत कैसे हुई।
"क्या आपको श्री शार्दिन की मृत्यु में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का कोई संदेह नहीं है?"
लेकिन पार्कर ने सिर हिलाया। "मुझे पता है कि उनका दिल कमजोर था," उसने झूठ बोलते हुए कहा। "इसीलिए उन्होंने उस समय रिटायरमेंट ले लिया था। मुझे नहीं लगता कि उनकी मौत में कुछ भी हास्यास्पद है; कौन उन्हें मारना या नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वह तो बस एक बूढ़े आदमी थे, रिटायर हो चुके थे और आराम से जीवन बिता रहे थे।"
“बिल्कुल।” ग्लिफ़ ने सिर हिलाया और बेतुकी मुस्कान के साथ कहा, “सुनहरे दिन। मैं खुद तो उनका इंतज़ार कर रहा हूँ—लेकिन वो तो ज़ाहिर सी बात है, भविष्य की बात है। आपने श्री शार्दिन के किस व्यवसाय की बात की थी?”
तो आखिरकार उन्होंने सीधे-सीधे सवाल पूछ ही लिया। इसके जवाब में पार्कर ने कहा, "उनका यहाँ आस-पास कोई कारोबार नहीं था, वे सेवानिवृत्त हो चुके थे।"
इससे पहले कि ग्लिफ़ कुछ और कह पाता, अपनी बात समझा पाता या पार्कर को और करीब से घेरने की कोशिश कर पाता, पार्कर उठ खड़ा हुआ और बोला, "मुझे अब जाना चाहिए। मैं आपका ज़्यादा समय नहीं लेना चाहता।"
बिल्कुल नहीं, बिलकुल नहीं।
ग्लिफ़ डेस्क के पीछे खड़े हो गए, असंतोष के कारण उनके होंठ थोड़े सिकुड़े हुए थे। उन्होंने फिर से हाथ मिलाया और ग्लिफ़ ने कहा, "मुझे श्री शार्डिन को व्यक्तिगत रूप से जानने वाले किसी व्यक्ति से मिलने का अवसर पाकर खुशी हुई। उन्हें जानने का अवसर न मिलने के कारण, मैं उनके बारे में, उनके अतीत के बारे में, उनकी दोस्ती के बारे में और उनके जीवन के बारे में जानने के लिए उत्सुक था।"
"खैर, अब उसके लिए सब कुछ खत्म हो गया है," पार्कर ने कहा।
ग्लिफ़ के चेहरे पर झुंझलाहट के भाव झलक गए। "हाँ," उन्होंने कहा। "तो ऐसा ही है।"
पार्कर ने कहा, "मैं खुद ही बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ लूंगा।"

3

टिफ्टस लॉन पर बैठी थी, उस बोर्ड पर जिस पर 'फ्यूनरल होम' लिखा था।
जब पार्कर धूप में बाहर आया तो वह उठ खड़ा हुआ और मुस्कुराते हुए उसके सिर पर थपथपाते हुए उसकी ओर बढ़ा। "क्या मैं बुद्धिमान हूँ?" वह जानना चाहता था।
पार्कर ने कहा, "नहीं।"
“मैं तुम्हारे कमरे में हूँ, तुम्हारे पास स्थानीय अखबार है। मैंने मन ही मन सोचा, पार्कर को इस घटिया स्थानीय अखबार से क्या चाहिए? शोक संदेश और अंतिम संस्कार करने वाले का पता ही तो होगा? अब, क्या मैं समझदार हूँ?” पार्कर उसके सामने खड़ा होकर बोला, “आज मैं तुम्हें दो बार मार चुका हूँ। एक बार तुम्हारी साँस रोक दी, एक बार तुम्हें बेहोश कर दिया। और देखो, तुम तीसरी बार वापस आ गए हो। इसे तुम चालाकी कहते हो?”
“मैंने तुमसे कहा था कि इस बार तुम मुझ पर भरोसा कर सकते हो, पार्कर, और मेरा मतलब वही था।” छोटा आदमी अपनी अकड़ भरी मुस्कान के साथ मुस्कुरा रहा था, लेकिन उसके पीछे दृढ़ता थी; टिफ्टस के लिए कुछ नया और अलग। उसने कहा, “अगर तुम हमें साझेदार बनाना चाहते हो, तो ठीक है। अगर तुम हमें प्रतिद्वंद्वी बनाना चाहते हो, तो भी ठीक है। यह तुम पर निर्भर है।” पार्कर ने कहा, "अलविदा।" और वह सड़क पर आगे बढ़ने लगा।
लेकिन टिफ़्टस ने कोई अल्टीमेटम नहीं दिया था। वह नकली सिक्के की तरह चमकता हुआ, पार्कर के लंबे कदमों के साथ कदम मिलाकर चल रहा था। "तुमने रोंडा को सच में डरा दिया," उसने ऐसे कहा जैसे पार्कर ने कोई मज़ेदार लेकिन थोड़ी शरारती हरकत की हो। "तुमने उसे सच में डरा दिया।"
रोंडा। उसने यह नाम शायद उसी जगह से लिया होगा जहाँ उसने टैनिंग करवाई थी।
"हम दोनों इसमें शामिल हैं," टिफ़्टस ने कहा, तेज़ गति से चलने के कारण उसकी सांस थोड़ी फूल रही थी। "मुझे नहीं लगता कि मैं हार मान लूंगी।" पार्कर उसे नजरअंदाज करते हुए चलता रहा।

टिफ्टस हांफते-हांफते दौड़ता हुआ, पार्कर के पीछे-पीछे एक स्कॉटिश टेरियर की तरह उछल-कूद करता हुआ चल रहा था। उसने कहा, "अब तुम कहाँ जा रहे हो, पार्कर? जो के घर जा रहे हो? तुम्हें पता है वो कहाँ है?"
पार्कर आगे बढ़ता रहा।
टिफ्टस ने कहा, "तुम पहले भी यहाँ आ चुके हो, है ना? तुम और जो अच्छे दोस्त थे, है ना?"
पार्कर के पास उससे कहने के लिए कुछ नहीं था।
टिफ़्टस ने कहा, "मुझे पता है, पार्कर, मुझे सब पता है। तुम यहाँ अक्सर उससे मिलने आते थे, मैंने सुना है। तुम्हें लगता है कि अब तुम्हें अंदर की सारी जानकारी मिल गई है, है ना?"
पार्कर ने कुछ नहीं कहा, लेकिन वह सुन रहा था। शायद टिफ्टस आखिरकार कुछ उपयोगी बात कह दे।

टिफ्टस ने कहा, “मैं लालची नहीं हूँ, पार्कर, तुम मुझे जानते हो, तुम जानते हो कि मैं लालची किस्म की नहीं हूँ। हम कोई हल निकाल सकते हैं। समझे?”
पार्कर ने अपनी गति धीमी नहीं की, लेकिन यह देखने के लिए कि टिफ्टस उसे कुछ बताएगी या नहीं, उसने कहा, "क्या हल निकालना है?"
“बंटवारा,” टिफ्टस ने कहा, मानो इससे सब कुछ स्पष्ट हो गया हो। मानो इससे सब कुछ स्पष्ट हो गया हो। “बंटवारा।” उसने यह बात दो बार दोहराई। “मैं पचास-पचास का हिसाब नहीं चाहता,” उसने कहा, और उसकी आवाज़ से पता चल रहा था कि वह कितना उदार हो रहा है। “मुझे पता है कि जो तुम्हारा दोस्त था, तुम्हारा हक मुझसे ज़्यादा है, मुझे यह पता है। लेकिन मैं भी यहाँ हूँ, पार्कर, तुम्हें यह मानना होगा। मेरा भी हक है, क्योंकि मैं यहाँ हूँ। तुम्हें मेरे साथ बंटवारे का समझौता करना होगा।”
"कितना?"
मुझे एक प्रस्ताव दीजिए।
धिक्कार है टिफ्टस पर! वो लगातार बोलता ही रहता था, मानो उसे सब कुछ पता हो, पर उसने कभी कुछ कहा ही नहीं। बस बड़बड़ाता रहता था, पर कुछ भी नहीं निकलता था।

कुछ बातें तो स्पष्ट थीं: टिफ़्टस यहाँ इसलिए आया था क्योंकि उसे लगता था कि यहाँ कहीं न कहीं पैसा कमाया जा सकता है, और पैसे कमाने की उसकी यह उम्मीद किसी न किसी तरह जो शीर से जुड़ी हुई थी, और उसे लगता था कि पार्कर भी इसी कारण से यहाँ आया है। लेकिन क्या टिफ़्टस की उम्मीदों और अपेक्षाओं का जो की परेशानियों से कोई संबंध था? या जो की मृत्यु से? या कैप्टन यंगर के वहाँ मंडराने से?
सवाल बहुत थे, जवाब बहुत कम थे और समय भी पर्याप्त नहीं था।
यह बहुत बुरा हुआ कि टिफ़्टस इतनी नाकाम, इतनी अविश्वसनीय और इतनी बड़ी गलती थी। अगर कोई समझदार और भरोसेमंद इंसान होता, जैसे हैंडी मैके या साल्सा, तो पार्कर अब तक उससे कोई समझौता कर चुका होता और सबको अपनी स्थिति का पता होता। लेकिन टिफ़्टस ऐसी नहीं थी; पार्कर कभी भी टिफ़्टस से हाथ नहीं मिलाएगा।
महिला के मामले को ही ले लीजिए। टिफ्टस को यहाँ काम करने आना था, और वह अपने साथ एक महिला को लेकर आया है। पार्कर के पास भी एक महिला थी, और जब वह यहाँ आया था तो उसे मियामी में ही छोड़ आया था। लेकिन टिफ्टस अपनी महिला को साथ लेकर आया; जो व्यक्ति सफलता के लिए आराम नहीं छोड़ता, वह एक बुरा साथी साबित होता है।
टिफ्टस ने फिर कहा, "मुझे एक प्रस्ताव दो, पार्कर।"
अब बस यही रास्ता बचा था कि टिफ्टस से दूर हो जाया जाए, उसे नज़रअंदाज़ किया जाए और दूसरे स्रोतों से जानकारी जुटाई जाए। पार्कर रुका, मुड़ा और नारंगी रंग की कमीज़ को मुट्ठी भर पकड़ लिया। "यह रहा प्रस्ताव," उसने कहा। "आज तीसरी बार।"
"नहीं!"
पार्कर ने उसे हल्का सा धक्का दिया, इतना कि उसे दर्द तो हुआ लेकिन वह बेहोश नहीं हुआ। जब उसने उस छोटे आदमी को छोड़ा, तो टिफ्टस एक बच्चे की तरह फुटपाथ पर बैठ गया।
पार्कर उसके ऊपर खड़ा था, मुट्ठियाँ भींचे हुए। उसने कहा, “अगली बार जब तुम यहाँ आए, तो मैं तुम्हें इस तरह सबक सिखाऊँगा कि तुम फिर कभी नहीं आ पाओगे। तुम मुझे जानते हो, टिफ्टस, तुम जानते हो कि मैं मज़ाक में ऐसी बातें नहीं कहता।”
टिफ्टस ने कुछ नहीं कहा। वह बस वहीं बैठी रही।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

4

यह देखने में एक निजी घर जैसा लग रहा था, सिवाय लॉन पर लगे छोटे से धातु के चिन्ह के:

एल. डी. रेबोर्न, एमडी

पार्कर चौड़े बरामदे पर चढ़ गया और सामने के दरवाजे के बगल में लगा दूसरा चिन्ह देखा। इस पर बस 'ऑफिस' लिखा था और दाहिनी ओर इशारा करता हुआ एक तीर का निशान बना था। पार्कर उस तरफ चल पड़ा, उसके कदमों की आवाज बरामदे की खाली लकड़ियों पर गूंज रही थी। बरामदा नया रंगा हुआ था लेकिन फर्नीचर से खाली था, मानो घर खाली हो। घर के एक तरफ उसने देखा कि बरामदा घूमकर एक छोटे से कोने में जाता है जहाँ एक और दरवाजा था।
और एक और संकेत, जो दरवाजे की घंटी के ऊपर लगा है: घंटी बजाएं और अंदर आएं।
उसने घंटी बजाई, फिर दरवाज़े का हैंडल घुमाकर देखा। दरवाज़ा बंद था। झुंझलाकर उसने फिर घंटी बजाई, इस बार ज़्यादा देर तक।
वह मुख्य दरवाजे से अंदर जाने की कोशिश करने ही वाला था कि तभी यह दरवाजा खुला और एक गुस्सैल नर्स ने जाली वाले दरवाजे से उसे घूरते हुए कहा, "कार्यालय का समय दो बजे तक नहीं है।"
पार्कर ने सिर हिलाया। "मैं मरीज नहीं हूँ," उसने कहा। "मैं किसी और मामले में डॉक्टर से मिलना चाहता हूँ।"
“मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती,” उसने कहा। “ऑफिस का समय दो बजे तक नहीं होता।”
“तो मैं उसे घर पर ही आज़माऊँगा,” पार्कर ने उससे कहा। वह मुड़ा और चला गया, और उसके पीछे से उसने आवाज़ लगाई, “इससे तुम्हें कोई फ़ायदा नहीं होगा। कार्यालय का समय दो बजे तक नहीं है।”
वह खाली बरामदे के चारों ओर घूमकर मुख्य दरवाजे पर गया और घंटी बजाई, और एक मिनट बाद पेंट से सने पतलून और एक भूरे रंग की अंतर्वस्त्र पहने एक हट्टे-कट्टे आदमी ने दरवाजा खोला। "जी? क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ?" मैं डॉ. रेबोर्न को ढूंढ रहा हूँ।

“अजीब बात है, ये मैं ही हूँ,” उस हट्टे-कट्टे आदमी ने कहा और अपने कपड़ों की तरफ देखकर मुस्कुराया। “मैं बस ऐसे ही इधर-उधर घूम रहा था।” उसकी उम्र लगभग पचास थी और उसके चेहरे पर एक तरह की पेशेवर खुशी झलकती थी, लेकिन इतनी भी नहीं कि किसी को बुरा लगे। उसने अपने कपड़ों से नज़रें उठाकर कहा, “अगर ये कोई डॉक्टरी सलाह है, तो मेरे ऑफिस का सामान्य समय दोपहर दो बजे से शाम पाँच बजे तक है। जब तक कि कोई आपातकालीन स्थिति न हो?” उसने ये बात इस अंदाज़ में कही जैसे वह किसी भी संभावना को नज़रअंदाज़ नहीं कर रहा हो, चाहे वो कितनी भी दूर की या कितनी भी मुश्किल क्यों न हो।
"यह कोई मेडिकल मुलाक़ात नहीं है," पार्कर ने उससे कहा। "मैं आपसे आपके एक मरीज़, जो शार्डिन के बारे में बात करना चाहता हूँ।"
“ओह, जोसेफ शार्डिन!” वह अप्रत्याशित रूप से प्रसन्न लग रहा था। “आप उसे जानते थे?”

“हम पुराने दोस्त थे। मेरा नाम विलिस है, चार्ल्स विलिस।”
“तो अंदर आइए, ज़रूर आइए, मुझे आपसे बात करके खुशी होगी।” वह मुस्कुराया, पार्कर के हाथ पर थपथपाया और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया। “इधर आइए, बैठक में।” जैसे ही वह एक बड़े, हवादार कमरे में ले गया जो आलीशान फर्नीचर और जटिल डिज़ाइनों से भरा था, लेकिन पॉलिश किए हुए फर्श पर कोई कालीन नहीं था, उसने कहा, “जोसेफ शार्डिन एक बेहतरीन इंसान थे, बहुत ही बेहतरीन इंसान। ऐसे इंसान जिन्हें खोना नामुमकिन है, अगर आप समझ रहे हैं तो। कहीं भी बैठ जाइए।”
पार्कर को लग रहा था कि ग्लिफ़ ने डॉक्टर को अपने आने की सूचना देने के लिए फ़ोन किया था। इतने छोटे कस्बे में, जहाँ हर कोई एक-दूसरे को अच्छी तरह जानता है, ग्लिफ़ ऐसा करता ही, चाहे कुछ छुपाना हो या न हो। और डॉक्टर ऐसा दिखावा करता कि उसे कोई फ़ोन नहीं आया; कि वह शिष्टाचार निभा रहा है।
एक कुर्सी पर बैठते हुए, जो धीरे-धीरे नीचे की ओर खिसकती जा रही थी और अंततः वह लगभग फर्श पर ही बैठ गया था, डॉक्टर ने कहा, "आप कहते हैं कि आप जोसेफ शार्डिन के पुराने दोस्त थे?"
“हम साथ में व्यापार करते थे,” पार्कर ने उससे कहा। “कई साल पहले।” वह जानबूझकर बात टाल नहीं रहा था; बात बस इतनी थी कि उसे जो शीर की झूठी कहानी

के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, कि जो यहाँ-वहाँ किस बात का दावा कर रहा था कि उसने काम से संन्यास ले लिया है।
डॉक्टर ने कहा, "वह अब सेवानिवृत्त हो चुके थे, आपको पता ही है।"
मुझे पता है। वह पांच-छह साल पहले रिटायर हो गए थे।
“जब वह यहाँ आया था।” डॉक्टर ने सिर हिलाया, मानो वे किसी महत्वपूर्ण बात पर सहमत हो गए हों, और फिर उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि ओमाहा में उसके रिश्तेदार थे; वह यहाँ से केवल पैंतीस मील दूर है। या नहीं, एक मिनट रुकिए, उसके कोई रिश्तेदार थे ही नहीं, है ना?”
यह मामला पेचीदा था, और एक पल के लिए पार्कर को समझ नहीं आ रहा था कि इसे कैसे संभाले। जो शीर अपना समय इस कस्बे के एक घर और ओमाहा के एक अपार्टमेंट के बीच बांटता था। ओमाहा में, एक बड़े शहर की सुरक्षित और एकांत जगह में, वह समय-समय पर पुराने दोस्तों से मिलता था, या कभी-कभी किसी ऐसे समूह को सलाह देता था जो किसी मुश्किल काम को अंजाम देने की योजना बना रहा हो। यहाँ, इस छोटे से कस्बे में, वह बस एक सेवानिवृत्त बूढ़ा आदमी था, एक मछुआरा, शतरंज खिलाड़ी, बरामदे में बैठने वाला, पाइप पीने वाला। अगर उसने ओमाहा की अपनी यात्राओं को यह कहकर समझाया होता कि कस्बे में उसके रिश्तेदार हैं, तो अपनी मृत्यु से उसने अपने इस राज़ को पूरी तरह खोल दिया था। ओमाहा में उसका कोई रिश्तेदार नहीं था; उसका कोई रिश्तेदार था ही नहीं। कम से कम कोई ऐसा नहीं जो उसे अपना मानता हो।
इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका यही था कि अनभिज्ञता का बहाना बनाया जाए: "मैं उनके परिवार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानता था।"
डॉक्टर ने थोड़ा गंभीर लहजे में कहा, “वह एकांतप्रिय व्यक्ति थे, लेकिन अकेलेपन से ग्रस्त नहीं थे। कहने का तात्पर्य यह है कि मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह कुछ बुजुर्गों की तरह अकेलेपन से ग्रस्त थे, उदास, बस मृत्यु की प्रतीक्षा में बैठे रहते हैं। उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि उन्होंने जीवन का पूरा आनंद ले लिया है, या कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा।”
"क्या आपने उसका लंबे समय तक इलाज किया?"
"लगभग पिछले तीन साल से," डॉक्टर ने कहा और खुद से सहमति जताते हुए सिर हिलाया।
“कितना समय लगेगा…” लेकिन सवाल पूछा भी नहीं जा सका था कि एक टेलीफोन बजने लगा। डॉक्टर ने चुप रहने का इशारा करते हुए हाथ उठाया और ध्यान से

सुनने के लिए सिर हिलाया। दूर कहीं देखते हुए, उनका सिर शिकारी कुत्ते की तरह चौकन्ना था, उन्होंने फोन की घंटी सुनी और फिर उसके बाद छाई खामोशी को महसूस किया। पार्कर उनके साथ चुपचाप इंतजार करता रहा।
बाहर गलियारे में रबर के जूतों की चरमराहट सुनाई दी, तभी नर्स दरवाजे पर दिखाई दी। उसने पार्कर की ओर देखा, उसके घर में घुसने पर उसे गुस्सा आया और उसने अपना सिर दूसरी ओर घुमाते हुए कहा, "यह आपके लिए है, डॉक्टर।" “धन्यवाद। मैं इसे यहीं ले लूंगा।”
नर्स फिर चली गई, और डॉक्टर उठ खड़े हुए बोले, "मुझे बस एक मिनट का समय दीजिए, क्या आप नहीं देंगी?"
"ज़रूर।"
डॉक्टर खिड़कियों के पास गए—पर्दों की डिज़ाइन बाहर की धूप को रोक रही थी—और एक चमकदार छोटी मेज के बगल में रखी एक असुविधाजनक सी दिखने वाली पुरानी कुर्सी पर बैठ गए। इस मेज पर रखा टेलीफोन किसी कारणवश लगभग अदृश्य सा लग रहा था; शायद मेज की गहरे रंग की लकड़ी और उसके पीछे लगे पर्दे की डिज़ाइन के कारण।
डॉक्टर ने रिसीवर उठाया और धीमी आवाज़ में कहा, "रेबोर्न बोल रहा हूँ।" वह पार्कर से थोड़ा मुँह फेरकर बैठा था, खिड़की के बाहर तेज़ धूप के कारण उसके चेहरे और शरीर की कोई भी बनावट साफ़ दिखाई नहीं दे रही थी। पार्कर को बस उसकी आवाज़ ही सुनाई दे रही थी।
डॉक्टर ने पूछा, “क्या ये वही हैं जिनके बारे में मैं सोच रहा हूँ?” फिर उन्होंने कहा, “हाँ, उन्होंने फोन किया था।” इस बार सुनते हुए उन्होंने अपना सिर घुमाया और पार्कर की ओर मुस्कुराते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि ज्यादा देर नहीं लगेगी, फिर वापस मुड़कर कहा, “हाँ, वही हैं।” पार्कर ने सुना और कहा, “बिल्कुल नहीं।” थोड़ी देर रुकने के बाद उन्होंने कहा, “मैं कोशिश करूँगा। मैं कोई वादा नहीं करता।” फिर थोड़ी देर इंतजार करने के बाद उन्होंने कहा, “आप कर लीजिए। अलविदा।”
यह मानने का कोई कारण नहीं था कि उस कॉल का पार्कर से कोई संबंध था, लेकिन अगर होता तो वह बातचीत का दूसरा हिस्सा बता सकता था। अगर ग्लिफ़, रेबोर्न और यंगर तीनों इस मामले में एक साथ शामिल थे, चाहे जो भी हो, तो ग्लिफ़ सिर्फ़ रेबोर्न को ही नहीं, बल्कि बाकी दोनों को भी कॉल करता। लेकिन यंगर से संपर्क करने में उसे थोड़ा समय लगता, क्योंकि यंगर शायद अभी

भी होटल के सामने खड़ा होता। लेकिन आखिरकार यंगर को खबर मिल जाती, और यंगर कमरे में जाकर देखता कि वह वहाँ नहीं है। फिर वह रेबोर्न को कॉल करता। जब रेबोर्न कहता, "हाँ, उसने कॉल किया था," तो इसका मतलब होता कि हाँ, ग्लिफ़ ने कॉल किया था। जब वह मुड़कर पार्कर को देखता और फिर कहता, "हाँ, वह है," तो इसका मतलब होता कि हाँ, पार्कर यहाँ है। जब वह कहता, "बिल्कुल नहीं," तो इसका मतलब होता कि उसने पार्कर को कुछ नहीं बताया था। जब वह कहता, "मैं कोशिश करूँगा। मैं कोई वादा नहीं करता," तो इसका मतलब होता कि वह यंगर के आने से पहले पार्कर को यहाँ से जाने से रोकने की कोशिश करेगा।
अगर उस कॉल का पार्कर से कोई लेना-देना था। अगर यंगर, रेबोर्न और ग्लिफ के बीच कुछ चल रहा था।
बातचीत खत्म करके रेबोर्न कमरे के दूसरी तरफ वापस आ गए। मुस्कुराते हुए और कंधे उचकाते हुए उन्होंने कहा, "एक मरीज़ था। हम जनरल प्रैक्टिशनर तो हमेशा ड्यूटी पर रहते हैं। अब हम कहाँ थे?" वे उसी ढीली-ढाली कुर्सी पर दोबारा बैठ गए।
"पिछले तीन सालों से मेरा जो से कोई संपर्क नहीं था," पार्कर ने झूठ बोलते हुए कहा। "मैं सोच रहा था कि उसे यह दिल की बीमारी कब से थी।"
“दो साल या उससे अधिक,” डॉक्टर ने उससे झूठ बोलते हुए कहा। “दरअसल, मुझे लगता है कि उसका बढ़ता हुआ रक्तचाप ही उसे सबसे पहले मेरे पास लाया था।” पार्कर को पक्का पता था कि तीन महीने पहले तक जो शीर को दिल की कोई बीमारी नहीं थी। उसे यह भी पता था कि ओमाहा में जो का एक डॉक्टर है। अचानक दिल का दौरा पड़ने से वह यहाँ आ सकता था, और फिर ओमाहा के डॉक्टर की जगह यह डॉक्टर उसका इलाज करता, लेकिन यही एकमात्र रास्ता था। डॉक्टर जो कहानी सुना रहा था, वह सरासर झूठ थी।
जिसका मतलब था कि कैप्टन यंगर निस्संदेह इसी दिशा में आ रहे थे।
पार्कर कप्तान से बात करना चाहता था, यह जानना चाहता था कि कप्तान क्या करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अभी नहीं। पहले और भी काम बाकी थे।
वह उठ खड़ा हुआ और बोला, "ठीक है, मैं आपको और नहीं रोकूंगा। आप जरूर व्यस्त होंगे।"
“बिल्कुल नहीं, बिलकुल नहीं।” डॉक्टर कुर्सी से उठने की कोशिश करते हुए, सहज दिखने की कोशिश करते हुए बोले, “मेरे पास बहुत समय है, ऑफिस का समय तो दो बजे तक शुरू नहीं होता।”

"मुझे होटल वापस जाना है," पार्कर ने उससे कहा और सामने के दरवाजे की ओर चलने लगा।
डॉक्टर उसके पीछे-पीछे दौड़ा। “मैंने अभी तक आपको कॉफ़ी भी नहीं दी है। या कोई पेय? यकीनन आप दस मिनट निकाल सकते हैं, मुझे जो शार्डिन के बारे में आपसे बात करना अच्छा लगेगा, वह एक नेक बुजुर्ग हैं, आपको जल्दी जाने की कोई वजह नहीं है, आप अभी-अभी तो यहाँ पहुँचे हैं, हम एक पेय लेंगे और…”
पार्कर ने दरवाजा खोला। “शायद मैं तब वापस आऊँगा जब मेरे पास ज़्यादा समय होगा,” उसने कहा। उसने डॉक्टर की ओर देखा, जो पलकें झपका रहा था और हाँफ रहा था, फिर भी सहज दिखने की कोशिश कर रहा था। “हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है,” पार्कर ने उससे कहा। “किसी और समय।” वह बरामदे में बाहर निकला और दरवाजा अपने पीछे बंद कर लिया।
जब वह एक ब्लॉक दूर पहुंचा तो उसने पीछे मुड़कर देखा और डॉक्टर के घर के सामने एक काली फोर्ड कार को रुकते हुए पाया। लेकिन फिर वह मोड़ मुड़ गया और आगे क्या हुआ, यह उसे दिखाई नहीं दिया।

5

यह ब्लॉक के बीचोंबीच एक संकरे भूखंड पर बना एक छोटा सा सफेद तख्तों का मकान था, जिसके दोनों ओर इससे बड़े मकान थे, लेकिन इसके पीछे वाले ब्लॉक में खाली भूखंड, खेत और अधूरी सड़कें थीं। सड़क से घर के बगल में एक प्रवेश मार्ग था, लेकिन कोई गैरेज नहीं था। पिछवाड़े के बीचोंबीच एक टेढ़ा-मेढ़ा सेब का पेड़ खड़ा था।
पिछली बार पार्कर सामने के रास्ते से आया था, और वो भी रात में। इस बार वो पीछे के रास्ते से आ रहा था, दिन में। झाड़ियों और घास से भरे खेतों को पार करते हुए, उसके हाथ कोट की जेबों में गहरे दबे हुए थे और बाईं ओर से आ रही ठंडी हवा से बचने के लिए उसका कंधा झुका हुआ था। वो एक कोण से अंदर आया ताकि वो सेब के पेड़ के पीछे से घर की खाली, काली पिछली खिड़कियों और सामने के फुटपाथ तक जाने वाले रास्ते को देख सके। खिड़कियों में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा था, और फुटपाथ पर कोई कार खड़ी नहीं थी।
सेवानिवृत्ति के बाद, जो ने हर तरह से आनंद उठाया, यहाँ तक कि उन चीजों में भी दिलचस्पी लेने लगा जिनमें सेवानिवृत्त लोगों को उत्साहित होना चाहिए, जिनमें बागवानी भी शामिल थी। पिछवाड़े का आधा हिस्सा लॉन और आधा फूलों का बगीचा था, जो शतरंज की बिसात की तरह बारी-बारी से चौकोर खानों में बंटा हुआ था। लाल स्लेट का एक रास्ता घुमावदार तरीके से सेब के पेड़ के चारों ओर से होते हुए पीछे के बरामदे तक जाता था, जो संकरा था और जिसकी तीन सीढ़ियाँ चरमराती थीं। इस बरामदे पर दूध कंपनी का एक डिब्बा, एक झाड़ू, बीयर के दो खाली डिब्बे और एक कुदाल रखी थी। बरामदे के एक खंभे पर लगे हुक से कपड़े सुखाने की रस्सी लटकी हुई थी, लेकिन उस पर कोई रस्सी नहीं लगी थी। जाली वाला दरवाजा खुला था, लेकिन अंदर का दरवाजा खुला नहीं था। पार्कर ने हैंडल घुमाकर देखा, फिर थोड़ा झुककर देखा, फिर खड़ा होकर कुछ सेकंड तक सोचा। वह अपने साथ कोई औजार नहीं लाया था, बिल्कुल कुछ भी नहीं, क्योंकि उसे काम करने की उम्मीद नहीं थी।
अब उससे छेड़छाड़ करने का कोई फायदा नहीं था। उसने जाली वाला दरवाजा खुला रखा, अपना दाहिना पैर उठाया और एड़ी के तलवे से दरवाजे के हैंडल के ठीक ऊपर ज़ोर से धक्का मारा। इससे ज़ोरदार आवाज़ हुई और दरवाजे का शीशा

ऐसे कांपने लगा जैसे टूटने ही वाला हो। दूसरी बार जब पार्कर ने धक्का मारा, तो दरवाजा खुल गया और इतनी ज़ोर से पीछे की ओर उछला कि दीवार से जा टकराया।
पार्कर अंदर आया, जाली वाले दरवाजे की कुंडी लगाई और फिर से बंद कर दिया। यह पूरी तरह से बंद नहीं हुआ, लेकिन काम चल गया।
वह रसोई में था, एक छोटा सा चौकोर कमरा जिसकी फर्श पर हरे रंग की चेक वाली लिनोलियम बिछी थी और खिड़कियों पर चिंट्ज़ के पर्दे लगे थे। फ्रिज छोटा और पुराना था और उस पर दोबारा पेंट किया गया था; पार्कर कमरे के दूसरी तरफ से ही ब्रश के निशान देख सकता था। छोटी लकड़ी की मेज और साइडबोर्ड दोनों साफ थे, लेकिन सिंक में एक प्लेट, एक सेट चम्मच-कांटा, एक कॉफी कप और दो गिलास रखे थे। पार्कर ने फ्रिज खोला और पाया कि वह अभी भी चल रहा था; इसलिए बिजली कभी बंद नहीं की गई थी। यह बेवकूफी थी। फ्रिज में कुछ टीवी डिनर, कुछ हॉट डॉग और हैमबर्गर, एक पत्ता गोभी, दूध की एक खुली बोतल, बारह औंस की कुछ बीयर की बोतलें और एक चौथाई पाउंड मक्खन रखा था।
पार्कर ने फ्रिज का दरवाजा फिर से बंद किया और कमरे में चारों ओर देखा। वह क्या ढूंढ रहा था? उसे खुद भी ठीक से पता नहीं था; बस कुछ ऐसा जिससे उसे पता चल सके कि क्या हो रहा है, जो की मौत कैसे हुई, अगर किसी ने उसकी मदद की थी तो किसने की थी, और कैप्टन यंगर क्या कर रहा है। हो सकता है यहाँ कुछ भी न मिले, लेकिन उसे सबसे पहले यहीं देखना चाहिए था।
उसने रसोई के बाकी हिस्से की तलाशी ली और उसे वही सामान मिला जो एक कुंवारे व्यक्ति की रसोई में मिलने की उम्मीद होती है। उसका काम पूरा हो चुका था और वह घर के दूसरे हिस्से की सफाई शुरू करने ही वाला था कि तभी उसे कुछ याद आया। उसने बर्तनों वाले दराज से एक टेबल नाइफ निकाला, आटे का डिब्बा शेल्फ से नीचे उतारा और उसका ढक्कन खोल दिया। उसने चाकू को डिब्बे में डाला, इधर-उधर टटोला, लेकिन अंदर आटे के सिवा कुछ नहीं था।
यह ठीक नहीं था। वहाँ नीचे एक तंबाकू की थैली होनी चाहिए थी, जिसमें पचास-पचास डॉलर के बीस नोट बंधे हों; जो शीर का बचा हुआ पैसा। उसने इसे वहाँ इसलिए रखा था ताकि अगर उसे बैंक खाते बंद किए बिना यहाँ से जल्दी जाना पड़े तो काम आ सके, और कुछ साल पहले उसने पार्कर को बताया था कि उसने इसे कहाँ छिपा रखा है।
अब वह गायब हो चुका था, और उसका गायब होना समझ से परे था। आस-पास कहीं भी ऐसा कोई निशान नहीं था जिससे पता चले कि किसी और ने इस जगह की तलाशी ली थी,

जिसका मतलब था कि इसे किसी ऐसे व्यक्ति ने नहीं लिया था जो बस यूं ही वहां पहुंच गया हो, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति ने लिया था जिसे पता था कि यह हमेशा से वहीं था। वह कौन हो सकता था सिवाय जो शीर के? लेकिन अगर जो ने वह पैसा लिया होता, तो पांच मिनट बाद ही वह शहर से बाहर निकल गया होता; आटे के डिब्बे में रखे हज़ार डॉलर सिर्फ़ भागने के लिए थे, किसी और चीज़ के लिए इस्तेमाल नहीं किए जाने थे।
पार्कर ने डिब्बे को उसकी जगह पर वापस रख दिया, चाकू से आटा धोया, चाकू को सुखाया और उसे फिर से बर्तनों वाले दराज में रख दिया। फिर वह रसोई से बाहर निकला और एक दरवाजे से होते हुए लगभग छह फुट लंबे केंद्रीय गलियारे में चला गया। घर के सभी कमरे इसी गलियारे से जुड़े थे; बैठक कक्ष, दो शयनकक्ष, स्नानघर, रसोई। तहखाने की सीढ़ियाँ भी इसी गलियारे से जुड़ी थीं, और गलियारे की छत में बना एक गुप्त दरवाजा संकरे और तंग अटारी की ओर जाता था।
इसके बाद पार्कर बैठक कक्ष में गया। यह एक छोटा कमरा था, जो भारी-भरकम और गहरे रंग के फर्नीचर के कारण और भी छोटा लग रहा था। जो शीर को पुराने ज़माने का फर्नीचर पसंद था, उस तरह का भारी-भरकम गोल फर्नीचर जो झालरदार लैंप शेड और फ्रिंज वाले शॉल के साथ अच्छा लगता था। पार्कर दरवाजे के ठीक अंदर खड़ा होकर चारों ओर देखने लगा, और कमरा पिछली बार जब वह यहाँ आया था, उससे बिल्कुल अलग नहीं लग रहा था। एक नया टेलीविजन सेट था, लेकिन वह एक पुराने ज़माने की अलमारी में रखा था जो पहले से मौजूद फर्नीचर के साथ अच्छी तरह मेल खा रहा था।

कमरे में नज़र घुमाते हुए पार्कर की नज़र सामने के दरवाज़े के पास दीवार पर लगे थर्मोस्टेट पर पड़ी और उसे लगा कि घर गर्म है। जब वह अंदर आया था तो उसने इस पर ध्यान नहीं दिया था, क्योंकि उसे लगा था कि घर का गर्म होना स्वाभाविक है; लेकिन यह बिल्कुल भी स्वाभाविक नहीं था। यह घर अब तक खाली होना चाहिए था, पिछले दो-तीन दिनों से खाली होना चाहिए था। अब तक किसी को आकर इसे बंद कर देना चाहिए था।
वह पास गया और थर्मोस्टेट को देखा। वह सत्तर डिग्री पर सेट था, और उस पर लगा छोटा थर्मामीटर भी उतना ही तापमान दिखा रहा था। इसलिए भट्टी अभी भी चल रही थी, और बिजली भी चालू थी।

और फ़ोन?
यह सोफे के बगल में एक जर्जर सी दिखने वाली छोटी मेज पर पड़ा था। पार्कर पास गया और उसे उठाकर एक पल के लिए डायल टोन की आवाज़ सुनी। यह अभी भी काम कर रहा था।
उसने फोन रख दिया और कमरे में चारों ओर देखा। कोई तो इस जगह को रहने लायक बनाए रखना चाहता था, और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्यों।
वह गेंद पर कॉर्नर किक नहीं लगा सका, बिल्कुल भी नहीं।
वह हर जगह तलाशता रहा, जो कुछ भी उसे मिल सके। बैठक में थर्मोस्टेट और टेलीफोन के अलावा उसे कुछ भी काम की चीज नहीं मिली। उसने हर जगह टटोला, कुछ नहीं मिला। कुर्सियों के नीचे कुछ नहीं, सोफे के कुशन के नीचे कुछ नहीं, दीवारों पर लगे छोटे-छोटे जलरंग चित्रों के पीछे कुछ नहीं, सोफे के पीछे शेल्फ पर रखी कुछ किताबों में कुछ भी लिखा या छिपा हुआ नहीं, कहीं भी कुछ भी काम की चीज नहीं मिली।
पार्कर ने केवल उन्हीं जगहों पर तलाश की जहाँ बिना कुछ तोड़े-फोड़े पहुँचा जा सकता था, इसलिए हो सकता है सोफे के पीछे दस लाख डॉलर के गहने छिपे हों या टेलीविजन के स्पीकर में दस पाउंड शुद्ध हेरोइन हो या लैंप शेड पर अदृश्य स्याही से लिखे कुछ नोट हों, लेकिन उसे इनमें से किसी बात पर संदेह था। उसने बैठक का कमरा खंगाला, कुछ नहीं मिला, और आगे बढ़ गया।
इसके बाद वे बाथरूम में गए, जहाँ दवाइयों की अलमारी से पता चला कि जो शीर को हाल के वर्षों में कई तरह की शारीरिक परेशानियाँ थीं, हालाँकि शायद हृदय रोग नहीं था। लेकिन, दवाइयों की अलमारी में पड़ी दवाओं के अनुसार, उन्हें बवासीर, कब्ज, नींद न आने की समस्या और कई अन्य परेशानियाँ थीं जिनके लिए वे डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयाँ ले रहे थे। पार्कर ने दवाइयों की बोतलों को देखा और वे सभी ओमाहा के फाइव कॉर्नर ड्रग स्टोर से थीं, और सभी पर डॉ. क्विली का नाम लिखा था। दवाइयों की अलमारी में मौजूद सबूतों के अनुसार, डॉ. रेबोर्न ने जो के लिए कभी कोई दवा नहीं लिखी थी।
बाथरूम से निकलने से पहले, पार्कर ने पानी की टंकी का ढक्कन खोल दिया, क्योंकि लोग अक्सर उसमें चीजें छिपाते थे, या तो टंकी के अंदर ही, किसी जलरोधी चीज़ में लपेटकर, या ढक्कन के अंदर टेप से चिपकाकर। इस बार दोनों ही जगहों पर कुछ नहीं मिला।

अगला कमरा जिसमें वह गया, वह अतिरिक्त कमरा था, जो दोनों कमरों में से छोटा था। उसमें एक पलंग, एक अलमारी, एक गलीचा और एक रसोई की कुर्सी थी, क्योंकि जो कभी-कभार ही किसी के घर रुकता था, जैसे कि पार्कर। वह ज़्यादातर समय ओमाहा के अपार्टमेंट में अपने पुराने दोस्तों से मिलना पसंद करता था, लेकिन कभी-कभार—खासकर जब मौसम अच्छा होता था—वह अपने किसी मेहमान को अपने छोटे से कस्बे सैगामोर में आरामदेह जीवन जीते हुए दिखाने के लिए ले आता था।
अब बिस्तर लगा हुआ था, अलमारी खाली थी, और कोठरी तो और भी खाली थी। इस कमरे में कुछ भी नहीं था, पार्कर के लिए कोई संदेश भी नहीं था। सिवाय इसके कि शायद जो के यहाँ कुछ समय से कोई मेहमान नहीं रुका था।
जो का अपना शयनकक्ष बिल्कुल अलग था। वह घर के बाकी हिस्सों जितना साफ-सुथरा नहीं था। देखने से लगता था कि उसकी दो-तीन बार तलाशी हो चुकी थी, और हर बार किसी उतावले और लापरवाह व्यक्ति ने ही तलाशी ली थी। लेकिन पार्कर जानता था कि यह सामान्य बात थी, जो हमेशा से अपने शयनकक्ष को ऐसे ही रखता था। घर का बाकी हिस्सा साफ-सुथरा हो सकता था, और आमतौर पर होता भी था, लेकिन उसका शयनकक्ष हमेशा अस्त-व्यस्त रहता था। शायद इसका कारण यह था कि बचपन में एक बार गिरने के बाद, उसने चार साल जेल की कोठरी जैसी नीरस और धातु जैसी साफ-सुथरी जगह में बिताए थे।
जो के बेडरूम की तलाशी लेने में काफी समय लग गया, और जब तलाशी खत्म हुई तो पार्कर को कुछ भी पता नहीं चला। पूरे घर में, आटे के डिब्बे से मिले हज़ार डॉलर के अलावा, उसकी जानकारी में कुछ भी गायब नहीं था। टेलीफोन और बिजली-पानी जैसी सुविधाएं चालू थीं, डॉ. रेबोर्न के झूठ बोलने का अतिरिक्त सबूत मिल गया था, और इस बात का कोई संकेत नहीं था कि किसी और ने यहां तलाशी ली हो। उसे कुछ तथ्य पता थे, लेकिन कोई कारण नहीं।
अभी भी दो जगहें बची थीं, अटारी और तहखाना। वह बीच के हॉल में खड़ा होकर सोचने लगा, छत में बने गुप्त दरवाजे को देखता रहा, लेकिन अंत में अटारी को सबसे आखिर में देखने का फैसला किया। वह मुड़ा और तहखाने का दरवाजा खोला, और सिर पर बोरी डाले कोई अंधेरे से झपट्टा मारता हुआ ऊपर आया, और अपने हाथ में कुछ ऐसा घुमा रहा था जो हवा की तरह सीटी बजाता हुआ घूमकर आया और पार्कर के सिर के किनारे से टकरा गया। पार्कर को अपने हाथ को बोरी पर रगड़ते हुए महसूस करने का समय मिला, तहखाने की सीढ़ियों को एक लंबे घुमावदार रास्ते

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

6

वह आवाज़ किसी कनखजूरे जैसी थी, एक लंबा, टेढ़ा-मेढ़ा कीड़ा जिसके सुई जैसे नुकीले पैर उसके चेहरे के बाईं ओर आगे-पीछे दौड़ रहे थे, अपने नुकीले पैरों को उसकी आंख के पास की हड्डी में, उसके गाल की हड्डी में और उसके कान के ऊपर की हड्डी में चुभो रहे थे। उसका चेहरा बुरी तरह दर्द कर रहा था; हर बार जब वह आवाज़ आती, तो दर्द होता था, और वह आवाज़ हर समय आती रहती थी। वह बेबसी में गुस्से से छटपटा रहा था, चाहता था कि वह आवाज़ उसके चेहरे के उस हिस्से को दर्द देना बंद कर दे।
इस तरह हिलने-डुलने से वह थोड़ा और होश में आ गया, इतना होश में कि वह संवेदनाओं को अलग-अलग महसूस करने लगा, अपने कानों में आ रही आवाज़ और अपने चेहरे के किनारे पर हो रहे दर्द के बीच अंतर करने लगा, यह समझने लगा कि वे आपस में जुड़ी हुई नहीं थीं, आखिरकार एक ही चीज़ के दो हिस्से नहीं थीं बल्कि दो अलग-अलग संवेदनाएं थीं जिन्होंने उसे वापस होश में लाने में मदद की थी।
वहां से, आवाज क्या कह रही थी, इस बारे में सोचने के लिए पर्याप्त दूरी तक पहुंचना लगभग कोई मुश्किल काम नहीं था, और लगभग तुरंत ही शब्दों को अलग करना और उनके अर्थ का पता लगाना शुरू कर देना भी आसान था:
“. . . इससे बाहर निकलो। चलो, विलिस, होश में आओ। मेरे पास पूरा दिन नहीं है। होश में आओ, दोस्त, होश में आओ।”
अब इसमें एक और बात जुड़ गई; कोई उसके बाएं कंधे को कुरेद रहा था और धक्का दे रहा था। उसने शिकायत की और फिर से हिलने-डुलने लगा, कंक्रीट के फर्श पर करवटें बदलने लगा, और अचानक वह पूरी तरह बेहोश हो गया, आँखें खुली थीं, दिमाग काम कर रहा था। वह उठ बैठा और कैप्टन यंगर के चेहरे को घूरने लगा।
वे तहखाने में थे, जो केंद्रीय बीम के साथ लगे बल्बों की तेज रोशनी से जगमगा रहा था। कंक्रीट का फर्श हल्के नीले रंग से रंगा हुआ था। कैप्टन यंगर मुख्य मंजिल की ओर जाने वाली सीढ़ियों के सबसे निचले पायदान से ठीक ऊपर वाली सीढ़ी पर बैठे थे, और पार्कर सीढ़ियों के ठीक सामने पीठ के बल लेटा हुआ था।

कैप्टन यंगर ने कहा, "क्या अब तुम होश में हो?"
पार्कर ने कहा, "मुझे घूंसा मारा गया था।"
"क्या आपको यकीन है कि आप सीढ़ियों से नहीं गिरे?"
पार्कर ने कंधे उचका दिए। वह अभी भी बेहोश सा था, सोचने में दिक्कत हो रही थी, बातों को आपस में जोड़कर समझने में परेशानी हो रही थी। फिलहाल सबसे अच्छा यही था कि वह कुछ न बोले; वरना वह कुछ मूर्खतापूर्ण कह सकता था और खुद को मुसीबत में डाल सकता था।
कैप्टन यंगर ने इशारा करते हुए कहा, "तुमने अपने चेहरे के एक तरफ काफी बुरी तरह से काट डाला है।"
पार्कर ने कुछ नहीं कहा। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपने दिमाग को एकाग्र करने की कोशिश की।
कैप्टन यंगर ने कहा, "फिर से बेहोश मत हो जाना। मुझे तुमसे कुछ सवाल पूछने हैं।"

"चिंता मत करो।"
“उदाहरण के लिए,” कैप्टन यंगर ने कहा, “आप किस चीज की खुदाई कर रहे थे?” पार्कर ने अपनी आँखें खोलीं। "क्या?"
कैप्टन यंगर ने दाईं ओर इशारा करते हुए कहा, "विलिस, तुम क्या खोद रहे थे? तुम क्या ढूंढने की कोशिश कर रहे थे?"
पार्कर ने धीरे से अपना सिर घुमाया और उस ओर देखा जहाँ कप्तान इशारा कर रहा था। वहाँ लकड़ी की पट्टियों से बनी एक कोयले की कोठरी थी। कोठरी में कोयला नहीं था, क्योंकि भट्टी को बहुत पहले तेल से चलाया जाने लगा था, और कंक्रीट का फर्श कोठरी तक नहीं जाता था। कोठरी का फर्श मिट्टी का था, जिसका अधिकांश भाग खुदा हुआ था। कंक्रीट पर मिट्टी का एक बड़ा ढेर लगा हुआ था। कैप्टन यंगर ने कहा, "तो?"
मैंने ऐसा नहीं किया।
"अरे विलिस, क्या तुम्हें लगता है कि मैं बेवकूफ हूँ?"
पार्कर ने आँखें सिकोड़कर उसकी ओर देखा और सोचने की कोशिश की। यंगर मज़ाक नहीं कर रहा था; उसे सच में लग रहा था कि खुदाई पार्कर ने ही की है। इसलिए पार्कर का पहला विचार, कि यंगर या यंगर के लिए काम करने वाला कोई

व्यक्ति तहखाने में गया था और उसने उसे मारा था, शायद गलत था। इसमें कोई और भी शामिल था, जिसके बारे में यंगर को कुछ भी पता नहीं था।
टिफ्टस? क्या यह टिफ्टस हो सकती है? क्या वह छोटा बदमाश ही यहाँ नीचे था?
कैप्टन यंगर आगे झुके, उनका गोल चेहरा पार्कर के चेहरे से कुछ ही इंच दूर था। उनके चेहरे पर पसीने की एक पतली परत थी, जो गीले वार्निश की तरह चमक रही थी। उन्होंने कर्कश और धीमी आवाज़ में कहा, "मैं जानता हूँ कि तुम क्या ढूंढ रहे हो, विलिस। जैसे ही तुम शहर में आए, मुझे पता चल गया था कि तुम क्या करने वाले हो। तुम्हें पता चला कि वह बूढ़ा बदमाश मर गया है और तुमने सोचा कि बस यहाँ आकर सब कुछ अपनी मर्ज़ी से करोगे।"
उसकी बातें बिलकुल बेतुकी थीं। पार्कर ने सिर हिलाकर कहा, "तुम चीनी भाषा बोल रहे हो। मैं अब खड़ा हो रहा हूँ।"
"सीधे आगे बढ़ो।"
पार्कर ने सीढ़ी की रेलिंग पकड़ ली और उसकी मदद से खुद को खींचकर खड़ा हो गया। इस बीच कैप्टन यंगर भी उठ खड़ा हुआ और तीन सीढ़ियाँ और ऊपर चढ़ गया, इसलिए वह पार्कर की पहुँच से बाहर हो गया।
पार्कर ने उसकी ओर देखा और कहा, "चलो ऊपर चलते हैं।"
"विलिस, तुम क्या खोद रहे थे?"
“मैं इसी तरह व्यायाम करता हूँ।” उसने अपना हाथ फिर से रेलिंग पर रखा और सीढ़ियाँ चढ़ना शुरू कर दिया।
कैप्टन यंगर नाराज़गी भरे लहजे में सीढ़ियों से पीछे हटते हुए ऊपर चले गए। “तुम मुझे बताओगे, विलिस,” उन्होंने कहा। उनकी आवाज़ थोड़ी तीखी थी। “तुम मुझे वो सब बताओगे जो मैं जानना चाहता हूँ। इससे पहले कि मैं तुमसे निपट लूँ…” उन्होंने वाक्य पूरा नहीं किया; वे सीढ़ियों के शीर्ष पर पहुँच गए थे। वे रास्ते से हट गए और घूरने लगे, और पार्कर सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर हॉल से होते हुए बाथरूम में चला गया।
सिंक के ऊपर लगे शीशे में उसने अपना चेहरा देखा तो वह बुरी तरह बिगड़ा हुआ था। जबड़े से लेकर कान के ऊपर के बालों तक का बायां हिस्सा लाल, बैंगनी और काले धब्बों से भरा हुआ था, मानो किसी ने उस पर चटख रंग की मिट्टी फेंक दी हो। उसकी बाईं आंख के आसपास सूजन और कालापन बढ़ता जा रहा था; अगर उसने जल्द ही कुछ नहीं किया तो उसकी आंख पर एक भयानक काला धब्बा पड़ जाएगा।

कैप्टन यंगर आए और दरवाजे पर खड़े होकर बोले, "तुमने खुद पर वाकई बहुत बुरा असर डाला है।"
"अपने सीधे-सादे डॉक्टर को बुलाओ, मुझे उसकी जरूरत है।"
“ज़रूर, विलिस। बस जैसे ही तुम मुझे वो बता दो जो मैं जानना चाहता हूँ।” पार्कर अधीर हो रहा था, और उसे अभी भी मुक्का लगने से थोड़ी परेशानी हो रही थी, इसलिए उसने सामान्य से अधिक बोल दिया। उसने कैप्टन यंगर की ओर मुड़कर कहा, "आप सब कुछ जानते ही हैं। आप जानते हैं कि मैं बिना फावड़े के नीचे खुदाई कर रहा था, और आप यह भी जानते हैं कि मेरे चेहरे के किनारे पर चोट लगी थी। आप जानते हैं कि मैं क्या ढूंढ रहा था। आपको और क्या चाहिए?" “तुमने क्या कहा? फावड़े के बारे में?” कैप्टन यंगर इतने चौंक गए कि वे लगभग दहलीज पार कर गए और पार्कर के इतने करीब आ गए कि पार्कर ने उन्हें पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया।
पार्कर ने कहा, "क्या तुमने नीचे फावड़ा देखा? तुम्हें क्या लगता है उस आदमी ने मुझे किससे मारा?"
अचानक कैप्टन यंगर के हाथ में बंदूक थी। उन्होंने कहा, "तो तुमने इसे ढूंढ लिया। तुम्हारा एक साथी था, तुमने इसे ढूंढ लिया और वह इसे लेकर भाग गया।"
“किस बात से? तुम कब समझदारी की बातें करने लगोगे?”
“विलिस, वो कहाँ जा रहा है? अभी भी तुम्हारे लिए मौका है। मुझे बताओ वो कहाँ जा रहा है, कैसा दिखता है, किस नाम से घूमता है। मैं उसके बारे में सूचना जारी करवा सकता हूँ, उसे पूछताछ के लिए पकड़वा सकता हूँ, चाहे वो कहीं भी जाए। तुम उसे नहीं पकड़ सकते, लेकिन मैं पकड़ सकता हूँ।”
पार्कर ने सिर हिलाया। "बंदूकें लिए हुए बहुत सारे बेवकूफ हैं," उसने कहा। "डॉक्टर से मिलने के बाद मैं तुमसे बात करूंगा।"
कैप्टन यंगर ने एक मिनट तक विचार किया और फिर कहा, "तो आपको समय बर्बाद होने की चिंता नहीं है। शायद आपको पता है कि वह कहाँ जा रहा है।"
पार्कर इंतजार करता रहा। देर-सवेर यंगर को समझदारी भरी बातें करनी ही पड़ेंगी।
यंगर ने बंदूक से इशारा किया। “ठीक है, विलिस,” उसने कहा। “चलिए बैठक कक्ष में चलते हैं। मैं आपके लिए डॉक्टर रेबोर्न को बुलाता हूँ। वे तुरंत यहाँ आकर आपकी देखभाल कर सकते हैं, और फिर हम बात करेंगे। मैं आपको

मुख्यालय नहीं ले जा रहा हूँ; मैं आपको यहीं रखूँगा, और डॉक्टर से बात पूरी होने के बाद आप मुझे वह सब कुछ बता देंगे जो मैं जानना चाहता हूँ।”
वे लिविंग रूम में दाखिल हुए, पहले पार्कर अंदर गया, और एक आरामदायक कुर्सी पर बैठ गया जहाँ खिड़कियों से आने वाली सारी रोशनी उसके पीछे पड़ रही थी, ताकि कैप्टन यंगर उसका चेहरा ठीक से न देख सके। यंगर ने फोन उठाया और कॉल किया, फिर सोफे पर अकड़कर बैठ गया, बंदूक लापरवाही से उसकी गोद में रखी थी। उसका भूरा सूट ढीला और बिना सिलवटों वाला था, उसकी काउबॉय टोपी सिर पर पीछे की ओर झुकी हुई थी। वह किसी देहाती ख्रुश्चेव जैसा लग रहा था।
वे एक-दो मिनट चुपचाप बैठे रहे, फिर यंगर ने कहा, “मैं जानता हूँ कि तुम क्या सोचते हो। तुम सोचते हो कि मैं बस एक और देहाती पुलिसवाला हूँ। खैर, कोई बात नहीं, विलिस, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। तुम यही सोचते रहो, जब तक सोच सकते हो सोचते रहो। डॉक्टर रेबोर्न थोड़ी देर में यहाँ आ जाएँगे, और वे तुम्हारा अच्छे से इलाज कर देंगे, और फिर तुम मुझे अपने बारे में और जो शीर के साथ तुम्हारे संबंध के बारे में सब कुछ बता सकते हो।”
पार्कर को यह समझने में कुछ सेकंड लगे कि कैप्टन यंगर ने जो का असली नाम लिया था, न कि वह छद्म नाम जिसके तहत वह छिपा हुआ था। पार्कर ने आंखें सिकोड़ीं और देखा कि कैप्टन यंगर वहाँ प्रसन्न और संतुष्ट होकर बैठे थे, मानो किसी चेस्टर कैट की तरह मुस्कुरा रहे हों।

7

"...यह सब आपके बारे में और जो शीर के साथ आपके संबंध के बारे में है।"
यह तो आसान था। हाल ही में जो शीर से उसका क्या संबंध था? वह इस छोटे से भ्रष्ट कस्बे में यह पता लगाने आया था कि क्या जो शीर को मारना ज़रूरी होगा या नहीं। और खुद के बारे में, यह तो और भी आसान था; वह एक चोर था।
साल में एक या दो बार, पार्कर संस्थागत डकैती में शामिल होता था— व्यक्तियों के बजाय संगठनों से चोरी करना। वह मानवता के कारण संगठनों तक ही सीमित नहीं रहता था, बल्कि इसलिए कि संगठनों के पास व्यक्तियों की तुलना में अधिक धन होता था; जैसे बैंक, आभूषण की दुकानें या ऐसी ही कोई कंपनी जो अभी भी अपने कर्मचारियों को नकद भुगतान करती थी।
पार्कर अकेला काम नहीं करता था। वह हमेशा किसी खास काम के लिए इकट्ठा हुए लोगों के समूह के साथ काम करता था। हर आदमी एक विशेषज्ञ था, और पार्कर की दो खासियतें थीं: योजना बनाना और हिंसा। दूसरे लोग तिजोरियां खोलने, दीवारें फांदने या सिर्फ देखकर ही योजना बनाने में माहिर थे, लेकिन पार्कर किसी भी ऑपरेशन की सुचारू रूप से योजना बनाने और उसे बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी बाहरी व्यक्ति को रोकने में माहिर था।
किसी भी काम की योजना बनाने और उसे पूरा करने में एक महीने से ज़्यादा समय लगना बहुत दुर्लभ था, इसलिए पार्कर का साल में एक महीने से छह हफ़्ते से ज़्यादा समय काम पर बिताना भी दुर्लभ था। बाकी समय वह कमाई से गुज़ारा करता था, आमतौर पर किसी तटीय रिसॉर्ट सेंटर में, चार्ल्स विलिस के नाम से। विलिस के पास देश भर में जगह-जगह छोटे-मोटे कारोबार थे—जैसे पार्किंग स्थल, लॉन्ड्री और इसी तरह की चीज़ें; इनसे उसे कभी एक पैसा भी नहीं मिलता था, लेकिन संघीय कर फॉर्म में ये उसकी आय को सही ठहराते थे। चार्ल्स विलिस के रूप में उसके पास पूरी पृष्ठभूमि, दस्तावेज़ और सब कुछ था, जो किसी को भी संतुष्ट करने के लिए काफ़ी था।
वह मियामी बीच में चार्ल्स विलिस के नाम से रह रहा था और अपनी पिछली नौकरी से कमाए पैसे खर्च कर रहा था—जो कि नॉर्थ डकोटा के कॉपर कैन्यन नामक स्थान पर थी, जहाँ उसकी मुलाकात उस महिला से हुई जिसके साथ वह अब रह रहा था—तभी जो शीर का पहला पत्र आया। उसमें लिखा था:

पार्कर,

मुझे लगता है कि मुझे कुछ परेशानी हो गई है, लेकिन मैं इसे सुलझा लूंगा। लेकिन बेहतर होगा कि आप कुछ समय के लिए मुझसे संपर्क करने की कोशिश न करें, जब तक कि सब कुछ ठीक न हो जाए। मैं ओमाहा में अपने घर पर नहीं हूँ, बल्कि सैगामोर में अपने घर पर हूँ। अगर अगले कुछ समय में कोई मेरे ज़रिए आपसे संपर्क करने की कोशिश करता है, तो अगर मुझे पता होगा कि कौन है, तो मैं उन्हें सीधे आपसे संपर्क करने के लिए कहूँगा। अगर मुझे पता नहीं होगा, तो मैं अनजान बनने का नाटक करूँगा, जब तक कि यह समस्या हल नहीं हो जाती। सब कुछ ठीक होते ही मैं आपको बता दूँगा।
जो

जो शीर एक अनुभवी तिजोरी खोलने वाले कारीगर थे, जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के बाद पहली बार तिजोरी खोली थी। अब वे काम नहीं करते थे, लेकिन अपने समय में वे तिजोरी और वॉल्ट खोलने के माहिर कारीगरों में से एक थे। ऐसी कोई बैंक वॉल्ट नहीं थी जिसे वे न खोल सकें, और वे हमेशा अपने पेशे में सबसे आगे रहने के लिए कड़ी मेहनत करते थे। देश भर में अलग-अलग पतों पर तीन-चार नामों से वे हर तिजोरी और वॉल्ट निर्माता, निजी सुरक्षा संघ, ताले और अलार्म बनाने वाली कंपनियों के सभी व्यापारिक कागजात और प्रचार सामग्री प्राप्त करते थे; और उन्हें सभी बैंकिंग संघों की व्यापारिक पत्रिकाएँ भी मिलती थीं। अधिकांश कारीगरों की तरह, उनके तरीके सीमित नहीं थे; वे नाइट्रो, टॉर्च, हथौड़ा या ड्रिल, जो भी काम के लिए सबसे उपयुक्त होता था, उसका इस्तेमाल कर सकते थे। जब वे सक्रिय थे, तब उनकी लगातार मांग रहती थी। लेकिन लगभग पाँच साल पहले वे सेवानिवृत्त हो गए थे। पार्कर की तरह, और इस व्यवसाय के अधिकांश पेशेवरों की तरह, उन्होंने वर्षों तक एक छद्म नाम का इस्तेमाल किया था, जिसमें आजीविका कमाने का एक फर्जी तरीका और पहचान साबित करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज़ शामिल थे। उन दस्तावेज़ों में एक सामाजिक सुरक्षा कार्ड भी था। जब अपने पैंसठवें जन्मदिन के कुछ ही समय बाद उन्हें सामाजिक सुरक्षा भुगतान मिलना शुरू हुआ, तो जो शीर एक सप्ताह तक हँसे और फिर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सामाजिक सुरक्षा भुगतान से उनका वह जीवन स्तर पूरा नहीं हो रहा था जिसकी उन्हें आदत थी, लेकिन इसकी आवश्यकता भी नहीं थी; उन्होंने वर्षों से अपनी आय का कुछ हिस्सा बचाकर रखा था, जो उन्हें बीमा खातों के दूसरी तरफ तक आराम से रहने के लिए पर्याप्त था।
जो ने व्यवसाय के सक्रिय पक्ष से सेवानिवृत्ति ले ली थी, लेकिन पेशे से पूरी तरह नहीं। वह अब भी कभी-कभार होने वाली योजना बैठकों में एक छोटे से

हिस्से के लिए उपस्थित रहते थे, और पार्कर और व्यवसाय में कुछ अन्य लोगों के लिए एक तरह से उत्तरदाता के रूप में काम करते थे।
बात ये थी कि जब पार्कर चार्ल्स विलिस बनकर काम कर रहा था, तो वो नहीं चाहता था कि कोई भी उससे पार्कर बनकर संपर्क करे। धंधे में लगभग हर कोई यही सोचता था; वो नहीं चाहता था कि जब वो अपनी गुप्त पहचान का इस्तेमाल कर रहा हो, तो धंधे के दूसरे लोग उसके काम में दखल दें। इसलिए पार्कर का, बाकी कई लोगों की तरह, एक दोस्त था जो आने वाले सभी संदेशों को आगे पहुंचाता था, जो पार्कर और चार्ल्स विलिस के बीच एकमात्र कड़ी का काम करता था। उसका दोस्त जो शीर था। अगर धंधे में किसी को भी पार्कर से संपर्क करना होता था, तो उसे जो शीर से संपर्क करना पड़ता था, उसे पूरी कहानी बतानी पड़ती थी और जो के पार्कर तक बात पहुंचाने का इंतजार करना पड़ता था। अगर पार्कर को तब ठीक लगता, तो वो उस दूसरे आदमी से उसी जगह मिलता जहां मूल संदेश में बताया गया था। अगर उसे ठीक नहीं लगता, तो कोई जवाब नहीं मिलता था। उसका न आना ही अपने आप में एक जवाब था।
पिछले पांच सालों से पार्कर और जो शीर के बीच मुख्य संपर्क संदेशों का ही था। इसके अलावा, कुछ साल पहले एक बार, पार्कर ओमाहा में जो के घर पर रुका था, जब जो ने उसके लिए एक प्लास्टिक सर्जन से अपॉइंटमेंट करवाया ताकि उसका चेहरा नया बन सके; उसका पुराना चेहरा अब लोगों को पसंद नहीं आ रहा था। तब से, जो के माध्यम से दूसरे लोगों से कभी-कभार मिलने वाले संदेशों के अलावा, पार्कर का उससे कोई सीधा संपर्क नहीं रहा था।
जब उसे चिट्ठी मिली, तो उसे थोड़ा आश्चर्य हुआ कि जो किस मुसीबत में फंसा है, लेकिन चूंकि जो ने आत्मविश्वास से कहा था कि वह खुद ही सब संभाल लेगा, और चूंकि उनके व्यवसाय में खुद की चिंता करना ही एक पूरा दिन का काम था, इसलिए पार्कर ने जो शीर के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। वैसे भी, कॉपर कैन्यन के काम से उसके पास काफी पैसा था और वह नौकरी की तलाश में नहीं था, इसलिए अगर कुछ समय के लिए संदेशवाहक सेवा ठप हो जाती तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था।
दूसरा पत्र एक महीने बाद आया। उसमें लिखा था:

पार्कर,

एक बूढ़े आदमी को माफ कर दीजिए। मुझे मदद चाहिए। आप जानते हैं कि मैंने अपनी जिंदगी में कभी किसी से मुसीबत से निकलने के लिए गुहार नहीं लगाई, लेकिन मैं बूढ़ा, कमजोर और डरा हुआ हो रहा हूँ। अगर आप मुझे नरक में जाने के लिए कहना चाहते हैं तो ठीक है, लेकिन अगर आपके पास समय और इच्छा हो तो मुझे यहाँ थोड़ी मदद चाहिए। मैं आपको इससे किसी भी तरह के लाभ का वादा नहीं करता। असल में, मुझे नहीं लगता कि आप यात्रा खर्च भी उठा पाएंगे जब तक मैं उसका भुगतान न करूँ, और मैं करूँगा। अगर आपके पास कोई महिला है, तो उसे भी साथ ले आइए, मैं उसका खर्च भी उठा लूँगा। आप जैसे युवा और मजबूत इंसान मेरी इस समस्या को आसानी से हल कर सकते हैं, और उसके बाद आराम से बैठकर बीयर पी सकते हैं। यह ऐसी मुसीबत नहीं है जिसके बारे में मैं दस साल पहले दो बार सोचता, लेकिन अब बात अलग है। खैर, अगर आप आ रहे हैं, तो आ जाइए, और अगर नहीं आ रहे हैं तो मत आइए, मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। भगवान के लिए, मुझे फोन मत कीजिएगा।
जो

पार्कर ने चिट्ठी को तीन बार पढ़ा, तब जाकर उसने इस पर अपना फैसला किया। यह जो शीर के बोलने और लिखने के तरीके जैसी लग रही थी, लेकिन यकीनन जो शीर कभी ऐसी बात कहेगा नहीं। उनके जैसे धंधे में लोग एक-दूसरे के लिए कई काम कर सकते हैं, जैसे अगर मुसीबत ज्यादा गंभीर न हो तो एक-दूसरे को पनाह देना या अगर पैसे हों तो एक-दूसरे का साथ देना, लेकिन वे इस तरह की चिट्ठी कभी एक-दूसरे को नहीं लिखते। वैसे भी, कोई आदमी निजी समस्या में मदद नहीं मांगता। दूसरी बात, अगर कोई आदमी किसी भी बात में मदद मांगता है, तो वह कभी भी मदद के बदले पैसे देने की बात नहीं करता; वह मदद करने वाले को मिलने वाले कमीशन के बारे में कुछ कह सकता है, लेकिन वह बात बिल्कुल अलग है। आने-जाने का खर्च देने की पेशकश करना तो सरासर घटियापन था।
तीसरी बात, एक इंसान कभी भी अपने भाग्य के लिए माफी नहीं मांगता; सत्तर साल की उम्र में जो शीर को अचानक क्या लगा कि वो अपनी किस्मत का मालिक है? इंसान वही बनता है जो दुनिया उसके लिए तय करती है, जहाँ दुनिया उसके लिए तय करती है, और जिस हालत में दुनिया उसके लिए चुनती है। अगर दुनिया ने इस बार जो को बुरे पत्ते दिए हैं, तो बेहतर पत्ते न मिलने के लिए माफी मांगना उसका काम नहीं है।
लेकिन जो को यह बात पहले से ही पता थी, या पता रही थी। अब, इस पत्र को देखकर लगता है कि वह इसे भूल चुका है।
जब आखिरकार उसे यकीन हो गया कि वह चिट्ठी वाकई जो शीर ने ही लिखी थी, तो पार्कर ने अपना सूटकेस निकाला और सामान पैक करना शुरू कर दिया। उसने जो शीर के लिए सामान पैक नहीं किया था, न ही उसने एयरपोर्ट पर फोन करके ओमाहा

जाने वाली अगली फ्लाइट में रिजर्वेशन करवाया था। जहाँ तक उसकी बात थी, जो शीर अभी मर जाए तो भी पार्कर को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि, यह बेहतर होगा; इससे उसका एक सफर बच जाएगा।
वह अपने लिए जा रहा था। वह इसलिए जा रहा था क्योंकि जो के पत्र में उसे अपने लिए एक ऐसा खतरा दिखाई दिया जो जो द्वारा वर्णित किसी भी खतरे से कहीं अधिक स्पष्ट और घातक था। उसने एक बूढ़े व्यक्ति की कांपती लिखावट और कांपती मानसिकता देखी। जो बुढ़ापे के कारण कमजोर होता जा रहा था। सत्तर वर्ष की आयु में, वह अपने जीवन भर जिन नैतिक मूल्यों का पालन करता आया था, उन्हें पूरी तरह से भूल चुका था।
लेकिन उसने पार्कर का नाम और पता नहीं खोया था।
जो शीर पार्कर को सूली पर चढ़ा सकता था, उसे सौ कीलों से दीवार पर ठोक सकता था। वह उसे उसके पुराने चेहरे से पहचानता था, क्योंकि प्लास्टिक सर्जन से पार्कर की मुलाकात करवाने वाला जो शीर के अलावा और कौन हो सकता था? वह पार्कर का छद्म नाम जानता था, वह पार्कर से जुड़े बीस-पच्चीस कामों के बारे में जानता था, वह पार्कर के बारे में इतना जानता था कि उसे जिंदा ही छील सकता था।
अब तक इसका कोई मतलब नहीं था, क्योंकि जो को यह भी पता था कि वह किस तरह की दुनिया में रहता है और उस दुनिया में उसकी क्या भूमिका है। लेकिन अब ऐसा नहीं था। जो शीर अब बस एक बूढ़ा बाजीगर था, कांपता हुआ और जंग खा चुका— उसने खुद कहा था—कांपता हुआ, जंग खा चुका और डरा हुआ, एक बूढ़ा बाजीगर जो अपने साथ काम करने वाले हर आदमी को एक आरामदायक गद्दे, एक गर्म रेडिएटर और थोड़ी सी मन की शांति के लिए बदलने को तैयार था।
इसलिए पार्कर ने एक सूटकेस पैक किया, होटल से टैक्सी ली और हवाई अड्डे से विमान लेकर देश भर में उत्तर और पश्चिम की ओर उड़ान भरी, यह देखने के लिए कि जो शीर से खुद को बचाने के लिए क्या करना होगा।
वह मंगलवार दोपहर को ओमाहा पहुंचा, विमान से ट्रेन में सवार हुआ, मंगलवार शाम को सैगामोर शहर पहुंचा और सैगामोर होटल में अपना नाम दर्ज कराया। इस बार उसने जो के घर पर रुकने का इरादा नहीं किया था क्योंकि उसे नहीं पता था कि इस बार जो के साथ उसका रिश्ता कैसा होगा। और उसने चार्ल्स विलिस नाम का इस्तेमाल किया क्योंकि जो के साथ वह हमेशा इसी नाम का इस्तेमाल करता था। उसे तब यह नहीं पता था कि मामला पेचीदा हो जाएगा, कि

अगले दिन दोपहर से पहले ही एक स्थानीय पुलिस वाला इसमें शामिल हो जाएगा; अगर उसे पता होता, तो वह कोई दूसरा नाम इस्तेमाल करता।
सैगामोर होटल में आज तक कोई पर्यटक नहीं रुका था; यहाँ सिर्फ़ घुमंतू लोग ही ठहरते थे। सैगामोर कोई पर्यटन स्थल नहीं था, न ही किसी पर्यटन स्थल के पास था, और न ही किसी पर्यटन स्थल तक जाने वाले किसी रास्ते पर पड़ता था। कुछ छोटी-छोटी, लेकिन गंदी फैक्ट्रियाँ कस्बे का सहारा थीं, और घुमंतू लोग ही सैगामोर होटल चलाते थे। डेस्क क्लर्क ने पार्कर को देखा और लाख कोशिश करने पर भी समझ नहीं पाया कि पार्कर कौन है या क्या है। उसने पूरी रात इसी बारे में सोचा और आख़िरकार उसने तय किया कि अगर पार्कर कुछ बेचता भी है, तो या तो शराब या फिर बंदूकें।
उसी रात, पार्कर जो के घर उससे बात करने और स्थिति का जायजा लेने गया। वह पैदल गया, क्योंकि वह एक छोटा सा कस्बा था जहाँ कोई भी चीज़ दूसरी चीज़ से बहुत दूर नहीं थी, और भविष्य में वह नहीं चाहता था कि कोई भी निश्चित रूप से यह कह सके कि चार्ल्स विलिस उस रात उस इलाके में था।

जब वह घर पहुँचा तो चारों ओर अंधेरा था, हालाँकि अभी आठ बजकर कुछ ही मिनट हुए थे। वह बरामदे में खड़ा होकर घंटी बजाने लगा, मन ही मन सोच रहा था कि बुज़ुर्ग लोग कभी-कभी अंधेरे में बैठते हैं और कभी-कभी शाम को झपकी लेते हैं। तभी बगल वाले घर के बरामदे से एक किशोर लड़के ने उसे आवाज़ दी और बताया कि श्री शार्डिन का कल निधन हो गया है, जी हाँ, अंतिम संस्कार कल सुबह है, जी हाँ, यह सब बहुत अचानक हुआ।
बहुत अचानक।
पार्कर सोचने के लिए होटल के कमरे में वापस चला गया। जब तक उसे जो का दूसरा पत्र मिला, तब तक बूढ़े आदमी की मृत्यु हो चुकी थी। उसके साथ क्या हुआ था? वह किस तरह की परेशानी की बात कर रहा था? क्या यह ऐसी कोई बात थी जो अंततः पार्कर तक पहुँच सकती थी? उसे याद आया, पहले पत्र में जो ने साफ तौर पर कहा था कि जब तक सब कुछ ठीक नहीं हो जाता, तब तक वह संदेशवाहक सेवा बंद रखेगा।
जो की मौत हो चुकी थी, लेकिन इससे सब कुछ हल नहीं हो गया था। पार्कर को अभी भी यह जानना था कि जो की मौत कैसे हुई, कौन किस तरह की परेशानी खड़ी कर रहा था, और क्या सैगामोर शहर में कोई ऐसा व्यक्ति है जो बाद में पार्कर या

चार्ल्स विलिस के लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है। उसे यह सब अभी जानना था, और इंतज़ार नहीं करना था कि मुसीबत उसके पास आएगी, क्योंकि तब बहुत देर हो जाएगी।
इसलिए वह उस रात वहीं रुका, और सुबह नीचे जाकर उसने डेस्क क्लर्क से स्थानीय अखबार के बारे में पूछा, लेकिन स्थानीय अखबार एक साप्ताहिक अखबार था जो गुरुवार को निकलता था, इसलिए पार्कर को जिला अखबार चाहिए था, और जिला अखबार का कार्यालय लिनब्रुक में था, जो सात मील दूर था।
होटल के ठीक सामने रेलवे स्टेशन था, और उसके सामने एक टैक्सी खड़ी थी, धूल से सनी काली शेवरले, जो चार-पाँच साल पुरानी थी। पार्कर ने उसे लिनब्रुक जाने और वापस आने के लिए किराए पर लिया। वह वहाँ गया और कल का अखबार लिया। जब वह अखबार के दफ्तर से बाहर आया तो शेवरले के पीछे एक काली फोर्ड खड़ी थी, और भूरे रंग के बिजनेस सूट और हल्के भूरे रंग की काउबॉय टोपी पहने एक हट्टा-कट्टा आदमी शेवरले के किनारे पर टिका हुआ था और ड्राइवर से सुस्ती से बातें कर रहा था। पार्कर के आने पर वह आदमी चला गया, और पार्कर ने उसे काली फोर्ड में बैठते हुए देखा।
सैगामोर लौटते समय, काली फोर्ड कार उनके पीछे-पीछे चल रही थी। कुछ मील बाद, पार्कर ने ड्राइवर से पूछा, "काउबॉय टोपी वाला आदमी कौन है?"
“वो? मुझसे बात करने वाला आदमी?” ड्राइवर लगभग तीस साल का था, उसने आर्मी आइक जैकेट पहनी हुई थी और उसके बाल लंबे, सूखे और सुनहरे थे। जैकेट की आस्तीन पर एक गहरा उल्टा V बना हुआ था, जो दर्शाता था कि उसने अपने सर्वोच्च पद (प्राइवेट फर्स्ट क्लास) का बैज उतार दिया था। उसका चेहरा नुकीला और पतला था, आँखों के गड्ढों के आसपास हड्डियों की बनावट साफ़ दिखाई दे रही थी। जब वह बोलता था, तो उसकी आवाज़ में पुरानी झुंझलाहट झलकती थी।
पार्कर ने कहा, "उससे कानून की गंध आ रही थी। क्या वह कानून का रखवाला है?"
"आप कह सकते हैं कि।"
“किस तरह का कानून?”
"सड़े हुए प्रकार का।"
“मेरा मतलब है कि वह किस स्तर का है। राज्य, स्थानीय, काउंटी, वह किस स्तर का है?”

“टाउन। वह सैगामोर में टाउन पुलिस बल का नेतृत्व करता है।”

पार्कर ने अपनी सिगरेट खिड़की से बाहर फेंक दी। "शहर में पुलिस बल कितना बड़ा है?"
ड्राइवर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "शायद बारह-पंद्रह आदमी होंगे, मुझे नहीं पता।"
“बड़ी जिम्मेदारी। उसे क्या कहते हैं, कमिश्नर?”
“कैप्टन। उनके साथ कुछ लेफ्टिनेंट हैं और बाकी सब सार्जेंट हैं।”
पार्कर ने भौंहें चढ़ाईं। ड्राइवर बात करने को तैयार तो था, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि कैसे बात करे। उससे कुछ भी निकलवाना बहुत मुश्किल था। उसने पूछा, "क्या इस कप्तान का कोई नाम है?"
“यंगर, कैप्टन यंगर।”
वह मेरे बारे में क्या जानना चाहता था?
“किसने कहा कि वह तुम्हारे बारे में जानना चाहता है? हम तो बस बातें कर रहे थे।”
“ज़रूर।” पार्कर ने कंधे उचकाए और पीछे मुड़कर देखा। फोर्ड गाड़ी उनके पीछे सुस्ती से चल रही थी। उसने कहा, “तुम उसके सार्जेंट क्यों नहीं हो?” ड्राइवर एक मिनट तक चुप रहा। वह पहले से ज़्यादा झुककर स्टीयरिंग व्हील पर बैठ गया, और शेवरले की रफ़्तार बढ़ गई। लेकिन कुछ सेकंड बाद रफ़्तार फिर धीमी हो गई, और ड्राइवर ने इतनी धीमी आवाज़ में कहा कि पार्कर को मुश्किल से सुनाई दिया, "मुझे नौकरी मिल गई है।"
"ज़रूर।"
उसके बाद वे चुपचाप सैगामोर और होटल की ओर वापस चले गए। फिर, जब पार्कर उसे किराया दे रहा था, तो ड्राइवर ने जल्दी से कहा, "वह जानना चाहता था कि क्या मैं आपका नाम जानता हूँ, क्या आपने जाते समय कुछ कहा था, क्या मैंने आपको पहले कभी शहर में कहीं देखा था, क्या आपने ज़िले के अख़बार से अपनी ज़रूरतें बताई थीं, क्या आपने किसी का नाम लिया था।"
"धन्यवाद।"
"अगर मुझे कुछ पता भी होता, तो भी मैं उस कमीने को नहीं बताता।"

पार्कर कार से बाहर निकला और एक पल के लिए खड़ा रहा जबकि ड्राइवर ने शेवी को एक बड़े यू-टर्न में घुमाया और उसे रेलवे स्टेशन के सामने सड़क के उस पार स्थित पार्किंग स्लॉट में पार्क कर दिया।
फोर्ड कार पार्कर के बाईं ओर कुछ गज की दूरी पर फुटपाथ के किनारे रुकी। कैप्टन यंगर भारी कदमों से कार से उतरे, अपनी कमर की जेब से एक रुमाल निकाला, अपनी काउबॉय टोपी उतारी, रुमाल से अपना माथा और पसीने से भीगी पट्टी पोंछी और टोपी व रुमाल वापस वहीं रख दिए जहाँ से उन्होंने निकाले थे। अपनी कोट की अंदरूनी जेब से उन्होंने एक सिगार निकाला और उसे खोलने और पीने के लिए तैयार करने में काफी समय लगाया। उन्होंने पार्कर की ओर देखा तक नहीं।
पार्कर मुड़ा और होटल के अंदर चला गया। यह एक छोटी सी इमारत थी, केवल चार मंज़िला, लेकिन बेतरतीब ढंग से फैली हुई थी, और इसकी लॉबी बाकी जगह के मुकाबले बहुत चौड़ी और लंबी थी। लॉबी में गहरे नारंगी रंग के कालीन पर हरे चमड़े के सोफे इधर-उधर बिखरे हुए थे, और एक कोने में एक अकेला आदमी एक बड़े से डेस्क के पीछे मज़ाक की तरह खड़ा था।
पार्कर ऊपर चला गया, और कैप्टन यंगर होटल के सामने प्लांट में ही रुका रहा।
फिर, पार्कर जहाँ भी गया, मामला बार-बार कैप्टन यंगर के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा, और अंत में जो शीर के घर में जाकर खत्म हुआ, जहाँ दोनों आमने- सामने थे, पार्कर और कैप्टन यंगर, और पार्कर को फिर भी कुछ भी पता नहीं था।
लेकिन उसे परेशानी थी।

□□□ □□

1

डॉ. रेबोर्न झूठ बोलने में तो माहिर नहीं थे, लेकिन एक अच्छे डॉक्टर थे। उन्होंने कैप्टन यंगर या पार्कर से कोई सवाल नहीं पूछा, बल्कि सीधे पार्कर के चेहरे का इलाज शुरू कर दिया। उन्होंने रुई से चोट के निशान साफ किए, कुछ सबसे ज़्यादा चोट वाली जगहों पर जलन पैदा करने वाली मरहम लगाई और फिर एक प्रेशराइज्ड कैन से चेहरे के एक तरफ कुछ स्प्रे किया। स्प्रे पहले तो बहुत ठंडा था, लेकिन धीरे-धीरे दर्द कम हो गया और नोवोकेन की तरह पार्कर के चेहरे का वह हिस्सा सुन्न हो गया।
इस पूरे समय किसी ने कुछ नहीं कहा। यंगर पार्कर को देख रहा था, पार्कर डॉक्टर को देख रहा था, और डॉक्टर अपने हाथों को देख रहा था। वह किसी से भी नज़रें नहीं मिला रहा था। उसकी कार्यकुशलता के बीच घबराहट झलक रही थी, मानो रुक-रुक कर छाए बादलों के बीच से आसमान दिखाई दे रहा हो।
जब आखिरकार उसका काम खत्म हो गया और वह अपने औजारों को वापस अपने काले थैले में रख रहा था, तो यंगर ने उससे कहा, "यह सिर्फ हम दोनों के बीच की बात है, लैरी।"
अपने बैग से नज़रें उठाए बिना डॉक्टर ने कहा, "बस, अबनेर, यही आखिरी मौका है। अब और नहीं। मुझे दोबारा फोन मत करना।"
“मैंने उसके साथ ऐसा नहीं किया,” यंगर ने कहा। “वह सीढ़ियों से गिर गया था। है ना, विलिस?”
पार्कर ने कुछ नहीं कहा।
डॉ. रेबोर्न ने कहा, "उसे सीढ़ियों से गिरने से यह चोट नहीं लगी। मुझसे झूठ मत बोलो, एबनर, मैं मूर्ख नहीं हूँ।"
“खैर, मैं कहता हूँ कि मैंने ऐसा नहीं किया। भगवान की कसम, विलिस, क्या मैंने तुम पर हाथ उठाया था?”
फिर भी पार्कर ने कुछ नहीं कहा। चेहरे पर कोई भाव नहीं था, वह उन दोनों को देखता रहा। देर-सवेर वह डॉ. रेबोर्न, जो इस मामले की सबसे कमज़ोर कड़ी थे, से एक और निजी बातचीत करना चाहेगा।
डॉक्टर कह रहे थे, “मुझे विवरणों की परवाह नहीं है, एबनर। मैं उनके बारे में जानना नहीं चाहता। मैं उनके बारे में जानना ही नहीं चाहता था—”

"अपना मुंह बंद करें!"
डॉक्टर अचानक दुगनी घबराहट से भर गया। उसने अपना बैग ज़ोर से बंद किया और उसकी नज़रें बार-बार पार्कर पर टिकी रहीं। पार्कर उसे भावहीन आँखों से देखता रहा।
यंगर ने कहा, "तुम खुद को मुसीबत में डाल लोगे।" उसने डॉक्टर की ओर उंगली उठाई और हवा में लहराते हुए कहा, "तुम सबको मुसीबत में डाल दोगे। अब तुम अपना ध्यान रखना।"
"मुझे खेद है-"
“तुम तो बोलना बंद ही नहीं करोगे, है ना? घर जाओ, लैरी, मैं तुम्हें बाद में कॉल करूंगा।”
“ठीक है।” उसने अपना बैग उठाया और घबराया हुआ सा खड़ा हो गया। “एबनर,” उसने कहा, “मुझे अब और नहीं चाहिए। यह आखिरी बार है।”

"मैं आपको बाद में कॉल करूँगा।"
“मेरा मतलब यही है, एबनर।”
मैंने कहा था कि मैं आपको बाद में कॉल करूंगा।
रेबोर्न कुछ सेकंड तक हिचकिचाता रहा, फिर आखिरकार उसने एक कमजोर आदमी की तरह कंधे उचकाए और मुड़कर सामने के दरवाजे से बाहर चला गया। उसने दरवाजा बंद कर लिया, और उसके बाद की खामोशी में, यंगर ने सिगार के धुएं का एक नीला बादल उड़ाते हुए कहा, "वह आदमी एक कायर है। बस एक कायर।"
पार्कर ने अपना सिर हिलाए बिना अपनी आँखें घुमाईं। उसने यंगर को देखा और आगे क्या होगा, यह देखने के लिए प्रतीक्षा की। उसका चेहरा अजीब सा लग रहा था, बायां हिस्सा सुन्न और बेजान सा था।
कैप्टन यंगर ने गहरी साँस ली और खड़े हो गए। सिगार उनके बाएँ हाथ में था, बंदूक दाएँ हाथ में। उनकी काउबॉय टोपी सिर पर पीछे की ओर झुकी हुई थी, कमीज़ का कॉलर खुला था और टाई ढीली थी, सूट जैकेट के बटन खुले थे और पतलून उनके पेट के नीचे फंसी हुई थी। वे ऐसे लग रहे थे मानो उनके पास समय और धैर्य के सिवा कुछ न हो। रेबोर्न के साथ हुई मुलाकात के बाद अब वे पहले से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वासी हो गए थे और यह उनके चेहरे पर दिख भी रहा था।

वह पार्कर से काफी दूरी बनाए रखते हुए कमरे में थोड़ा इधर-उधर घूमा और अंत में उसने कहा, "सवाल यह है कि क्या तुम जानते हो कि यह कहाँ है या नहीं? यही सवाल है।"
पार्कर इंतजार करता रहा; उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं था, जवाब देने के लिए भी कुछ नहीं था।
“पहले तो मुझे लगा कि तुम्हें पता है, और मुझे बस तुम्हें अपनी नज़र में रखना था, तुम मुझे सीधे वहाँ ले जाओगे। लेकिन अब मुझे ऐसा नहीं लगता। यह यहाँ नहीं है। मुझे एक पल के लिए भी यकीन नहीं है कि यह इस घर में है, इसलिए तुम्हारा यहाँ इधर-उधर ताकना यह साबित करता है कि तुम्हें भी किसी और से ज़्यादा कुछ नहीं पता। क्या यह सही है?”
पार्कर अभी तक यह तय नहीं कर पा रहा था कि कुछ भी न जानने का दावा करना बेहतर होगा या सब कुछ जानने का, इसलिए वह इंतजार करता रहा।
यंगर कुछ हद तक मनोविज्ञान का प्रयोग कर रहा था, क्योंकि अब उसने कहा, "या यह यहाँ है? क्या आपको पक्का पता है कि यह यहीं है? आप तहखाने में खुदाई क्यों कर रहे थे?"
पार्कर ने अपना सिर हिलाया, लेकिन कुछ नहीं कहा।
“ठीक है, तुम नहीं, तुम्हारा साथी। वो अजीब कपड़े पहने छोटा बदमाश। आज दोपहर तुम्हें सड़क पर उसके चेहरे पर घूंसा मारते हुए देखा गया था, इस बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?”
"ज्यादा नहीं।"
“वह आपका पार्टनर है, है ना?”
"नहीं।"
“वह नीचे खुदाई कर रहा था, है ना?”
"हो सकता है कि वह वही हो, हो सकता है कि नहीं। मुझे टक्कर मारने वाले व्यक्ति ने अपने सिर पर बोरी डाल रखी थी।"
“अरे, बस करो! तुम उसके साथ नीचे गई थी! तुम मुझे क्या समझती हो?”
पार्कर ने कहा, "मुझे लगता है कि तुम एक गंवार, मूर्ख, बड़बोले और सिर से लेकर नितंब तक पीले हो।"
कप्तान अपनी जगह पर रुक गया और पार्कर को घूरने लगा। उसका चेहरा लाल हो गया और बंदूक पर रखा उसका हाथ सफेद पड़ गया। कुछ भी कहने से पहले उसने तीन बार अपना मुंह खोला, और फिर शब्द एक दबी हुई फुसफुसाहट में निकले:

“मैं तुम्हें मार सकता हूँ, विलिस, क्या तुम्हें यह पता नहीं? मैं इस शहर का मालिक हूँ, मैं ही सब कुछ संभालता हूँ, मैं ही पुलिस बल का मुखिया हूँ। मैं तुम्हें यहीं, अभी, मार सकता हूँ, अपने पैरों के पास गोली मारकर तुम्हें मौत के घाट उतार सकता हूँ, और कोई मुझसे कुछ नहीं कहेगा। तुम ज़रूर कहीं न कहीं किसी मामले में वांछित होगे, जो शीर के पुराने दोस्त जैसे तुम, किसी न किसी की वांछित सूची में तो ज़रूर होगे। मैंने तुम्हें घर में चोरी करते हुए पकड़ा था और जब मैंने तुम्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की, तो तुमने मुझ पर हमला कर दिया और मैंने आत्मरक्षा में तुम्हें गोली मार दी। क्या तुम्हें यह पता नहीं? मैं तुम्हें अभी मार सकता हूँ और इसके बारे में दो बार नहीं सोचूंगा।”
"अगर तुम मुझे मार डालोगे," पार्कर ने उससे कहा, "तो तुम्हें कभी कुछ पता नहीं चलेगा।"
“मैं नहीं करूँगा? मैं नहीं करूँगा?” पता नहीं क्यों, इससे यंगर पहले से भी ज़्यादा गुस्से में आ गया। “समझाओ,” उसने कहा। “जल्दी बोलो, अपनी बात समझाओ। कसम से, मैं तुम्हें मार डालूँगा! मुझे एक वजह बताओ कि मैं ऐसा क्यों न करूँ, बस एक अच्छी वजह जिससे मैं तुम्हें अभी गोली न मार दूँ।” पार्कर ने कहा, "मैं ग्लिफ को देखने गया था।"
यंगर इंतजार करता रहा, लेकिन पार्कर ने कुछ नहीं कहा। आखिरकार, यंगर ने कहा, "तो क्या हुआ? इसका क्या मतलब है?"
तुम खुद ही पता लगा लो।
"आप क्या बकवास बात कर रहे हैं?"
“तुम्हें कुछ समझ नहीं आ रहा, यंगर। तुम्हारी थ्योरी है और वो काम नहीं करती, उसमें बहुत सारी खामियां हैं। एक छोटा-सा आदमी है जिसके साथ मुझे पार्टनरशिप करनी चाहिए थी, लेकिन मुझे सड़क पर उसे पीटते हुए देखा गया और उसने मुझे तहखाने में फावड़े से मारा। क्या तुम इसे पार्टनरशिप कहते हो? क्या तुम्हारी थ्योरी से पता चलता है कि मैं ग्लिफ़ और रेबोर्न से मिलने क्यों गया था? क्या इससे पता चलता है कि मैं लिनब्रुक क्यों गया था?” "अखबार लेने के लिए, तुम किस बारे में बात कर रहे हो? मुझे पता है कि तुम लिनब्रुक किसलिए गए थे, अखबार लेने के लिए।"
“क्यों? मुझे वह अखबार क्यों चाहिए था?”

यंगर दिन-ब-दिन और भी ज़्यादा हैरान, चिड़चिड़ा, अधीर और क्रोधित होता जा रहा था। उसने बेतहाशा हाथ हिलाते हुए चिल्लाकर कहा, “मुझे क्या फ़र्क पड़ता है? मुझे इस बात से कोई लेना-देना नहीं कि तुम्हें वो घटिया अख़बार किसलिए चाहिए था? मुझे पता है तुम इस शहर में किसलिए आए हो, मुझे ज़्यादा बकवास मत करो—”
टेलीफोन की तेज घंटी ने उसकी चीख-पुकार को अचानक रोक दिया, मानो रेडियो बंद कर दिया गया हो। पहली घंटी बजने के बाद की खामोशी में वे एक-दूसरे को देखते रहे, यंगर की आँखें चौड़ी हो गईं मानो किसी अंधविश्वास ने उसे जकड़ लिया हो, पार्कर देखता और इंतजार करता रहा।
फोन दूसरी बार बज उठा। यंगर ने सिर हिलाया और इस बार चुप्पी में बोला, "तुम्हारा साथी तुम्हें फोन कर रहा है। लेकिन मैं फोन उठा लेता हूँ, विलिस, इस बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"
कहने को कुछ नहीं था। यंगर एक पदवी प्राप्त मूर्ख था, बस इतना ही; एक मूर्ख को अधिकार दे दो तो कुछ समय बाद वह भूल जाता है कि वह मूर्ख है। यंगर पास गया और तीसरी बार आवाज़ आने से पहले ही फ़ोन उठा लिया। उसने उसे सावधानी से अपने चेहरे के पास रखा, मानो उसे अभी भी थोड़ा डर हो कि कहीं वह फट न जाए। उसने संभलकर कहा, "हेलो? हेलो?"

पार्कर के देखते ही यंगर के चेहरे पर राहत के भाव आ गए और उसने कहा, "हाँ, यही है, यही है।" वह फोन पर झुककर ऐसे सुन रहा था जैसे कोई गुप्त बात हो; फिर उसने भौंहें चढ़ाईं और आधा मुड़कर पार्कर को देखा, और कहा, "कौन? स्थानीय?" वह जवाब सुनते हुए पार्कर को देखता रहा, फिर उसने दोबारा मुंह फेर लिया और पहले से धीमी आवाज़ में कहा, "कितने समय से?"
पार्कर को पता था कि कुछ गड़बड़ है, लेकिन कितनी गड़बड़ है या इसका उससे कोई संबंध है या नहीं, यह उसे नहीं पता था। वह देखता रहा, इंतज़ार करता रहा और सोचता रहा कि क्या एक-दो मिनट में उसे यंगर पर हमला करके उसे मार डालना होगा और फिर यहाँ-वहाँ अपने सारे सबूत मिटाने होंगे।
हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, और अब वो इसमें इतना फंस चुका था कि निकलना नामुमकिन था। सबसे बुरी बात ये थी कि वो चार्ल्स विलिस के नाम का इस्तेमाल कर रहा था - एक सुरक्षित नाम, एक गुप्त नाम, एक पृष्ठभूमि नाम।

अगर चार्ल्स विलिस का नाम बदनाम हो जाता तो उसे सब कुछ नए सिरे से शुरू करना पड़ता।
उसने अपने हाथों को देखा। उन उंगलियों के निशान वाशिंगटन में दर्ज थे, जिनमें रोनाल्ड कैस्पर का नाम था। रोनाल्ड कैस्पर कैलिफोर्निया में एक जेल-फार्म गार्ड की हत्या के मामले में वांछित था, जो कुछ साल पहले उसकी अब मृत पत्नी के साथ हुए झगड़े का नतीजा था। पार्कर खुद भी शायद इधर-उधर कुछ डकैतियों के मामलों में वांछित था, हालांकि उंगलियों के निशान से कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ था। लेकिन अब तक चार्ल्स विलिस कहीं भी वांछित नहीं था।
वह यंगर को अपने ऊपर केस दर्ज करने की इजाज़त नहीं दे सकता था, किसी भी बात पर नहीं, यहाँ तक कि फुटपाथ पर थूकने पर भी नहीं। वह चार्ल्स विलिस और रोनाल्ड कैस्पर के बीच संबंध स्थापित होने की भी इजाज़त नहीं दे सकता था, क्योंकि दोनों नाम पार्कर में एक साथ मिलते थे। किसी भी तरह उसे विलिस का नाम सुरक्षित रखते हुए इस मामले से बाहर निकलना था।
अगर उसे पता होता कि जो मर चुका है, अगर उसे पता होता कि ये सब मुसीबत आने वाली है, तो वो शुरू से ही विलिस नाम का इस्तेमाल नहीं करता। अगर उसे पता होता कि क्या होने वाला है, तो वो यहाँ आता ही नहीं।
यंगर का इंतज़ार करते हुए, यह जानने की उत्सुकता में कि इस फ़ोन कॉल से कितनी नई मुसीबत खड़ी हो सकती है, वह यह सोचने की कोशिश कर रहा था कि अगर हालात बदतर हो गए तो विलिस का नाम कैसे सुरक्षित रखा जाए। उसे यंगर, ग्लिफ़ और रेबोर्न को भी रास्ते से हटाना होगा, होटल बुकिंग के बहाने किसी तरह अपना बचाव करना होगा, तुरंत मियामी वापस लौटना होगा और कोई ऐसा बहाना बनाना होगा जिससे लगे कि वह पूरे समय वहीं था। यह सब पेचीदा होगा और जल्दी करना होगा। लेकिन उसे विश्वास था कि यह किया जा सकता है; ज़रूरी काम तो हमेशा किया जा सकता है।
फोन पर यंगर कह रहा था, "मैं अभी आता हूँ। और सरकारी लड़कों को इसमें मत घसीटो, हम इसे खुद कर लेंगे।"
पार्कर ने एक सिगरेट जलाई और सोफे पर आगे की ओर खिसक गया ताकि जरूरत पड़ने पर वह तेजी से उठ सके।

यंगर ने फोन काट दिया और पार्कर की ओर मुड़ा। पार्कर फिर से भौंहें चढ़ाए हुए था और उलझन में दिख रहा था। "ठीक है," उसने कहा। "शायद तुम सही हो।"
“किस बारे में सही?”
"ऐसी बातें जो मुझे नहीं पता, ऐसी बातें जो मुझे पता लगानी होंगी।"
पार्कर उसे देखता रहा और सोचता रहा कि आखिर क्या हुआ था जिसने यंगर को इस तरह बदल दिया।

यंगर ने कहा, “अभी-अभी आपके साथी की बेरहमी से हत्या की गई लाश मिली है, ऐसा लगता है जैसे फावड़े से की गई हो।” उसने सिर हिलाया। “आपके होटल के कमरे में,” उसने कहा।
“मेरा कमरा?”
“मैं भी यही कहता हूँ।” यंगर ने अपने हाथ में पकड़ी बंदूक को ऐसे देखा जैसे उसने उसे पहले कभी देखा ही न हो। उसने सिर हिलाया और बंदूक को अपने कोट के अंदर रख लिया। “चलो, उससे मिलने चलते हैं।”

2

कमरा कानून से भरा हुआ था। जाहिर तौर पर यंगर की पुलिस में से किसी ने राज्य पुलिस को आमंत्रित किया था; कैमरे, चाक, पाउडर, नोटबुक और छोटे सफेद लिफाफों से लैस तकनीकी कर्मियों का वह समूह इतना पेशेवर, इतना सुव्यवस्थित, इतना शांत और इतना कुशल लग रहा था कि वे स्थानीय कानून का हिस्सा नहीं हो सकते थे।
स्थानीय कानून के तहत तीन गोल-मटोल चेहरे वाले खेत मजदूर थे, जिन्होंने नीली वर्दी पहन रखी थी और वे कमरे में इधर-उधर खड़े होकर यातायात को निर्देशित करने के लिए देख रहे थे।
पार्कर दरवाजे के पास खड़ा देखता रहा। जब वे अंदर आए थे, यंगर ने काम पर लगे पेशेवरों को देखा, मन ही मन कुछ बड़बड़ाया और पार्कर से कहा, "तुम यहीं रुको। किसी से बात मत करना।" अब वह कमरे के दूसरी तरफ उस आदमी से बात कर रहा था जो सरकारी अधिकारियों का प्रभारी होना चाहिए: एक लंबा, सीधा, मजबूत दिखने वाला आदमी जिसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे और चेहरा किसी प्रोफेसर जैसा था।
पार्कर देखता और इंतज़ार करता रहा। जहाँ वह खड़ा था, वहाँ से उसे बिस्तर के बगल में ज़मीन पर टिफ़्टस दिखाई दे रहा था। उसकी हालत देखने में अच्छी नहीं थी। उसका चेहरा दूसरी तरफ़ मुड़ा हुआ था, इसलिए फावड़े—या जो भी उस आदमी ने इस्तेमाल किया था—ने उसके सिर के पिछले हिस्से पर वार किया, जिससे उसकी खोपड़ी अंडे के छिलके की तरह चकनाचूर हो गई। वह मुँह के बल गिरा, खून और बाल आपस में मिलकर उसके सिर के पिछले हिस्से पर एक छोटी सी छत बना दी, और उसकी मौत हो गई।
अब तकनीशियन उसके चारों ओर इस तरह काम कर रहे थे मानो वे उसे अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहे हों।
कमरे के दूसरी ओर, यंगर खुश नहीं था। वह बहस करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसकी जीत नहीं हो रही थी। राजनेता विनम्र लेकिन दृढ़ था, और पार्कर समझ गया था कि यंगर के जीतने की कोई उम्मीद नहीं थी।
कुछ देर बाद यंगर ने भी इसे देखा और हार मान ली। वह पार्कर के पास वापस आया और बोला, "हमें बात करनी होगी।"

"क र ते हैं?"
हॉल में बाहर।
पार्कर जानता था कि यह एक मूर्खतापूर्ण कदम था, लेकिन इस समय यंगर की ही पार्टी थी। वह यंगर के पीछे-पीछे हॉल तक गया, और पूरे रास्ते उसे महसूस होता रहा कि राजनेता की निगाहें उस पर टिकी हुई हैं।
हॉल में, दरवाजे से थोड़ी दूर पर, यंगर मुड़ा और दीवार के पास खड़े होकर बोला, "तुम पर उसकी हत्या का कोई आरोप नहीं है।"
"और?"
यंगर ने कहा, "मेरे साथ, मुझे पता है कि आप पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्हें नहीं पता।"
"क्यों नहीं?"
यंगर को इस बातचीत से कुछ हद तक संतुष्टि मिल रही थी, क्योंकि वह राजनेता से मिली हार का बदला ले रहा था। उसने थोड़ा समय लिया। “उन्हें पता है कि उसकी हत्या कब हुई। आधे घंटे के भीतर ही उन्हें पता चल गया। मैं उस समय आपके साथ था। मैं आपका अलबी हूँ।”
पार्कर ने कहा, "और मैं तुम्हारा हूँ।"
यंगर हैरान रह गया। "मेरा? मुझे किसी बहाने की क्या ज़रूरत है?"
"आप कुछ ढूंढ रहे हैं, और टिफ्टस भी कुछ ढूंढ रही थी।"
और तुम भी, भगवान की कसम!
पार्कर ने कंधे उचका दिए।
यंगर ने कहा, “हमारे पास ज्यादा समय नहीं है, विलिस, इसे फालतू की बातों में बर्बाद मत करो। मैं तुम्हारा गवाह हूँ, यही बात है, अगर मैं चाहूँ तो तुम्हारा गवाह बन सकता हूँ। अगर मैं नहीं बनना चाहता, तो फिर तुम गए काम से।”
आपने अभी तक कुछ नहीं कहा?
“बिल्कुल नहीं। रेगन, जिससे मैं बात कर रहा था, वह आपसे कुछ सवाल पूछना चाहता है।”
"क्यों?"
"क्योंकि यह तुम्हारा कमरा है। क्योंकि तुम यहाँ अजनबी हो और वह आदमी भी, और क्योंकि तुम दोनों एक दूसरे को जानते थे।"
पार्कर ने सिर हिलाया। "तो आप सौदा करना चाहते हैं?"

यंगर ने उससे कहा, "साझेदारी। पचास-पचास का बंटवारा, पूरी तरह से।"
मुझे नहीं पता कि सामान कहां है।
“तो हम दोनों मिलकर इसकी तलाश करेंगे, हम एक टीम बनाएंगे।” यंगर ने उस कमरे की ओर अंगूठा करके इशारा किया जहाँ से वे अभी निकले थे। “किसी ने उसे मारा है,” उसने कहा। “न तो तुमने और न ही मैंने। तो इसमें कोई और भी शामिल है। हमें अपने भले के लिए एक साथ रहना होगा।”
अब सबसे अच्छा यही था कि यंगर के साथ आगे बढ़ा जाए और बढ़त हासिल करने का मौका तलाशा जाए। पार्कर ने कहा, "यह सौदा पक्का है।"
यंगर राहत महसूस कर रहा था। उसने कहा, "यह अच्छी बात है। हमें अभी रीगन को आपसे बात करने देना है, लेकिन चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ ही रहूंगा।"
पार्कर चिंतित नहीं था। उसने कहा, "उसके बाद, मैं होटल से बाहर निकलना चाहता हूँ।"
यंगर को अचानक शक हुआ। "क्यों? तुम कहाँ जाना चाहते हो?"
"वापस जो के घर चलते हैं।"
"हम साथ मिलकर देखते हैं, विलिस।"
“देखना नहीं, जीना। ठहरना।”
"क्यों?"
"वहां कोई पुलिस नहीं है।"
यंगर ने कहा, "आप छुट्टी लेने की सोच तो नहीं रहे हैं, है ना?"
और ये सब तुम्हारे लिए छोड़ दूं?
यह कहना सही था। यंगर ने सिर हिलाया और कहा, "ठीक है, तो हम साथ वापस चलते हैं। मैं तुम्हें एक बात बता दूं, मुझे नहीं लगता कि वह घर में है। मैंने उस घर की पूरी तलाशी ली है, और मुझे नहीं लगता कि वह वहाँ है। मैंने तहखाने में खुदाई नहीं की, लेकिन मैंने वहाँ चारों ओर देखा और मुझे खुदाई का कोई निशान नहीं मिला, जबकि अगर मिलता तो ज़रूर मिलता। उस बूढ़े कमीने ने उसे अच्छी तरह छिपा दिया है।" यंगर ने सिर हिलाया और फिर मुस्कुराया। "लेकिन हम उसे ढूंढ लेंगे, है ना?"
"ज़रूर।"
यह सोचकर यंगर को खुशी हुई। "चलो," उसने कहा। "चलिए रीगन से बात करते हैं।"

3

डेस्क के सामने बैठे पार्कर सिगरेट पीते हुए रीगन के वापस आने का इंतजार कर रहे थे। उनके पीछे यंगर सिगार पीते हुए और खुद से कुछ बुदबुदाते हुए इधर-उधर टहल रहे थे।
वे होटल मैनेजर के दफ्तर में थे; रीगन ने अपने इंटरव्यू के लिए उस दफ्तर पर कब्ज़ा कर लिया था। उसने पार्कर के कमरे से मैनेजर को फोन किया और फिर पार्कर और यंगर को लिफ्ट से नीचे ले गया। यह साफ़ था कि यंगर से उसकी कोई ज़रूरत नहीं थी; उसने यंगर के साथ एक ऐसे पेशेवर की तरह रूखा और विनम्र तिरस्कारपूर्ण व्यवहार किया, जिसे उसी पेशे में किसी अयोग्य व्यक्ति से निपटना पड़ रहा हो। यह भी स्पष्ट था कि वह अभी तक पार्कर के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त नहीं था और उसके बारे में और जानने का इंतज़ार कर रहा था। मैनेजर के दफ्तर में पहुँचते ही रीगन को कुछ और काम याद आया, इसलिए उसने बहाना बनाकर यंगर और पार्कर को अकेला छोड़ दिया। पार्कर ने यंगर से कहा, "क्या यहाँ जासूसी के उपकरण लगे हो सकते हैं?"
“क्या? बिलकुल नहीं।”
पार्कर ने सिर हिलाया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि रीगन क्या कर रही है। उसे पता होना चाहिए था कि पार्कर और यंगर हॉल में पहले ही बात कर चुके थे, और उसे यह भी पता होना चाहिए था कि वे दोनों कमरे में एक साथ आए थे। तो आखिर रीगन क्या कर रही थी?
अगर पार्कर को विकल्प दिया जाता, तो वह यंगर के खिलाफ रीगन का साथ देता, न कि इसके उलट। अगर उसे विकल्प दिया जाता, तो वह यंगर की जगह लगभग किसी को भी अपना साथी चुन लेता; यहाँ तक कि टिफ्टस को भी। लेकिन उसके पास कोई विकल्प नहीं था, इसलिए उसे जो कुछ भी उपलब्ध था, उसी से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ा।
उन्होंने कहा, “जब वह मुझसे सवाल पूछ रहा हो तो ज्यादा मत बोलना। मुझे खुद ही जवाब देने दो।”
“आपको मेरे बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है,” यंगर ने कहा। वह नाराज था।

“हां, मैं करता हूं। जब तक रीगन आपसे कोई सीधा सवाल न पूछे, तब तक आप बात नहीं करते, और फिर आपको बस उसका जवाब देना होता है।”
“मैं अपना ख्याल रख लूंगा, विलिस। तुम बस अपना ख्याल रखो।” यंगर बहुत गुस्से में था। वह इधर-उधर घूम रहा था और चारों तरफ सिगार का धुआं उड़ा रहा था।
पार्कर रुक गया। वह नहीं चाहता था कि यंगर जानबूझकर गड़बड़ करे, और अगर उसे बहुत ज़्यादा उकसाया गया तो वह ऐसा करने के लिए काफी बेवकूफ था। आखिरकार रीगन वापस अंदर आया और बोला, "आपको इंतजार कराने के लिए क्षमा करें, श्रीमान विलिस। विलिस, है ना?"
“जी हां, विलिस। चार्ल्स विलिस।”
“ज़रूर। एबनर, बैठ जाओ ना?” रीगन मैनेजर की डेस्क के पीछे गया और वहाँ ऐसे बैठ गया जैसे कोई अपना काम निपटाने जा रहा हो। “क्या मैं आपको कोई पहचान पत्र दिखा सकता हूँ, मिस्टर विलिस? बस जानकारी के लिए।”
पार्कर ने अपना बटुआ निकाला और उसे खोलकर मेज पर रख दिया। "इसमें सब कुछ है," उसने कहा। "इसे खोलकर देख लो।"
“अरे, धन्यवाद, इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी।” रीगन ने बटुए की ओर देखकर हल्की सी मुस्कान बिखेरी और यंगर से कहा, “मेरी एक स्टेनोग्राफर आ रही है, इसलिए आपको अपनी स्टेनोग्राफर को बुलाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। मैं आपको एक प्रति भेज दूंगी।”
पार्कर ने यंगर की ओर देखा और पाया कि यंगर ने स्टेनोग्राफर के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचा था, रीगन ने तो बस यंगर का अपमान करने की कोशिश की थी, और यंगर को वह अपमान सीधे तौर पर महसूस हुआ था। लेकिन यंगर ने कुछ नहीं कहा, एक शब्द भी नहीं।
रीगन ने पार्कर की ओर मुड़कर कहा, "जैसा कि मुझे पता है, आप और श्री टिफ्टस एक साथ व्यापार करते थे।"
पार्कर ने सिर हिलाया। "मैं नहीं। आप गलत समझ रहे हैं।"
“क्या मैं जानता हूँ?” रीगन ने हाथ बढ़ाकर पार्कर के बटुए को लापरवाही से थपथपाया, जैसे कोई और आदमी कुछ भी बना रहा हो। “मुझे यही समझ आया था,” उसने कहा। “तो आप श्री टिफ्टस को किसी और तरह से जानते थे?”
मैं उनसे पहले मिल चुका था।
"हाँ बिल्कुल।"

"मियामी में, डॉग ट्रैक पर। उसके पास कुछ कुत्ते थे।"
“अरे, वो तो रेसिंग में थे। और क्या आप भी रेसिंग में हैं, मिस्टर विलिस?”
नहीं, मैं व्यापार में हूँ।
“व्यापार? क्या मैं पूछ सकता हूँ कि कौन सा व्यापार?”

“कई तरह के कारोबार। रियल एस्टेट, पार्किंग स्थल, लॉन्ड्री, देश भर में इधर-उधर।” पार्कर ने बटुए की ओर इशारा करते हुए कहा, “इनमें से कुछ के कागजात भी हैं।”
लेकिन रीगन ने बटुए पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, "तो फिर आप और श्री टिफ्टस यहाँ साथ नहीं आए थे।"
"नहीं।"
"महज एक संयोग था कि आप दोनों की मुलाकात यहाँ दोबारा हो गई।"
पार्कर ने सिर हिलाया। "नहीं, ऐसा नहीं था।"
रीगन हैरान लग रही थी। "यह महज़ संयोग नहीं था? मतलब, तुमने यहाँ मिलने की योजना बनाई थी?"
“नहीं। मुझे बिल्कुल भी नहीं पता था कि मैं उसे यहाँ देखूंगा। लेकिन मैं जो शार्डिन के अंतिम संस्कार के लिए यहाँ आया था, और मुझे लगता है कि टिफ्टस भी आई थी। जब आप किसी ऐसे व्यक्ति के अंतिम संस्कार में किसी से मिलते हैं जिसे आप दोनों जानते थे, तो यह संयोग नहीं होता।”
रीगन ने अपना सिर घुमाया और यंगर की ओर देखा। "शार्दिन?"
“सेवानिवृत्त व्यक्ति,” यंगर ने उसे बताया। “कुछ दिन पहले ही उनका निधन हो गया, आज सुबह ही उन्हें दफनाया गया।”
"देशी?"
मैं यहाँ लगभग पाँच साल से रह रहा हूँ।
रीगन ने अपना ध्यान वापस पार्कर की ओर लगाया। "तो आप दोनों इस आदमी शार्डिन के अंतिम संस्कार के लिए यहां आए हैं?"
मैं कुछ कह नहीं सकता। मुझे पता है मैंने किया था, और मुझे लगता है उसने भी किया होगा, लेकिन मुझे उसके बारे में पक्का पता नहीं है।
“और उसकी हत्या के बारे में? क्या आपके पास इस बारे में कोई जानकारी है?” पार्कर ने अपना सिर हिलाया।

रीगन ने सिर हिलाया, मुस्कुराया और कहा, "ठीक है, हमें ज़्यादा समय नहीं लगेगा। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद, श्रीमान विलिस।" उन्होंने फिर सिर हिलाया और कहा, "मैं उलझन में हूँ। उसकी हत्या आपके कमरे में हुई थी। क्या आपने उसे अपने कमरे में रहने की अनुमति दी थी?"
"नहीं।"
"अच्छा, क्या आपको कोई अंदाजा है कि वह वहां क्या कर रहा होगा?"
"हो सकता है वह कुछ चुराने की तलाश में हो।"
इस बार रीगन हैरान था; उसने पार्कर को जो घूरकर देखा, वह बनावटी नहीं था। उसने कहा, "चोरी? तुम्हारा मतलब है कि मिस्टर टिफ्टस चोर थे?"
मैं यह बात पक्के तौर पर नहीं कह सकता। मैंने मियामी के आसपास अफवाहें सुनी हैं।
“मैं समझ गया। तो फिर आप क्या कहेंगे…”
दरवाजा खुला और दो पुलिसवाले अंदर आए, उनके साथ टिफ्टस की पत्नी रोंडा भी थी। रीगन ने चिढ़कर ऊपर देखा, और एक पुलिसवाले ने कुछ कहना शुरू किया, तभी रोंडा ने पार्कर को देखते ही चीख कर कहा, “यही है! इसी कमीने ने मेरे पति को मारा है! यही है वो जो सामने खड़ा है!”
पार्कर ने उसकी तरफ देखा, और अब उसे समझ आ गया था कि रीगन किसलिए गई थी: यह सब करने के लिए। उसने रीगन की तरफ देखा कि अब आगे क्या होने वाला है। रीगन पूरी तरह से आक्रामक रवैया अपना रहा था। वह खड़ा हुआ और पुलिसवालों को घूरते हुए बोला, "क्या तुम्हें इस तरह अंदर घुसने की औकात नहीं पता? मैंने तुम लोगों को बाहर इंतज़ार करने को कहा था।"

महिला लगातार चिल्ला रही थी: "यही है! यही है!"
रीगन ने कहा, "इसे यहाँ से बाहर निकालो। तुम दोनों को क्या हुआ है?"
पुलिस ने भी अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाई। उन्हें शर्मिंदगी दिखानी चाहिए थी या माफी मांगने की कोशिश करनी चाहिए थी। इसके बजाय, उन्होंने महिला को वापस घुमाकर बाहर निकाल दिया। दरवाजा बंद होने तक वह चिल्लाती रही।
रीगन ने कहा, "मुझे इसके लिए खेद है।"

जरूरत पड़ने पर पार्कर खुलकर भी जवाब दे सकता था। उसने कहा, "क्या मैं संदिग्ध हूँ? मुझे इसका एहसास नहीं था।"
नहीं, श्रीमान विलिस, मैं आपको संदिग्ध नहीं कहूंगा। हम हर चीज़ की जांच कर रहे हैं, यह तो हमारा काम है। वैसे, क्या आपको कोई आपत्ति है? मैं दखलंदाजी नहीं करना चाहता, लेकिन आपका चेहरा...
पार्कर ने अपने चेहरे के उस हिस्से को छुआ जहाँ फावड़ा लगा था। छूने पर वह जगह अभी भी संवेदनशील थी। "मैं सीढ़ियों से गिर गया था," उसने कहा। "तहखाने की सीढ़ियों से।"
मुझे यह सुनकर दुख हुआ। क्या यह हाल ही में हुआ था?
"आज दोपहर।"
“क्या सच में? क्या आपने इसके लिए डॉक्टर से सलाह ली थी?”
“जी हां। डॉ. रेबोर्न यहीं के रहने वाले हैं।”
रीगन ने यंगर की ओर मुड़कर फिर कहा, "क्या आप डॉ. रेबोर्न को जानते हैं?" मुझे ही उसके लिए भेजा गया है।
रीगन एक बार फिर हैरान रह गया, लेकिन इस बार उसने इसे बेहतर तरीके से संभाला। उसने कहा, "क्या तुम वहाँ थे?"
"जब यह घटना हुई तब मैं और विलिस जो शार्डीन के घर में थे।"

“मैं समझ गया। क्या यह आदमी टिफ्टस आपके साथ था?”
“टिफ्टस?” यंगर ने नाम सुनते ही अविश्वास का भाव व्यक्त किया। “वह हमारे साथ क्या कर रहा होगा?”
मुझे लगा था कि आप सभी शार्दिन को जानते हैं।
पार्कर ने बीच में टोकते हुए कहा, "मुझे कप्तान के बारे में तो नहीं पता, लेकिन मैं टिफ्टस के साथ बिल्कुल नहीं था। वह आज सुबह मेरे कमरे में आया था, लेकिन मैंने उस पर समय बर्बाद नहीं किया और वह चला गया।"
"क्या वह आखिरी बार था जब आपने उसे देखा था?"
“कुछ देर बाद मैंने उसे सड़क पर देखा। हमने बस एक-दूसरे को नमस्कार किया।”
“मैं समझ गया। उस युवती को लगता है कि श्री टिफ्टस की हत्या करने का आपके पास कोई कारण रहा होगा। वह ऐसा क्यों सोचती है, क्या आप जानते हैं?” "नहीं।"

रीगन इंतज़ार करता रहा, लेकिन पार्कर के पास कहने के लिए कुछ और नहीं था। एक तरफ, यंगर बेचैनी से हिल रहा था जैसे कुछ बोलना चाहता हो, लेकिन उसने समझदारी दिखाते हुए चुप रहना ही बेहतर समझा। आखिरकार, रीगन ने कहा, "ठीक है, मुझे लगता है कि जब मैं उसकी कहानी सुनूंगा तब पता चल जाएगा।" उसने फिर से यंगर की ओर देखा और कहा, "क्या आप श्री विलिस को लंबे समय से जानते हैं?" “कुछ साल पहले,” यंगर ने कहा। “एक बार जब विलिस दौरे पर आए थे, तब जो शार्डिन ने हमारा परिचय कराया था।”
“ठीक है।” रीगन ने डेस्क पर रखे पार्कर के बटुए पर अपनी उंगलियाँ थपथपाईं। “अच्छा,” उसने कहा, “मुझे लगता है कि अभी के लिए इतना ही काफी है, श्रीमान विलिस। अगर मुझे बाद में आपसे फिर बात करनी हो, तो आप यहीं होंगे, है ना? आप अभी तुरंत मियामी जाने की योजना तो नहीं बना रहे थे?”

नहीं। मैं वैसे भी एक-दो दिन यहीं रहूंगा।
“कोई बात नहीं। आपके सहयोग के लिए एक बार फिर धन्यवाद।”
पार्कर उठ खड़ा हुआ और मेज से बटुआ उठाया। उसने कहा, “मैं अब इस होटल में नहीं रुकूंगा। अगर आपको मेरी ज़रूरत हो, तो आप जो शार्डिन के घर पर मुझसे संपर्क कर सकते हैं। कप्तान के पास पता है।”
“ठीक है। आपसे मिलकर अच्छा लगा, श्रीमान विलिस।” यह कहते हुए वह मुस्कुराया, विनम्र और दोस्ताना, लेकिन उसकी निगाहें पार्कर को पेशेवर जिज्ञासा से देख रही थीं, और वह खड़ा नहीं हुआ, न ही उसने हाथ मिलाने की पेशकश की। जिस तरह पार्कर को रीगन में कानून की बू आ रही थी, उसी तरह रीगन को भी पार्कर में अपराधी की बू आ रही थी। उसने अभी तक पार्कर और यंगर के बीच का संबंध नहीं समझा था, न ही यह कि टिफ्टस की हत्या में उन दोनों का कोई हाथ था या नहीं, लेकिन वह जानता था कि कुछ गड़बड़ है, और वह उस तरह का पुलिसवाला लग रहा था जो तब तक डटा रहेगा जब तक उसे वह पता न चल जाए जो वह जानना चाहता है।
यंगर भी खड़ा हो गया, लेकिन रीगन ने उससे कहा, "बाकी पूछताछ के लिए क्यों नहीं रुकते, एबनर? तुम स्थानीय जानकारी वगैरह की जाँच करने में मेरी मदद कर सकते हो, देखो मैं झूठे सुरागों पर ज्यादा समय बर्बाद नहीं करता।"

यंगर को यह पसंद नहीं आया, लेकिन उसके पास कोई विकल्प नहीं था। उदास होकर वह फिर से बैठ गया और संदेह भरी निगाहों से पार्कर को दफ्तर से बाहर जाते हुए देखता रहा।
अगला कमरा एक छोटा कार्यालय था, जिसमें आमतौर पर प्रबंधक की सचिव बैठती थी। टिफ्टस की महिला उस समय दो पुलिसकर्मियों के साथ वहीं थी। पार्कर उसके पास गया और बोला, "मैंने तुम्हारे आदमी को नहीं मारा। जब यह घटना हुई, मैं उस मोटे पुलिसवाले के साथ था। मैं निर्दोष हूँ।"
पुलिसवाले भावहीन होकर देखते रहे। महिला ने पार्कर के चेहरे को गौर से देखा और कहा, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा। यहाँ और कौन होगा जो उसे चोट पहुँचाएगा?"
पार्कर ने अपना चेहरा छुआ। "इसी ने किया है। उसी औजार से।"
एक पुलिसकर्मी ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि आप दोनों को बात करनी चाहिए।" “मैं जो शार्डिन के घर पर रहूंगा,” पार्कर ने पुलिसवाले की बात अनसुनी करते हुए कहा। “जब तुम्हारा काम खत्म हो जाए, तो तुम भी आ जाना।”
"इससे पहले आप क्या करते थे?"
पार्कर समझ गया कि उसका क्या मतलब था; उसने खुद कानून को कितना बताया था? उसने कहा, "मैंने पहले बस इतना किया था कि जब तुम्हारा आदमी मेरे कमरे में आया तो मैंने उसे चले जाने को कहा था। मैंने तुम्हें उसके साथ लॉबी में देखा था जब उसने चेक-इन किया था, इसलिए मुझे पता चला कि तुम कौन हो।"
उसने संशय से सिर हिलाया। "मुझे आपके बारे में पक्का पता नहीं है," उसने कहा। "मैंने अभी तक आपके बारे में कोई राय नहीं बनाई है।"
पुलिसवाले ने कहा, "मुझे लगता है कि तुम दोनों को अब रुक जाना चाहिए।" पार्कर ने उसकी ओर देखा। "तुम रीगन के लिए काम करते हो या यंगर के लिए?" “युवा। हम इस महिला को रीगन के लिए हिरासत में ले रहे हैं, लेकिन हम शहर के अधिकारी हैं।”
"रीगन को यह बताने से पहले कि मैं यहाँ उस महिला से बात करने के लिए रुका था, यंगर से पूछ लेना बेहतर होगा।"
पुलिसवाले ने भौंहें चढ़ा लीं। "ऐसा क्यों?"
"तुम जानते हो कि यंगर रीगन के बारे में क्या सोचता है," पार्कर ने कहा, क्योंकि यह बात गुप्त नहीं रह सकती थी। "यंगर इस बार जो जानता है उसे अपने तक ही रखना चाहता है।"

पुलिसवाले ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं उससे पूछ लेता हूँ।"
“अच्छा है।” पार्कर ने महिला को सिर हिलाकर अभिवादन किया। “फिर मिलेंगे, रोंडा,” उसने कहा।
वह इस बात से हैरान लग रही थी कि उसे उसका नाम याद था।

4

पार्कर ने दरवाजा खोला और कहा, "अंदर आ जाओ, रोंडा।"
वह एक भोली-भाली औरत की तरह आक्रामक लहजे में अंदर आई, मानो उसे डर हो कि उसके साथ कुछ धोखा हो रहा है। उसने कहा, "तुम्हारा और उस कैप्टन यंगर का क्या चक्कर है? वो पुलिसवाला है, है ना?"
“हाँ, बिल्कुल।” उसने दरवाजा बंद किया और आगे-आगे चलते हुए बैठक कक्ष में चला गया। “बैठ जाओ।”
"मुझे पीने के लिए कुछ चाहिए।"
"रसोई घर में।"
"वाह, सचमुच एक सज्जन व्यक्ति।"
पार्कर ने उसकी ओर मुड़कर देखा। उसने कहा, "यंगर के आने से पहले हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।"
तो इससे मुझे क्या लेना-देना है?
पार्कर ने सिर हिलाया। वह अकड़ दिखाना चाहती थी, पर उसे ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसने कहा, "यहाँ चाहे जो भी परेशानी हो, टिफ़्टस का हिस्सा तो तुम्हें ही मिलेगा। क्या इसका तुम्हारे लिए कोई मतलब नहीं है?"
“मैं अंदर कैसे आ गई? मेरे आदमी को तो तुमने बाहर निकाल दिया, लेकिन मुझे अंदर आने दिया। ये क्या चल रहा है, विधवाओं के प्रति दयालुता दिखाने वाला सप्ताह है क्या?”
"तुम्हारा नाम टिफ्टस नहीं है।"
"भगवान का शुक्र है कि ऐसा नहीं है। मुझसे क्या चाहते हो, बदमाश? क्या तुम अब मेरे आदमी के जाने के बाद यहाँ रहने की सोच रहे हो?"
“नहीं,” पार्कर ने उससे कहा, और यह सच था। एक तो मियामी में उसकी एक प्रेमिका थी, और दूसरा वह काम कर रहा था। यह उसका रोज़ का काम नहीं था, लेकिन इसमें वैसी ही गंध थी, और काम करते समय उसके पास महिलाओं के लिए समय नहीं होता था। काम से पहले और बाद में, लेकिन काम के दौरान नहीं।
उसने अपना सिर झुकाया और उसे गौर से देखा, यह तय करने की कोशिश करते हुए कि वह सच कह रहा है या नहीं। अंत में उसने कंधे उचकाए और कहा, "ठीक है, मेरी

कामुकता का तो यही हाल है। तुम मुझे नग्न देख चुके हो, तो अब और नहीं देखना चाहते। अगर इतना काफी नहीं, तो क्या चाहते हो?"
मैं खेल के बारे में जानना चाहता हूँ।
"क्या?"
पार्कर ने कहा, “टिफ्टस यहाँ कुछ ढूंढने आई थी। यंगर भी उसे ढूंढ रहा है। जिसने भी टिफ्टस को मारा है, वह भी उसे ढूंढ रहा है। सबको लगता है कि मुझे पता है कि वह कहाँ है, लेकिन ऐसा नहीं है।”
"क्यों नहीं?"
मुझे नहीं पता कि यह क्या है।
उसने अपनी आँखें चौड़ी करके उसकी ओर देखा। "तुम नहीं जानते?"
"इसका कुछ संबंध जो शीर से है, लेकिन मुझे नहीं पता क्या।"
“जो शीर आखिर कौन है?”
पार्कर ने फर्श की ओर इशारा करते हुए कहा, "तुम उसके घर में हो।"

“मुझे लगा कि यह शारदिन है। फोन बुक में शारदिन का ही नाम था, इसी तरह मुझे वह जगह मिली।”
“उसने अपना नाम बदल लिया। सवाल यह है कि क्या टिफ्टस ने आपको बताया कि वह क्या ढूंढ रहा था?”
"ज़रूर।"
"क्या?"
"पैसा," उसने ऐसे कहा जैसे कि यह दुनिया की सबसे स्पष्ट बात हो।
“हाँ, लेकिन कैसे? नकद? गहने? किसी तरह का सामान?”
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। मुझे तो बस पैसे के बारे में ही पता है। उसने कहा था कि हम यहाँ सौ हज़ार या शायद उससे भी ज़्यादा कमाने आए हैं।"
पार्कर ने कहा, "जो शीर से? जो शार्डिन से?"
“तुमने मुझे पकड़ लिया, बदमाश। मुझे बस उतना ही पता है जितना मैंने तुम्हें बताया है।”
उन्होंने जो के बारे में कभी कुछ नहीं कहा।
“एक शब्द भी नहीं। उन्होंने तुम्हारे अलावा किसी और के बारे में कुछ नहीं कहा। जब हम लॉबी में गए तो उन्होंने तुम्हें देखा और कहा, ‘अरे, लाइन

में कोई और खड़ा है। मैं उसे जानता हूँ।’ और जैसे ही हमने चेक-इन किया, वह तुमसे मिलने चले गए।”
पार्कर ने सिर हिलाया। "जाओ, अपने लिए वो ड्रिंक बना लो," उसने कहा।
"तुम तो वाकई बहुत अच्छे खिलाड़ी हो," उसने कहा और रसोई में चली गई। पार्कर खिड़की के पास गया और बाहर देखा। वह किशोर लड़का फिर से बगल वाले घर के बरामदे में था, इधर देख रहा था। यह सब हलचल, लोगों का एक मृत व्यक्ति के घर में आना-जाना, कुछ समय बाद सभी पड़ोसियों का ध्यान आकर्षित करने वाला था। यह मामला अब और ज़्यादा देर तक नहीं खिंच सकता था।
लेकिन उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था। टिफ़्टस यहाँ एक लाख डॉलर की तलाश में आई थी, शायद उससे भी ज़्यादा, लेकिन अभी यह बताना नामुमकिन था कि वह एक लाख डॉलर किस रूप में थे। हो सकता है वह नकद हो, या गहने। यहाँ तक कि संग्रहालयों से चुराई गई कुछ पेंटिंग, कलाकृतियाँ, या किसी न किसी तरह के कीमती दस्तावेज़ भी हो सकते थे। एक लाख डॉलर कई रूपों में, कई रंगों में हो सकते थे।
उस महिला का क्या? हो सकता है कि उसी ने टिफ्टस को मारा हो, और हो सकता है कि उसे पूरी कहानी पता हो और वह इसे अपने तक ही सीमित रख रही हो।
लेकिन तहखाने में टिफ्टस नहीं थी, न ही वह औरत थी, और न ही यंगर था। कोई और भी शामिल था, जो मारने के लिए तैयार था, और मारने की हद से ज्यादा जल्दी में था।
यह किसी पेशेवर का काम नहीं लग रहा था। जिस तरह से वह तहखाने में फंसा और जिस तरह से वह वहां से निकला, दोनों ही बातें किसी अनुभवहीन नौसिखिए के कारनामे लग रही थीं। हत्या के मामले में भी यही बात लागू होती है; टिफ्टस को मारना न तो किसी समस्या का हल था और न ही कुछ साबित हुआ। टिफ्टस को मारकर उसने बस इतना किया कि आसपास के कई मील तक पुलिस को सतर्क कर दिया, जिससे उसके और बाकी सबके लिए मुश्किलें और बढ़ गईं।
तो वह कोई शौकिया व्यक्ति था, शायद कोई स्थानीय निवासी। डॉ. रेबोर्न? या ग्लिफ़, अंतिम संस्कार करने वाला? पार्कर को दोनों के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी, और न ही उसे पता था कि दोनों को कितनी जानकारी है। उसे उनके बारे में यंगर से बात करनी होगी।
इस बीच, करने के लिए और भी काम थे। वह खिड़की से दूर हटकर रसोई में चला गया। वहाँ वह महिला अलमारियों में कुछ खोज रही थी। पार्कर के आने पर वह

चौंक गई, फिर डर गई, और फिर मासूमियत दिखाने लगी। हालाँकि, उसका यह आखिरी भाव कुछ खास असरदार नहीं था।
पार्कर ने कहा, "मैं इसका ख्याल रखूंगा।"
उन्होंने कहा, "मैं स्विज़ल स्टिक्स ढूंढ रही थी।"
उन्होंने कहा, “तुम लिविंग रूम में जाकर बैठो, सामने नज़र रखो। जब यंगर आए, तो मुझे बता देना और फिर बिना उसकी नज़र में आए पीछे के रास्ते से निकल जाना। वापस होटल चले जाओ, मैं तुमसे संपर्क करूँगा।”
"तुम क्या करोगे, उस जगह की तलाशी लोगे?"
"स्विज़ल स्टिक ढूंढें।"
और मुझे विरासत में मिलेगा, है ना?
"यह सही है।"
हम्म। मैं इसे तभी मानूंगा जब इसे देख लूंगा।
लेकिन वह लिविंग रूम में चली गई, और पार्कर काम पर लग गया।

5

यंगर अंदर आया और बोला, "वह रेगन तो बिल्कुल सिरदर्द है। मैं उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराऊंगा, कसम से।"
“वह हमारे बारे में क्या सोचता है?” पार्कर ने उससे पूछा।
मुझे क्या फर्क पड़ता है? उस पूरे सिस्टम को मैं चला रहा हूँ, वो नहीं। “ज़रूर।” पार्कर ने दरवाजा बंद कर दिया।
यंगर ने कहा, "आपने उस सैमुअल्स नाम की महिला से क्या कहा?"
"कौन?"
“आपके पार्टनर की गर्लफ्रेंड, रोंडा सैमुअल्स। जब वह दूसरी बार अंदर आई तो एकदम चुप हो गई, कहने लगी कि सब गलती थी, आप किसी और की तरह दिख रहे थे, उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था। आपने उससे क्या कहा?”
“कुछ नहीं। चलो लिविंग रूम में आ जाओ।”
वे बैठक कक्ष में गए, और यंगर ने कहा, "मैं सोच रहा था।"
"हाँ?"

"जिस आदमी ने तुम्हारे साथी की हत्या की, वही वह आदमी है जिसने तुम्हें मारा, वही वह आदमी है जो तहखाने में खुदाई कर रहा था।"
इसका जवाब देना बहुत ही स्पष्ट था। पार्कर ने सिगरेट जलाई और सामने वाली खिड़की के पास चला गया। हैरोल्ड टीन बगल वाले घर के बरामदे से गायब हो चुका था।
यंगर ने कहा, "इसका मतलब है कि उसे वह नहीं मिला, समझे? अगर वह तहखाने में दबा होता और उसे मिल जाता, तो वह उसे लेकर भाग जाता, है ना? वह अभी तक यहाँ नहीं होता, वह तुम्हारे साथी की हत्या नहीं करता।"
पार्कर ने कहा, "अगर रीगन उस तक पहुँच गई तो क्या होगा?" खिड़की से बाहर देखते हुए उसने टिफ्टस की औरत को सामने वाले लॉन से होते हुए फुटपाथ पर जाते और दूर जाते देखा। उसने यह बेवकूफी भरे तरीके से किया था, लेकिन काम बन गया था; यंगर जहाँ बैठा था वहाँ से उसे देख नहीं पा रहा था।
यंगर ने कहा, “तुम्हारा मतलब है, मेरे करने से पहले? चिंता मत करो, विलिस, मैं अभी भी प्रभारी हूँ। रीगन चाहे जितना भी रौब जमाए, मैं उसे छूट देता

हूँ, लेकिन जब मुसीबत आती है तो मैं ही सब कुछ संभालता हूँ। अगर हत्यारा मिल गया, तो उसे तुरंत मेरे हवाले कर दिया जाएगा। मैं उसे अपनी ही किसी कोठरी में रखूँगा, तुम बिल्कुल भी चिंता मत करो।”
“उस डॉक्टर रेबोर्न और ग्लिफ के बारे में क्या?”
यंगर ने भौंहें चढ़ा लीं। "उनका क्या?"
“वे इसमें शामिल हैं। क्या पता उनमें से ही कोई एक हो, वही आदमी जिसने टिफ्टस को मारा हो?”
लेकिन यंगर ने सिर हिलाया। "न तो उन्हें, न ही उनमें से किसी को। उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता, विलिस।"
“वे इसमें पूरी तरह से लिप्त हैं। जब मैं ग्लिफ से मिलने गया था, तब उसने तुम्हें फोन किया था। तुमने रेबोर्न को फोन करके मुझे अपने घर पर रुकवाया था।”

उन्हें पैसों के बारे में कुछ भी पता नहीं है।
यंगर आत्मविश्वास से भरा हुआ लग रहा था, वैसे तो वह हमेशा से ही आत्मविश्वास से भरा रहता था। पार्कर ने कहा, "उनकी जाँच करो। पता लगाओ कि जब इस घर में मेरी पिटाई हुई थी और जब टिफ्टस की हत्या हुई थी, तब वे कहाँ थे।"
यंगर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ठीक है, मैं कर दूंगा, लेकिन यह उनमें से कोई भी नहीं है, मैं इसकी गारंटी देता हूं।"
“ठीक है। चलिए काम की बात करते हैं।” पार्कर पास जाकर एक कुर्सी पर बैठ गया। अब पूरी बात जानने का समय था। उसने कहा, “तुम्हें क्या लगता है कि यह कहाँ छिपा है? घर में?” वह पहले से ही जानता था कि यह घर में नहीं है; यंगर का इंतज़ार करते हुए उसने दिन में पहले शुरू की गई खोज पूरी कर ली थी। उसने तहखाने में देखा और उसे आधे खोदे हुए गड्ढे के अलावा कुछ नहीं मिला, फिर उसने अटारी की तलाशी ली, जो गर्म, गंदी, नीची छत वाली और लगभग खाली थी। ऐसा लग रहा था मानो जो खुद कभी वहाँ गया ही न हो, लेकिन पार्कर ने फिर भी वहाँ जाकर देखा और उसे धूल के अलावा कुछ नहीं मिला।
फिर भी, उसने यंगर को यह सुझाव दिया, ताकि वह अपनी अज्ञानता को और पुख्ता कर सके, और यंगर ने उसे पलटकर जवाब दिया: "यहाँ नहीं," उसने कहा। "मेरी बात

मानो, विलिस, इस घर में पैसा नहीं है। उस बूढ़े कमीने ने यहाँ सिर्फ आटे के डिब्बे में एक हज़ार डॉलर रखे थे, और वह मुझे पहले ही मिल चुके हैं।" पार्कर ने अपनी हैरानी छुपाते हुए कहा, "तुम्हें यह कैसे मिला?"
“चिंता मत करो, विलिस, मैं उतना बेवकूफ नहीं हूँ जितना तुम सोचते हो। और न ही उतना जितना जो शीर सोचता था। मुझे सब पता है।”

“हाँ। तो आपको लगता है कि अभी भी एक लाख कहीं न कहीं छिपे हुए हैं, लेकिन यहाँ नहीं…”
“एक लाख? ये तो बहुत कम है, विलिस, इतना कम कि हंसी आती है। तुम्हें उतना ज्ञान नहीं है जितना तुम समझते हो।”
“अगर मैं नहीं करता/करती तो कितना?”
“छिपाकर रखा है?” यंगर सोफे पर आगे की ओर झुकते हुए, गोपनीय अंदाज में फुसफुसाते हुए बोले, “मेरे हिसाब से तो यह कम से कम पांच लाख होगा। शायद इससे भी ज्यादा।”
पार्कर ने उसकी तरफ देखा। आधा मिलियन डॉलर, वो भी नकद? एक तो जो शीर के पास अपनी पूरी ज़िंदगी में कभी आधा मिलियन डॉलर नहीं थे, और अगर कभी उसके पास इतने पैसे होते भी तो वो उन्हें कहीं छिपाकर नहीं रखता। पैसे से और भी बेहतर काम किए जा सकते थे, जो ज़्यादा सुरक्षित और उपयोगी थे।
यह सब एक कोरी कल्पना ही होनी चाहिए थी। टिफ्टस, यंगर, और तीसरा आदमी, चाहे वह कोई भी हो, सब एक ही लक्ष्य के पीछे पड़े थे। टिफ्टस काफी मूर्ख थी, यंगर काफी लालची था, और तीसरा आदमी काफी अनुभवहीन था।
अगर यह सारी परेशानी किसी सोने से पहले सुनाई जाने वाली कहानी से निकल रही थी, तो यह बहुत ज्यादा थी।
पार्कर ने अपना सिर हिलाया; उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा था। उसे पक्का जानना था। उसने कहा, "यंगर, मुझे साफ-साफ बताओ। मुझे दिखाओ कि यह सब मिलाकर इतना बड़ा आंकड़ा कैसे बनता है।"
“खैर, ये तो स्वाभाविक ही था,” यंगर ने उसे ऐसे कहा जैसे कोई व्यक्ति अपने धर्म के बारे में समझा रहा हो। “यह तो स्वाभाविक ही था, बस। ऐसा होना ही था। ऐसा होना ही था।”
"मुझे दिखाओ।"

“□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□” □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□, “□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□”

"□□□ □□□□□ □□□□"

“□□□□□, □□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□”

□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□, □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□-□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□, "□□□ □□ □□ □□□□□"

□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□, □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□, □□ □□□□ □□□□ □□, □□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□ □□□ □□ □□□, □□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□...

1915 Louisville	12,000
1915 Sacramento	14,500
1916 Troy, N.Y.	9,000

□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□, □□ □□□□-□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□, □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□: 1,876,000□

□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□, □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□; □□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□, □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□?

□□□□ □□ □□□ □□, “□□□□, □□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□, 1915 □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□, □□ □□□□□ □□, □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□, □□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□, □□□□? □□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□, □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□ □□? □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□”

□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□; □□ □□□□□□□□ □□□□□□ "□□□ □□□□?" □□□□ □□□□

“सरल गणित,” यंगर ने उससे कहा। “बस साधारण गणना, और कुछ नहीं।”
"मुझे दिखाओ।"
यंगर के हाथ दूसरे पन्ने पर थे। उसने कहा, "जैसे, आपको क्या लगता है कि वह एक साल में कितना खर्च करता होगा? उसने खूब पैसा कमाया होगा, है ना, लेकिन आपको क्या लगता है कि वह कितना खर्च करता होगा? उसे सावधान रहना पड़ता था, ज्यादा ध्यान आकर्षित नहीं करना पड़ता था ताकि लोग यह न सोचें कि उसका पैसा कहां से आया, तो आपको क्या लगता है? पच्चीस हजार सालाना? शायद उतना भी नहीं।"
"शायद इससे भी ज्यादा," पार्कर ने उससे कहा।
लेकिन यंगर ने अपना सिर हिलाया, मानो अपनी बात पर अडिग हो। “किस पर?” वह जानना चाहता था। “एक साल में पच्चीस हज़ार डॉलर से ज़्यादा कोई कैसे खर्च कर सकता है? यह नामुमकिन है। जब तक आप पहले से ही करोड़पति न हों, तब तक सबको पता होता है कि आपको चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। लेकिन जो शीर जैसा कोई? वह इतना खर्च करने की हिम्मत नहीं करेगा। पच्चीस हज़ार डॉलर सालाना बहुत ज़्यादा है। विलिस, मेरी बात मानो।”
पार्कर को उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ। वह खुद सालाना पच्चीस हज़ार डॉलर से ज़्यादा खर्च करता था, और जो भी अपनी ज़िंदगी के ज़्यादातर समय तक ऐसा ही करता रहा था। लेकिन यंगर की स्थिति अलग थी; उसने कभी भी एक साल में पच्चीस हज़ार डॉलर अकेले खर्च नहीं किए थे, इसलिए वह समझ ही नहीं पा रहा था कि पैसे से क्या किया जा सकता है।
यंगर ने दूसरे पन्ने से अपने हाथ हटा लिए। "ठीक है," उसने कहा। "ये रहे आंकड़े।"
इस दूसरे पन्ने पर और भी संख्याएँ थीं, लेकिन पार्कर की नज़र उन पर नहीं पड़ी। संख्याओं के अलावा, कागज़ के दाहिनी ओर नामों की एक सूची बिखरी हुई थी। लूमिस, मैके, पार्कर, लिटिलफील्ड, क्लिंगर... तीस या उससे अधिक नामों की एक लंबी सूची, ये सभी वे लोग थे जिनके साथ जो शीर ने कभी न कभी काम किया था। लेकिन जो की लिखावट में नहीं। नामों की सूची और पृष्ठ के दूसरी ओर लिखे आंकड़े, सभी पहली शीट पर लिखे कुल योग की लिखावट में ही लिखे गए थे।
यंगर ने ऊपर देखा, अपनी घमंडी मुस्कान के साथ नामों की सूची पर उंगली से टैप करते हुए बोला, "देखा वह? अगर तुम्हारा नाम भी उसमें हो तो मुझे ज़रा

भी हैरानी नहीं होगी। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी विलिस नाम पर विश्वास किया था।"
पार्कर ने उसकी ओर देखा, और पहली बार उसे निश्चित रूप से एक मृत व्यक्ति के रूप में देखा। "चलो अब आगे बढ़ते हैं," उसने कहा।
यंगर की मुस्कान फीकी पड़ गई। पार्कर को देखते हुए, उसकी आँखों में थोड़ी अनिश्चितता झलकने लगी। उसने अपना सिर नीचे किया, गला साफ किया और कागज़ पर थपथपाते हुए कहा, "बस यही है, यहीं।" "बाकी सब बातों को भूल जाओ, उनका कोई महत्व नहीं है। महत्वपूर्ण यही है।"
पार्कर ने इंतजार किया।

अपनी उंगलियों से संख्याओं को गिनते हुए यंगर ने कहा, “शीयर ने एक मिलियन आठ सौ छिहत्तर हज़ार डॉलर कमाए, है ना? तैंतालीस साल में। अब, मान लीजिए कि उसने हर साल पच्चीस हज़ार डॉलर खर्च किए, तैंतालीस साल में, तो यह एक मिलियन पचहत्तर हज़ार डॉलर हो जाते हैं। अगर आप इसे उसकी कमाई में से घटा दें, तो आपके पास आठ सौ एक हज़ार डॉलर बचेंगे। आठ लाख डॉलर उसने कभी खर्च ही नहीं किए, विलिस!”
पार्कर ने सिर हिलाया। यंगर ने हवा में एक खूबसूरत महल की कल्पना की थी। यंगर ने कहा, “शीर ने मुझे कुछ बैंक खाते और म्यूचुअल फंड के रिकॉर्ड वगैरह दिखाए, लगभग एक लाख बीस हज़ार डॉलर के। ये वो पैसा था जो उसने सबके सामने रखा था, ताकि वो अपने खर्चे को समझा सके। बाकी का पैसा उसने छिपा रखा था। उसे छिपाना ही पड़ा; वरना वो इसे समझा नहीं सकता था, समझे? आठ लाख में से एक लाख बीस हज़ार, यानी छह लाख अस्सी हज़ार डॉलर बचे! देखा तुमने, विलिस? छह लाख अस्सी हज़ार डॉलर! अगर उसने पिछले पाँच सालों में बेहिसाब खर्च किया हो, ये घर वगैरह खरीदा हो, तब भी कम से कम पाँच लाख डॉलर तो बचे ही होंगे, कम से कम पाँच लाख! और ये तो बस एक अंदाज़ा है, विलिस, एक अंदाज़ा! 1915-1916 में तो वो एक साल में पच्चीस हज़ार डॉलर भी खर्च नहीं करता था, दूर-दूर तक नहीं। हो सकता है कि पाँच लाख डॉलर से भी ज़्यादा बचे हों।” पार्कर उठ खड़ा हुआ। यही उसका सोचा था। टिफ़्टस ने जो के सामान के बारे में सच्चाई के ज़्यादा करीब अनुमान लगाया था, लेकिन टिफ़्टस भी कहीं छिपाकर रखे गए पैसों के डिब्बे से ज़्यादा समझदारी से नहीं सोच पाई थी। टिफ़्टस तो यही करती, उसे गद्दे में छिपा देती या पुराने ओक के पेड़ के पास

ज़मीन में गाड़ देती, लेकिन जो शीर ज़्यादा समझदार था; उसने उसे सुरक्षित शेयरों और अच्छे म्यूचुअल फंडों में निवेश किया और पैसे को अपने लिए काम करने दिया।
पार्कर ने सिगरेट जलाई और कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। उसने कहा, "तुमने इस बारे में जो शीर से बात की थी, है ना?"
“हाँ, बिल्कुल। आपको क्या लगता है, मुझे ये सारे आंकड़े कहाँ से मिले?” यंगर ने कागज़ की दोनों शीटें फिर से उठाईं और उन्हें मोड़कर लिफाफे में वापस रख दिया। “और नाम,” उसने कहा। “ये आंकड़े और नाम, सब सीधे शीर से लिए हैं।”
"जब आपने उसे पांच लाख के बारे में बताया, तो उसने क्या कहा?"
यंगर मुस्कुराते हुए याद करने लगा। "उसने मुझे बहुत परेशान करने की कोशिश की थी, विलिस," उसने कहा। "बिल्कुल वैसे ही जैसे तुमने एक-दो बार कोशिश की थी।"
“उसने क्या कहा?”
उन्होंने कहा कि उन्होंने सब कुछ खर्च कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके पास सिर्फ एक लाख बीस हजार ही बचे हैं।
लेकिन आपको ऐसा नहीं लगता।
“छोड़ो भी, विलिस। मैं तुम्हें सबूत देता हूँ। मैंने उस पर थोड़ा दबाव डाला, और उसने आटे के डिब्बे से हज़ार डॉलर निकाल दिए। इतना ही नहीं, उसने मुझसे कहा कि वह मुझे पूरे एक लाख बीस हज़ार डॉलर दे देगा, वह पत्र लिखकर म्यूचुअल फंड और हर जगह से सारे पैसे वापस ले लेगा और मुझे पूरी रकम दे देगा। अब, क्या वह मुझे ये सब देता अगर उसने कहीं और बहुत सारा पैसा छिपाकर न रखा होता?”
पूरी बात देखकर पार्कर ने सिर हिलाया।
यंगर ने कहा, "अगर उनकी मृत्यु न हुई होती, तो मुझे पता चल जाता कि बाकी का हिस्सा कहाँ है।"
यह एक आश्चर्य की बात थी। इसका मतलब था कि यंगर ने असल में जो को नहीं मारा था। लेकिन यंगर अब भी वही मुसीबत था जिसके बारे में जो ने चिट्ठियों में बात की थी, वही मुसीबत जिसने जो को एक मूर्ख बूढ़ा बना दिया था।

जो ने यंगर को सब कुछ दिया था - उसका अतीत, उसके दोस्त, उसकी बचत, और उसने जो कुछ भी किया उससे यंगर की लालसा और बढ़ गई। अच्छा हुआ कि जो की मृत्यु उस समय हुई जब वह यंगर को अपने दोस्तों के पते देने से पहले ही मर गया। यंगर ने कहा, "तो मैं वो गंवार पुलिसवाला नहीं हूँ जैसा तुमने सोचा था, है ना?"
पार्कर ने उसकी ओर देखा और सिर हिलाया। "नहीं," उसने कहा।
“आधे मिलियन हैं,” यंगर ने कहा। “आधे मिलियन कहीं न कहीं छिपे हुए हैं। है ना, विलिस? है ना?”
अगर विलिस का नाम न होता, तो वो यंगर को अभी मार डालता और यहाँ से निकल जाता। लेकिन रीगन और विलिस का नाम भी मायने रखता था। जब तक ये सारा मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक यंगर की बात मानना ही एकमात्र उपाय था। गेंद पकड़ो और भाग जाओ। उसने सिर हिलाया और कहा, "आधा मिलियन है। शीर तुमसे झूठ बोल रहा था।"
मुझे अच्छी तरह पता है कि वह था। और हम वो पैसा ढूंढ लेंगे, है ना? हम दोनों के लिए काफी पैसा है, और हम उसे ढूंढ लेंगे।
"ज़रूर करेंगे," पार्कर ने उससे कहा।
यंगर मुस्कुराया, एक बड़ी, मोटी, खुशमिजाज, खिलखिलाती, दाँतों वाली मूर्खतापूर्ण मुस्कान। "ज़रूर करेंगे," उसने कहा।

□□□ □□□

1

एबनर एल. यंगर कोई मूर्ख नहीं थे। उन्हें काफी अनुभव था। सैंतीस राज्यों और चौदह विदेशी भूमियों का, जिनमें जर्मनी, जापान, इंग्लैंड और नहर क्षेत्र शामिल थे। जब कोई व्यक्ति अमेरिकी सेना में तीस साल बिताता है, तो वह गंवार बनकर नहीं निकलता, बिलकुल नहीं। वह हर बात की समझ लेकर निकलता है। यंगर को जब से होश आया था, तब से उसके नाम के आगे कोई न कोई उपाधि लगी हुई थी। बीस साल की उम्र में, नेब्रास्का के छोटे से कस्बे सैगामोर का एक अनुभवहीन, डरा हुआ और नासमझ लड़का, प्राइवेट एबनर एल. यंगर, यूएसए बन गया था। वह महामंदी का दौर था; एबनर के पिता के लिए कहीं भी कोई काम नहीं था, और अगर पिता के लिए काम नहीं था, तो बेटे के लिए तो बिल्कुल भी नहीं। अगर उसे हर दिन तीन वक्त का खाना और हर रात सोने के लिए बिस्तर चाहिए था, तो एबनर के पास दुनिया में एकमात्र रास्ता सेना में भर्ती होना ही था।
उन दिनों समुद्र के दोनों किनारों पर पदोन्नति बहुत धीमी गति से होती थी, और जब 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, तब तक यंगर की पदोन्नति केवल एक छोटी सी प्रगति थी, वे निजी प्रथम श्रेणी के अधिकारी बन चुके थे। लेकिन युद्ध के साथ ही सभी को पदोन्नति मिलने लगी, और उन लोगों को आसान काम मिलने लगे जो युद्ध शुरू होने से पहले ही सेना में भर्ती हो चुके थे। यंगर ने युद्धकालीन सेवा एक बुनियादी प्रशिक्षण शिविर में बिताई, और युद्ध समाप्त होने पर वे एक साधारण सार्जेंट बन गए।
कुछ साल बाद उनकी सेवा के बीस साल पूरे हो गए थे और वे तब सेवानिवृत्त हो सकते थे, लेकिन उन्हें अभी-अभी एक और पदोन्नति मिली थी और वे जानते थे कि तीस साल पूरे होने तक उनके मास्टर सार्जेंट बनने की अच्छी संभावना है, जिसका मतलब होगा बहुत अधिक पेंशन, इसलिए उन्होंने अतिरिक्त दस साल तक सेवा जारी रखने का फैसला किया।
वह मास्टर सार्जेंट बन गया। अगर कोई सेना में लंबे समय तक रहता है तो लगभग कोई भी यह पद हासिल कर सकता है। फिर उसके तीस साल पूरे हो गए, और जब वह डिस्चार्ज की औपचारिकताओं से गुजर रहा था, तो एक क्लर्क ने उससे पूछा कि उसका नागरिक पता क्या होगा।

और उसे पता नहीं था। उसके माता-पिता दोनों ही जीवित नहीं थे, और दशकों से उसका अपने किसी भी रिश्तेदार से कोई संपर्क नहीं था। आखिरकार उसने क्लर्क को जनरल डिलीवरी, सैगामोर, नेब्रास्का का पता अस्थायी पते के रूप में बताया, क्योंकि उसे कोई और पता सूझ नहीं रहा था। स्थायी पता मिलने पर वह उसे भेज देगा।
पेंशन लेने के लिए ही वह सैगामोर वापस गया था। लेकिन वहाँ पहुँचने के बाद, वहाँ से जाने का कोई कारण नहीं था, कहीं और जाने की जगह नहीं थी, दुनिया में कोई ऐसा नहीं था जिससे वह मिलना चाहता हो या जो उससे मिलना चाहता हो। इसलिए वह वहीं रुक गया। उसने स्थानीय अमेरिकन लीजन पोस्ट में शामिल हो गया, और इसके माध्यम से शहर के कुछ अच्छे लोगों से उसकी जान-पहचान हुई, और उसने अपनी सेवानिवृत्ति का आनंद लेना शुरू कर दिया।
लेकिन उनकी उम्र सिर्फ पचास साल थी। उन्होंने पूरी जिंदगी कुछ न कुछ काम किया था, हर दिन वर्दी पहनकर किसी खास जगह जाते थे और कुछ खास काम करते थे। अब रिटायर होने के बाद समय बहुत धीरे-धीरे बीत रहा था। उनका कोई शौक नहीं था और पेंशन भी बहुत ज्यादा नहीं थी। उन्हें लगने लगा कि वे सुबह देर तक घर में पड़े रहते हैं, बहुत ज्यादा फिल्में देखने जाते हैं और घर पर या अमेरिकन लीजन पोस्ट के तहखाने में बने बार में टीवी के सामने बहुत ज्यादा समय बिताते हैं। वे बहुत ज्यादा बीयर पीते थे, खराब खान-पान रखते थे और बहुत कम व्यायाम करते थे। उनका वजन बढ़ रहा था और पाचन क्रिया भी खराब हो रही थी।
फिर पुलिस की नौकरी का प्रस्ताव आया। उन्होंने अमेरिकन लीजन में इसके बारे में सुना था, कि पुराने कैप्टन ग्रीन रिटायर हो रहे हैं और लोग सोच रहे हैं कि उनकी जगह कौन लेगा, क्योंकि पुलिस बल में अच्छे नेतृत्व गुणों वाले लोग हैं ही नहीं। किसी ने कहा कि वेतन इतना कम है कि अच्छे लोग आकर्षित नहीं होते, और यह बात सीधे संपत्ति करों के पुराने विवाद में उलझ गई, लेकिन यंगर काफी कुछ सुन चुके थे।
तो अब उनका पद सर्वोपरि था। न तो प्राइवेट यंगर, न ही प्राइवेट फर्स्ट क्लास यंगर, और न ही मास्टर सार्जेंट यंगर। कैप्टन यंगर। जी हाँ, और वे जनरल यंगर भी हो सकते थे, क्योंकि वे सेना में सर्वोच्च पद के अधिकारी थे।
सत्रह जवान, और वे उनके कप्तान थे।

पहले तो वह हर समय वर्दी पहने रहता था, गहरे नीले रंग की, मॉडिफाइड घुड़सवारी पैंट, बूट और एक गैरीसन कैप। लेकिन उसका बढ़ा हुआ वज़न फिर कभी कम नहीं हुआ, और उसे मानना पड़ा कि वह वर्दी में अच्छा नहीं दिखता था। वैसे भी, आर.एच.आई.पी. पद के अपने विशेषाधिकार होते हैं। कप्तान होने के नाते, वह चाहे तो आम कपड़े पहन सकता था। कप्तान होने के नाते, वह सेना में अकेला ऐसा व्यक्ति था जो आम कपड़े पहन सकता था। इसलिए उसने आम कपड़े पहनना शुरू कर दिया।
लेकिन इससे एक समस्या खड़ी हो गई। वर्दी में तो वह पूरी दुनिया के सामने अपना रुतबा ज़ाहिर कर रहा था, लेकिन आम कपड़ों में वह बस एक आम नागरिक ही तो था? उसने बहुत सोचा और आखिरकार काउबॉय हैट पहनने का फैसला किया। एक शानदार हैट उसे सबसे अलग दिखाएगी, दुनिया को बताएगी कि यहाँ एक रुतबा रखने वाला आदमी है, यह तो पक्का था। काउबॉय हैट और एक अच्छा सूट, ये दोनों मिलकर उसकी खासियत को उजागर करेंगे। वैसे भी, उसे लगता था कि इस तरह के कपड़ों में वह अच्छा दिखता है।
इक्यावन वर्ष की आयु में, वह शिखर पर पहुँच चुके थे। पुलिस विभाग के कप्तान, एक सम्मानित नागरिक, अमेरिकन लीजन पोस्ट के सचिव; वह संतुष्ट थे, उनके पास वह सब कुछ था जो वह चाहते थे।
और फिर उसे बहुत कुछ और चाहने की संभावना दिखाई गई।
यह सब लगभग संयोगवश ही हुआ। पुलिस बल में अपने शुरुआती महीनों में यंगर लगातार काम में व्यस्त रहते थे। उन्होंने फाइलों को व्यवस्थित किया, पुलिसकर्मियों के लिए नई शिफ्ट रोटेशन प्रणाली बनाई, काउंटी शेरिफ कार्यालय और विभिन्न राज्य पुलिस कार्यालयों से पत्राचार शुरू किया और शहर के हर व्यक्ति से जान-पहचान बनाने का फैसला किया। वह किसी व्यक्ति को देखकर ही यह जानना चाहते थे कि वह स्थानीय है या अजनबी। यदि वह स्थानीय होता, तो यंगर उसके बारे में सब कुछ जानना चाहते थे; उसका पेशा क्या है, क्या वह विवाहित है या नहीं, क्या उसका अपना घर है, क्या वह कभी किसी मुसीबत में फंसा है।
सैगामोर एक छोटा और नीरस कस्बा था। उपद्रवी और अन्य प्रकार के जीवंत लोग जल्दी ही चले जाते थे और वापस नहीं आते थे। नतीजतन, कस्बे के बारे में एक मानसिक प्रोफाइल बनाना न तो बहुत मुश्किल था और न ही बहुत दिलचस्प, सिवाय एक आदमी के, एक नागरिक जो बाकी सभी से अलग था।

जोसेफ टी. शार्डिन।
शार्डिन के बारे में बहुत कम जानकारी थी। उनका अपना घर था, वे सेवानिवृत्त हो चुके थे और लगभग पाँच साल से इस शहर में रह रहे थे। वे अक्सर ओमाहा आते-जाते रहते थे, एक-दो दिन या कभी-कभी एक सप्ताह तक वहाँ ठहरते थे, और कभी-कभार उनके घर पर एक-दो मेहमान आते थे, जो हमेशा बाहर के अजनबी होते थे। यहाँ उनके कोई रिश्तेदार नहीं थे और सेवानिवृत्त होने से पहले उन्हें किसी ने नहीं देखा था।
इसके अलावा, सब कुछ अस्पष्ट था। यंगर को ठीक से पता नहीं चल पाया कि शारदिन किस पद से सेवानिवृत्त हुए थे। बैंक में उन्हें पता चला कि शारदिन का एक बैंक खाता था, जिसमें वे निवेश पर लाभांश, जीवन बीमा पॉलिसी पर भुगतान या सामाजिक सुरक्षा से मिलने वाली छोटी-मोटी रकम जमा करते थे। लेकिन किसी कंपनी या सरकार से कोई पेंशन चेक नहीं था, न ही कोई ऐसी आय जिससे पता चले कि सेवानिवृत्ति से पहले उन्होंने किस तरह का काम किया था। यंगर की दिलचस्पी बढ़ती ही गई। शुरू में उसे कोई शक नहीं था, बस अपनी नई नौकरी में थोड़ा अनुभव हासिल करने की कोशिश कर रहा था। वह एक पुलिस बल का नेतृत्व कर रहा था, और यहाँ उसे जासूसी करने, एक रहस्य सुलझाने का मौका मिल गया था। वह यह सब मज़े के लिए कर रहा था, और किसी चीज़ से ज़्यादा नहीं। शारदिन के आसपास के लोगों से कुछ खास न सीखने पर, यंगर ने शारदिन से ही सीखने की कोशिश की। उसने अपने एक गश्ती दल के जवान को, जो दिखने में भोला- भाला और सीधा-सादा था, प्रशिक्षित किया और उसे जनगणनाकर्मी बनकर शारदिन से मिलने भेज दिया। उम्र, लिंग और घर में कितने लोग रहते हैं, जैसे सवालों के अलावा, उसने शारदिन के बारे में भी पूछा: जन्म स्थान, मुख्य व्यवसाय, सबसे हालिया नियोक्ता, पिछले तीन पते। गश्ती दल के जवान की रिपोर्ट के अनुसार, शारदिन ने सभी सवालों के जवाब आसानी से और शांति से दिए और उसे जरा भी शक नहीं हुआ।
बस एक ही चीज गलत थी, जवाब आपस में मेल नहीं खा रहे थे।
जन्मस्थान के रूप में, शार्डिन ने हैरिसबर्ग, पेंसिल्वेनिया लिखा था। यंगर ने हैरिसबर्ग को पत्र लिखकर 12 जनवरी, 1894 को उनके शहर में जन्मे जोसेफ टी. शार्डिन के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने जवाब में लिखा कि उस तारीख या किसी अन्य तारीख को उनके शहर में जन्मे जोसेफ टी. शार्डिन का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

मुख्य व्यवसाय के रूप में, शार्डिन ने खेल प्रमोटर का नाम दिया था और बताया था कि वह पूर्वी क्षेत्र, मुख्य रूप से पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में मुक्केबाजी, कुश्ती, रोलर-डर्बी, स्टॉक-कार रेस और अन्य खेल आयोजनों को बढ़ावा देता था। यंगर ने पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क दोनों बॉक्सिंग कमीशन को पत्र लिखा, और दोनों ने जवाब दिया कि उनके पास जोसेफ टी. शार्डिन नाम के किसी व्यक्ति का कोई रिकॉर्ड नहीं है।
शार्डिन ने अपने सबसे हालिया नियोक्ता के रूप में मिडस्टेट एरिना अट्रैक्शंस, इंक., स्क्रैंटन, पेन्सिलवेनिया का नाम दिया था। यंगर ने इस कंपनी को पत्र लिखकर शार्डिन के बारे में जानकारी मांगी, और पत्र वापस आ गया जिस पर लिफाफे पर डाकघर की मुहर लगी थी: पता अज्ञात।
शार्दिन द्वारा दिए गए तीनों पूर्व पते झूठे थे।
यंगर को अब यकीन हो गया था कि उसने गलत व्यक्ति को ढूंढ लिया है। शार्दिन की आमदनी के स्रोत अज्ञात थे, उसने ऐसी जगह रहना चुना था जहाँ उसे कोई नहीं जानता था, और उसने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में झूठी जानकारी दी थी।
अगली बार जब शार्डिन ओमाहा गए, तो कैप्टन यंगर, एक गुप्त चाबी लेकर, शार्डिन के घर में घुस गए। रसोई में उन्होंने अपने फिंगरप्रिंट उपकरण लगाए, जिनके बारे में सीखना भी नई नौकरी के प्रति उनके शुरुआती उत्साह का एक हिस्सा था, और रसोई की अलमारी में रखे पानी के गिलासों से उन्हें तीन बिल्कुल सटीक फिंगरप्रिंट मिल गए। उन्होंने अपना कैमरा और सफेद गत्ते का बैकड्रॉप लगाया और सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक प्रिंट की तीन तस्वीरें खींचीं। फिर उन्होंने वहां से अपने निशान मिटा दिए और फिल्म डेवलप करवाने के लिए स्टेशन वापस चले गए। उन्होंने तस्वीरों का एक सेट वाशिंगटन को एक कवर लेटर के साथ भेजा, जिसमें कोई विवरण नहीं था, बस उन प्रिंटों के मालिक के बारे में जो भी पहचान और जानकारी मिल सके, उसकी जानकारी मांगी गई थी, और फिर बस इंतजार करना बाकी था।
एक सप्ताह बाद ओमाहा स्थित संघीय एजेंसी के कार्यालय से एक फोन आया। "लगभग एक सप्ताह पहले आपने वाशिंगटन को जो उंगलियों के निशान भेजे थे, उनके बारे में बात हो रही है।"
उनका क्या होगा?
लेकिन संघीय अधिकारी ने सवाल पूछने के लिए फोन किया था, जवाब देने के लिए नहीं। उसने कहा, "कैप्टन, वह पूछताछ किस संबंध में थी?"

यंगर को अचानक एक क्षणिक भय का अनुभव हुआ; क्या वह किसी गुप्त सरकारी एजेंट के संपर्क में आ गया था? क्या शार्दिन वास्तव में कोई जासूसी विरोधी एजेंट था? यदि वह ऐसा था, तो सरकार को यह पसंद नहीं आएगा कि कोई देहाती पुलिसवाला उनके आदमी के पीछे पड़कर हंगामा खड़ा करे।
लेकिन ऐसा नहीं हो सकता था। शार्डिन सत्तर साल का बूढ़ा आदमी था; भला वो किस तरह का गुप्तचर हो सकता था? इसके अलावा, सरकार सैगामोर जैसे छोटे से कस्बे में पाँच साल के लिए किसी गुप्तचर को क्यों तैनात करेगी?
संघीय अधिकारी जवाब का इंतजार कर रहा था। उसने कहा, "क्या आप वहां हैं, कैप्टन?"
“क्या? जी हां, जी हां, बिल्कुल, मैं बस फोल्डर ढूंढ रहा था…” उसने पहले से ही अपनी कहानी तैयार कर रखी थी, ताकि अगर उससे यह सवाल पूछा जाए तो वह जवाब दे सके। अब उसे बस इतना करना था कि अपने होश संभाले और कहानी सुना दे। उसने कहा, “यहां एक छोटी सी चोरी हुई थी, एक शराब की दुकान में तोड़फोड़ हुई थी। हमने पूरे स्टोर में उंगलियों के निशान देखे, और ये तीन निशान ही ऐसे थे जिनका मिलान उस व्यक्ति से नहीं हुआ जिसे हम पहले से जानते थे कि वह उस दिन दुकान में था।”
“शराब की दुकान में डकैती। अजीब बात है।”
यंगर ने फोन को इतनी कसकर पकड़ा हुआ था कि बाद में उसके हाथ में दर्द होने लगा। उसने पूछा, "कौन है? ये किसके हैं?"
“जोसेफ शीर नाम का आदमी। मैं तो बस—”
"आप इसे किस प्रकार उच्चारित करेंगे?"
संघीय अधिकारी ने इसे स्पष्ट किया और फिर कहा, "उससे खबर सुनकर आश्चर्य हुआ। हमें लगा था कि वह अब तक मर चुका होगा।"
“अरे? एक बूढ़ा आदमी, है ना?”
"अब उनकी उम्र लगभग सत्तर साल होगी।"
सत्तर साल का। उसके बारे में क्या कहानी है? क्या उसे किसी चीज की कमी थी?
उसके खिलाफ बैंक डकैती के चार संघीय वारंट जारी हैं। लेकिन सबसे हालिया वारंट 1953 का है। उसके बाद से उसकी हालत बिगड़ती ही जा रही है, अगर वो शराब की दुकानों में सेंधमारी कर रहा है तो। लगता है अब वो शराबी बन गया है। ज्यादातर का अंत ऐसा ही होता है।

“मुझे लगता है कि वे जानते हैं,” यंगर ने कहा। “यह बैंक डकैती कहाँ हुई थी, जो 1953 में हुई थी?”
"क्लीवलैंड। आपको वाशिंगटन से डाक द्वारा पूरी रिपोर्ट प्राप्त होगी।" “फोन करने के लिए धन्यवाद,” यंगर ने कहा।
संघीय अधिकारी ने कहा, "अगर आपको वह मिल जाए," यह स्पष्ट करते हुए कि उन्हें विश्वास नहीं था कि यंगर कभी उसे पकड़ पाएगा, "तो हमें जरूर बताएं।" “हाँ, मैं ज़रूर करूँगा,” यंगर ने वादा किया। “फिर से धन्यवाद,” उसने कहा और फोन काट दिया।
फोन रखने के बाद उसे ख्याल आया कि उसे संघीय अधिकारी को सच बता देना चाहिए था। उसे कहना चाहिए था, "मुझे पता है जो शीर कहाँ है। मैं जाकर उसे ले आऊंगा और आपके लिए उसे संभाल कर रखूंगा।" उसने ऐसा क्यों नहीं किया?
यह महज एक छोटा सा शौक था, एक मामूली सी गतिविधि, जासूसी का एक छोटा सा शौकिया प्रयास। जब इससे एक वांछित अपराधी का पता चला, तो उसने तुरंत गिरफ्तारी क्यों नहीं की? उसने शराब की दुकान की वह झूठी कहानी पहले से क्यों तैयार कर रखी थी?
वह जानता था कि क्यों। वह हमेशा से जानता था, भले ही उसने इसे सीधे शब्दों में व्यक्त न किया हो। कारण पैसा था। उसने जोसेफ टी. शार्डिन को देखा, और उसे कुछ गड़बड़ दिखी, और उसे अपने लिए एक फायदा नजर आया, और उसे उसमें पैसे की बू आई, किसी न किसी तरह से मुनाफा। पैसा, इतना पैसा जितना उसने पहले कभी सोचा भी नहीं था। सेना में अपने तीस वर्षों में उसने जितना कमाया था, उससे भी ज्यादा, और अब से लेकर मरने तक मिलने वाली पेंशन से भी ज्यादा। इतना पैसा, इतना... उसे नहीं पता था कितना, वह अनुमान भी नहीं लगा सकता था।
लेकिन वह पूछ सकता था।
एबनर एल. यंगर ने 51 साल का जीवन जीने के बाद आखिरकार वह पेशा पा लिया जिसके लिए उनका जन्म हुआ था, उन्होंने अपनी काउबॉय टोपी पहनी और जो शीर नाम के एक व्यक्ति से बात करने के लिए निकल पड़े।

2

यंगर मुस्कुराया और दहलीज पार करते हुए बोला, "बस एक सामान्य मुलाकात थी, श्री शार्डिन। मैं कैप्टन यंगर हूँ।"
बूढ़ा आदमी हिचकिचाया, यंगर के घर में प्रवेश करने के बावजूद उसने दरवाजा खुला ही रखा। उसने कहा, "दिनचर्या? दिनचर्या से तुम्हारा क्या मतलब है? तुम कौन हो?"
यंगर की मुस्कान सौम्य, क्षमाप्रार्थी और आत्मविश्वास से भरी थी। "ओह, मुझे खेद है," उन्होंने कहा, लेकिन उनकी आवाज़ में खेद नहीं झलक रहा था। "पुलिस विभाग। कैप्टन एबनर एल. यंगर, सैगामोर पुलिस विभाग।"
बूढ़े आदमी की आँखों पर मानो एक पतली सी परत छा गई थी, जैसे सावधानी और सतर्कता का भाव हो। वह अच्छी तरह से संवरा हुआ था, दुबला-पतला लेकिन स्वस्थ दिखता था, चेहरे और हाथों पर चमड़ी जैसी त्वचा थी, दांत इतने पीले थे कि नकली नहीं लग रहे थे, और उसके सिर पर घने भूरे-सफेद बाल थे। वह शायद कप्तान से लंबा था, लेकिन उम्र ने उसे झुका दिया था और अब वह लगभग एक इंच छोटा रह गया था।
यंगर, अब भी मुस्कुराते हुए, दुनिया से संतुष्टि जताते हुए सिर हिलाते हुए, बैठक कक्ष में चले गए और बोले, "बहुत ही बढ़िया जगह है आपकी, श्रीमान शार्डिन, बहुत बढ़िया। वही पुरानी होयट की जगह है, है ना?"
बूढ़ा आदमी उसके पीछे-पीछे गया। "मुझे लगता है ऐसा ही है। मैंने इसे जिनसे खरीदा था उनका नाम होयट था।"
“आपने इसे अपने लिए बहुत अच्छे से सजा लिया है। बहुत आरामदायक लग रहा है।”
बूढ़े आदमी ने कहा, "यह सब क्या है, कप्तान?" उसकी आवाज में अधीरता और चिड़चिड़ाहट झलक रही थी।
यंगर ने इशारों को अनसुना कर दिया। "बस रोज़मर्रा की बात है," उसने बेपरवाही से कहा और हाथों से एक अस्पष्ट इशारा किया। "कोई जल्दी नहीं है," उसने कहा। उसने अपनी काउबॉय टोपी उतारी, उसे हाथों में घुमाया और कमरे में चारों ओर स्नेह भरी नज़रों से देखा।

“मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था,” बूढ़े आदमी ने स्पष्ट लहजे में कहा। “मैं चाहता हूँ कि दिन का उजाला रहते हुए मैं वापस अपने काम पर लग जाऊँ।” “एक बगीचा?” यंगर के चेहरे पर खुशी और हैरानी झलक रही थी। उसने काउबॉय हैट वापस अपने सिर पर पहनी और बोला, “आपको मुझे दिखाना होगा। यकीन मानिए, मैं हमेशा से एक बगीचा चाहता था, लेकिन इतनी दूर-दूर तक घूमने के बाद— नहीं, मुझे दिखाइए मत, मैं रास्ता खुद ढूंढ लूंगा।”
बूढ़े आदमी ने यंगर को रास्ता दिखाने के लिए कोई हरकत नहीं की। वह वहीं खड़ा रहा और यंगर को रसोई और पिछले दरवाजे की ओर जाते हुए देखता रहा, और उसके पास उसके पीछे जाने के अलावा कोई चारा नहीं था।
यंगर पहले कभी उस घर में नहीं गया था, लेकिन उसे उसमें रास्ता ढूंढने में कोई परेशानी नहीं हुई। इस संपत्ति में कहीं न कहीं लाखों डॉलर छिपे हो सकते थे, और यंगर यह जानने के लिए दृढ़ था कि संपत्ति कैसी दिखती है। उसके पास मूल्यांकनकर्ता के कार्यालय में घर का नक्शा दर्ज था, और अब वह उसका भौतिक सर्वेक्षण कर रहा था।
वह जो शीर के खिलाफ़ चलाई जाने वाली अपनी मुहिम का पहला कदम भी उठा रहा था। सीधा हमला उसके लिए कारगर नहीं होगा, यह बात वह भली-भांति समझता था, इसलिए उसने एक अप्रत्यक्ष तरीका अपनाया। वह अपने चुने हुए तरीके से संतुष्ट था।
अब वह रसोई से होते हुए पीछे के दरवाजे से बाहर निकला और उसने पहली बार जो शीर के बगीचे पर नजर डाली। क्या पैसा वहीं छिपा था, बगीचे में दबा हुआ था? या घर में कहीं छुपा हुआ था?
हो सकता है कि पैसा यहाँ हो ही न। हो सकता है कि वह ओमाहा में हो, जहाँ भी शीर रहता था। लेकिन शीर ओमाहा की तुलना में यहाँ ज़्यादा समय बिताता था, तो क्या यह ज़्यादा संभावना नहीं है कि उसने पैसा यहीं रखा हो?
बूढ़ा आदमी उसके पीछे-पीछे घर से बाहर आ गया था। यंगर ने उसकी ओर मुड़कर कहा, “श्री शारदिन, आपका बगीचा सचमुच बहुत सुंदर है। शारदिन? क्या यह सही उच्चारण है?”
बूढ़ा आदमी एक पल के लिए चौंक गया, लेकिन फिर संभल गया और संक्षेप में सिर हिलाकर बोला, "आपने सही कहा है।"

“ठीक है।” यंगर ने दोपहर के सूरज की ओर आंखें सिकोड़ते हुए अपनी घड़ी देखी, बगीचे पर फिर से नजर डाली और कहा, “ठीक है, आप अपने काम पर वापस जाइए। मैं आपको और देर नहीं रोकूंगा।”
बूढ़े आदमी ने भौंहें चढ़ा लीं। "तुम जा रहे हो?"
“मुझे घर के अंदर घुमाने की ज़रूरत नहीं है, मैं यहाँ बगल से जा सकता हूँ। आपसे मिलकर अच्छा लगा, श्री शार्दिन।” वह घर के बगल से होते हुए आगे बढ़ गया।
बूढ़ा आदमी उसके पीछे कुछ कदम चलकर बोला, “तुम क्या चाहते थे? यहाँ किसलिए आए थे?”
“बस रोज़मर्रा की बात है,” यंगर ने कहा, हाथ हिलाया और फुटपाथ की ओर चल पड़ा।

3

जैसे ही ट्रेन स्टेशन से चलने लगी, यंगर बूढ़े आदमी के बगल वाली खाली सीट पर बैठ गया। "वाह! आपसे यहाँ मिलकर अच्छा लगा? क्या आप शहर जा रहे हैं?" बूढ़ा आदमी स्टेशन की खिड़की से बाहर देख रहा था, अपने विचारों में डूबा हुआ। अचानक चौंककर वह मुड़ा और कुछ पल तक चुप रहा। आखिरकार जब उसने बोलना शुरू किया, तो बस इतना ही कहा, "ओह। आप हैं।"
“मुझे उस दिन हमारी छोटी सी बातचीत में वाकई बहुत मज़ा आया,” यंगर ने उनसे कहा। “मैं उन सभी लोगों को जानना चाहता हूँ जो मेरे जाने के बाद शहर में आकर बस गए हैं। आप जानते ही हैं, मैं सेना में था।”
यंगर की चुप्पी ने बूढ़े आदमी को कुछ कहने के लिए मजबूर कर दिया; उसने कहा, "मुझे यह पता नहीं था।"
“तीस साल,” यंगर ने उससे कहा और ज़ोर से सिर हिलाया। “मास्टर सार्जेंट के पद से सेवानिवृत्त हुआ। अभी कुछ महीने पहले ही सेवानिवृत्त हुआ हूँ, अपने पुराने गृहनगर लौटा हूँ, पुलिस बल का कार्यभार संभाला है और उसे सुव्यवस्थित कर रहा हूँ। आप तो यहाँ लगभग पाँच साल से हैं, है ना?”
"हाँ।"
“बहुत बढ़िया शहर है। क्या आप अक्सर शहर में आते-जाते हैं?”
"कभी-कभी।"
यंगर को पहले से ही इस बारे में पता था। इस अभियान को शुरू करने से पहले, वह उस बूढ़े आदमी के आखिरी दौरे पर उसके पीछे-पीछे गया था। अब उसे शहर में उस बूढ़े आदमी के अपार्टमेंट के बारे में भी पता चल गया था। पिछली बार शीर वहाँ दो दिन रुका था, और दूसरे दिन उसके पास कुछ मेहमान आए थे, यंगर की उम्र के लगभग तीन हट्टे-कट्टे आदमी। वे न्यूयॉर्क राज्य की नंबर प्लेट वाली एक प्लाईमाउथ कार में आए थे, दोपहर और शाम वहीं रुके और रात करीब साढ़े ग्यारह बजे चले गए। यंगर ने लाइसेंस नंबर लिख लिया था, लेकिन उस पर कुछ किया नहीं था। अगर ज़रूरत होती तो काफी समय होता।
उसे लगा कि वे तीनों आदमी भी बैंक लुटेरे थे। शायद जो शीर रिटायर हो चुका था, और शायद नहीं भी। हो सकता है कि आजकल वह सिर्फ लूट की योजना बनाता हो और

बाकी काम युवा लोगों को सौंप देता हो। युवा को समय आने पर पता चल जाएगा। उसे भी समय आने पर सब कुछ पता चल जाएगा।
कुछ देर तक वे चुपचाप गाड़ी चलाते रहे, फिर यंगर ने एक सिगार निकाला और उसे खोलना शुरू किया। गाड़ी के आगे वाले हिस्से पर एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था कि यहाँ धूम्रपान मना है, लेकिन यंगर ने सिगार खोलना जारी रखा, कागज़ ज़मीन पर फेंक दिया, सिगार मुँह में डाला और माचिस की तीली निकाली। जलाने से ठीक पहले, उसने बूढ़े आदमी की ओर मुड़कर कहा, "पुलिसवाला होने का यही फ़ायदा है।" वह मुस्कुराया और आँख मारी।
बूढ़े आदमी ने उसे घृणा से देखा। "क्या है?"
यंगर ने धूम्रपान निषेध के बोर्ड की ओर इशारा किया। "कानून को थोड़ा- बहुत तोड़ा जा सकता है," उसने कहा। उसने सिगार जलाया, धुएं का एक गुबार उड़ाया और माचिस को ज़मीन पर फेंक दिया। "अब," उसने कहा, "अगर तुमने कानून तोड़ा, तो हम तुम्हें पकड़ लेंगे। देर-सवेर हम तुम्हें पकड़ ही लेंगे, चाहे बीस साल ही क्यों न लग जाएं।"
उस बूढ़े आदमी ने इस पर कुछ नहीं कहा, और वे फिर से चुपचाप आगे बढ़ते रहे जब तक कि यंगर ने नहीं पूछा, "क्या आप कभी सेना में थे?"
“नहीं।” बूढ़ा आदमी यहीं रुकने ही वाला था, लेकिन फिर उसे अपनी बात का औचित्य साबित करना पड़ा। उसने आगे कहा, “मैं प्रथम विश्व युद्ध में शारीरिक परीक्षा में फेल हो गया था।”
“यह तो बहुत बुरा हुआ। सेना में रहना एक शानदार जीवन है, बहुत ही शानदार जीवन।”
"शायद ऐसा हो।"
फिर यंगर ने युद्ध की कहानियाँ सुनाना शुरू कर दिया। उसने बूढ़े आदमी को अपने सेना के दिनों की एक के बाद एक कई कहानियाँ सुनाईं, कुछ सच्ची, कुछ मनगढ़ंत, कुछ बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई और कुछ पूरी तरह से झूठी। बूढ़ा आदमी चुपचाप सुनता रहा, एक शब्द भी नहीं बोला, कभी-कभी खिड़की से बाहर के समतल नज़ारे को देखता रहा, और यंगर लगातार बोलता रहा।
जब वे ओमाहा पहुंचे, तो यंगर उस बूढ़े आदमी के साथ टर्मिनल से बाहर निकले। रास्ते में उन्होंने कहा, "आप शहर में कितने दिन रुकेंगे?"
बूढ़े आदमी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "कुछ दिन।"

"[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]" [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible] [illegible],"

"[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

4

"अच्छी तरह से नमस्ते!"
बूढ़ा आदमी अभी-अभी सुपरमार्केट से बाहर निकला था, उसके हाथों में किराने का सामान भरा एक थैला था। उसने ऊपर देखा और यंगर को वहाँ खड़ा पाया, और उसके चेहरे पर एक उदासी छा गई। अचानक ही वह दस साल बूढ़ा लगने लगा। यंगर ने कहा, "यह भारी लग रहा है। मैं तुम्हारी तरफ ही जा रहा हूँ, मैं तुम्हें लिफ्ट दे दूँगा।"
नहीं, कोई बात नहीं, मैं—”
“कोई परेशानी नहीं।” यंगर ने किराने का सामान वाला थैला उठाया और उसे लेकर चल पड़ा, और बूढ़ा आदमी उसके पीछे-पीछे चलने के अलावा कुछ नहीं कर सका।
पुलिस की गाड़ी सड़क के किनारे खड़ी थी। यंगर आमतौर पर अपनी खुद की कार, एक छोटी काली फोर्ड, चलाता था, लेकिन आज के लिए उसने विभाग की एकदम नई पुलिस गाड़ी उधार ली थी, जो हरे और पीले रंग की थी, जिसकी छत पर लाल रंग की गुंबदनुमा बत्ती थी, बाईं ओर एक एंटीना लगा था, और बोनट, ट्रंक और दोनों दरवाजों पर बड़े पीले अक्षरों में 'पुलिस' लिखा हुआ था।

“लो, हम यहाँ हैं।” यंगर ने किराने का सामान वाला बैग पिछली सीट पर रखा, फिर बूढ़े आदमी के लिए आगे का दरवाज़ा खोला। बूढ़ा आदमी अंदर बैठने से पहले एक पल के लिए हिचकिचाया। उस एक पल में, जो शीर आक्रामक हो सकता था, लेकिन वह पल बीत गया। यंगर ने बूढ़े आदमी की पीठ की ओर मुस्कुराया, फिर दरवाज़ा ज़ोर से बंद किया और कार के दूसरी तरफ जाकर स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठ गया।
गाड़ी अंदर से बाहर की तुलना में कहीं अधिक औपचारिक दिखती थी। क्रोम से सजे डैशबोर्ड पर डोम लाइट, सायरन और स्पॉटलाइट के लिए अतिरिक्त नॉब लगे थे, साथ ही टू-वे रेडियो और एक क्लिपबोर्ड भी था जो एक छोटे चुंबक से डैशबोर्ड के ऊपर चिपका हुआ था। रेडियो चालू था, जिसमें हल्की-हल्की स्टैटिक आवाज़ आ रही थी और कभी-कभी कर्कश ध्वनि सुनाई दे रही थी।

कार में सीट बेल्ट लगी हुई थी, और यंगर ने बड़ी चतुराई से अपनी सीट बेल्ट बांधी, हालाँकि वह आमतौर पर ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देता था। उसने बूढ़े आदमी से कहा, "जो, तुम भी अपनी सीट बेल्ट बांध लो। सुरक्षा सबसे पहले, है ना? तुम हमेशा सुरक्षित महसूस करना चाहते हो, है ना?"
बूढ़े आदमी ने सपाट स्वर में कहा, "शायद ऐसा ही है।" उसने सीट बेल्ट को क्लिक की आवाज़ के साथ बांध लिया।
यंगर ने कार स्टार्ट की और वे चुपचाप ट्रैफिक के बीच से निकल गए, चमचमाते बोनट पर सूरज की रोशनी चमक रही थी। एक मिनट बाद, यंगर हँसा और बोला, “तुम्हारे दोस्त क्या सोचेंगे, जो? अगर कोई तुम्हें पुलिस की गाड़ी में जाते हुए देखेगा, तो वे कहेंगे, ‘अरे वाह! पुलिस ने आखिरकार बूढ़े जो को पकड़ ही लिया।’ तुम्हें बहुत कुछ समझाना पड़ेगा, जो।” वह और हँसा और अपनी हंसी पर सिर हिलाया।
बूढ़े आदमी ने कहा, "कैप्टन, आप क्या चाहते हैं? आप मुझसे क्या चाहते हैं?"
यंगर हिचकिचाया, पर अभी समय नहीं आया था। उसे इस काम पर लगे हुए अभी कुछ ही हफ्ते हुए थे, और शीर अभी भी बहुत सख्त था। वह यह सवाल किसी और समय फिर पूछेगा, इस बार उसकी आवाज़ में चुनौती का भाव कम होगा। इसलिए इस बार यंगर ने बस इतना कहा, "जो, मुझे एक कप कॉफ़ी चाहिए, बस इतना ही। अगर मैंने तुम्हें घर छोड़ने के लिए पैसे दे दिए, तो सारे टैक्सीवाले मेरे पीछे पड़ जाएँगे।" वह हँसा, आँख मारी और बूढ़े आदमी की बांह में कोहनी मारी।
शीर उसे देखता रहा, मानो वह कुछ और कहने वाला हो, लेकिन एक मिनट बाद वह वापस बैठ गया और बाहर यातायात की ओर देखने लगा, और एक और खतरनाक क्षण बीत गया।
दो ब्लॉक आगे बढ़ने पर उन्हें एक घर दिखाई दिया जिसके सामने के लॉन में 'बिक्री के लिए' का बोर्ड लगा हुआ था। यंगर ने उस घर की ओर इशारा करते हुए कहा, "मैं उन लोगों को जानता हूँ, और वे पागल हैं। तुम्हें पता है ना, जो?" बूढ़े आदमी ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या वे हैं?"
“हाँ, बिलकुल। अभी घर बेचकर शहर छोड़कर चले जाना, जैसा कि वे कर रहे हैं, बिल्कुल भी समझदारी वाली बात नहीं है। इसके लिए समय बिल्कुल भी सही नहीं है, घरों का बाज़ार मंदा है और यह सब हर तरह से एक बड़ा नुकसान है।” उन्होंने सिर हिलाया। “मैं किसी को भी यही कहूँगा, जो, कि अभी घर बदलने के

बारे में सोचना दुनिया का सबसे बुरा समय है। बिलकुल विनाशकारी, जो।” वे हँसे और बोले, “अरे, मैं तो अभी घूमने भी नहीं जाऊँगा। जी नहीं। अभी तो यहीं, अपने प्यारे सैगामोर में ही रहने का समय है। समझ रहे हो ना, जो?” बूढ़े आदमी ने कहा, "मैं समझ गया कि तुम क्या कहना चाहते हो।" उसकी आवाज़ में पहले से थोड़ी कम सख्ती थी।

5

यंगर अपने दफ्तर में बैठे टेलीफोन की ओर देखने लगे। अभी फोन करें? या थोड़ी देर और इंतजार करें?
उसने तीन दिनों से बूढ़े आदमी को नहीं देखा था। उसने बूढ़े आदमी को चिंतित कर दिया था, उसे यह एहसास दिला दिया था कि यंगर किसी न किसी बात के लिए उस पर नज़र रख रहा है, और अब वह थोड़ा पीछे हट गया, बैठ गया, और बूढ़े आदमी को पसीना आने दिया। बस इतना ही, उसे पसीना बहाने का समय दिया, सोचने का समय दिया।
और फिर अचानक से दोबारा अंदर आओ, और इस बार पहले से थोड़ा और गहरा वार करो।
अब।
उसने फोन उठाया और बिना देखे शीर का नंबर डायल किया। यह पहली बार था जब उसने उस बूढ़े आदमी को फोन किया था, लेकिन उसे उसका नंबर मुंह ज़बानी याद था। वह उस बूढ़े आदमी को अच्छी तरह जानता था।
फोन चार बार बजा, फिर बूढ़े आदमी ने रिसीवर उठाया और कहा, "हेलो?"
“हेलो, जो? जो शार्डीन?”

“बोल रहे हो?” बूढ़े आदमी ने संदेह से कहा, मानो उसे लगा कि वह उस आवाज को पहचानता है।
ऐसा नहीं था कि यंगर इसे गुप्त रखना चाहता था। उसने तुरंत अपना परिचय देते हुए कहा, "मैं कैप्टन यंगर हूं, जो। मुझे आपको इस तरह परेशान करने के लिए खेद है, वास्तव में। अगर यह बिल्कुल जरूरी न होता तो मैं ऐसा कभी नहीं करता।"
“इस बार क्या बात है, कप्तान?” बूढ़े आदमी की आवाज बर्फ की तरह ठंडी थी। “इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा, जो। मुझे बस अपने रिकॉर्ड चेक करने हैं। मुझे लगता है कि यहाँ आपके नाम की स्पेलिंग गलत लिखी है, और मैंने सोचा कि आपसे ही पूछ लेना सबसे अच्छा रहेगा। यहाँ जो लिखा है, वो है S-H-E-E-R-D-I-N। ये सही नहीं है, है ना, जो?”
फोन पर सन्नाटा छा गया।

यंगर ने कहा, "जो? क्या तुम वहाँ हो, जो?"
“तुम्हें क्या चाहिए, यंगर?”
“क्या आपके नाम की स्पेलिंग यही है या नहीं? जो, इस बारे में इतना संवेदनशील होने की कोई जरूरत नहीं है, मैं बस इतना चाहती हूँ—”
“तुम्हें पता है मैं अपना नाम कैसे लिखता हूँ!”
"अच्छा, मुझे पहले यह सुनिश्चित कर लेने दीजिए कि मैंने इसे सही से समझ लिया है, मैं ऐसा नहीं चाहूँगा कि—"
“बेहतर होगा कि तुम यह सब बंद कर दो, यंगर। अगर तुम अपनी भलाई चाहते हो तो

— ”

“जो? क्या तुम हो? जो, तुम इस तरह क्यों बात कर रहे हो?”
“तुम जानते हो मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ, कमीने, मैं बात कर रहा हूँ—”
“जो, तुमने मेरे सामने कभी ऐसे बात नहीं की। क्या तुम मेरे बारे में हमेशा से ऐसा ही सोचते थे? और मुझे लगा था कि हम दोस्त हैं, जो। हम हमेशा इतनी सहजता से बातें करते थे, हमारे बीच कभी कोई राज़ नहीं था, कोई मनमुटाव नहीं था—”
“ये तो उत्पीड़न है, यंगर, बस यही है। क्या तुम्हें लगता है कि मुझे कानून की जानकारी नहीं है?” बूढ़ा आदमी खुद पर काबू रखने की कोशिश कर रहा था; उसकी आवाज़ चीखने की तीव्र इच्छा से कांप रही थी, लेकिन उसने चीखा नहीं। “मैं एक वकील बुला लूंगा, कमीने, मैं तुम्हें—”
यंगर ने फोन पर मीठी आवाज़ में कहा, “जो, क्या तुम मेरे खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराना चाहते हो? क्या तुम्हें यकीन है कि तुम यही चाहते हो? अगर यही चाहिए, तो तुम्हें थाने आना पड़ेगा, जो। यहाँ बहुत ठंड है, तुम्हें पता है? ठंड और कड़ाके की ठंड, खिड़कियों पर सलाखें लगी हैं, घर जैसी गर्म, मुलायम और आरामदायक नहीं। जो, तुम्हारी हड्डियाँ बूढ़ी हो गई हैं, तुम्हारी त्वचा बूढ़ी हो गई है और तुम्हारा खून भी बूढ़ा हो गया है; क्या तुम वाकई यहाँ आना चाहते हो?”
“तुम इससे बच नहीं सकते। मुझे अपने अधिकार पता हैं। यह उत्पीड़न है; तुम इससे बच नहीं सकते।” लेकिन बूढ़े आदमी की आवाज़ में अब कंपन पहले से कहीं ज़्यादा स्पष्ट था, और इसका कारण अलग था।

यंगर ने कहा, "जो, जिस तरह से तुम बिना बात के इतना उत्तेजित हो जाते हो, उससे किसी को लग सकता है कि तुम कुछ छिपा रहे हो। यह सही तरीका नहीं है।" "अगर आपको लगता है कि आपके पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है, तो आप उसके बारे में कुछ क्यों नहीं करते?"
यंगर ने फोन पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया और कुछ सेकंड बीतने के बाद ही उसने बात खत्म की, ताकि बूढ़ा आदमी उसकी कही हुई बात सुन सके, उसके शब्दों की गूंज सुन सके, समझ सके कि वे कैसे सुनाई दे रहे हैं। फिर उसने कहा, "जो, तुम्हारा क्या सुझाव है?" उसकी आवाज़ बिल्ली की तरह म्याऊं जैसी थी।
फिर से सन्नाटा छा गया, और अंत में बूढ़े आदमी ने कहा, "मुझे अकेला छोड़ दो।"
“मैं तुम्हें अकेला छोड़ देता हूँ, जो। तुम्हें बस इतना करना है कि मुझे अपने नाम की स्पेलिंग बता दो, बस इतना ही। मुझे बता दो कि मैंने स्पेलिंग सही लिखी है या नहीं। मैंने बस यही पूछा था, जो।”
“ज़रूर।” बूढ़े आदमी की आवाज़ थकी हुई लग रही थी।
“अब, ये रही वो स्पेलिंग जो मुझे मिली है, जो, मैं तुम्हें फिर से बता रहा हूँ। ध्यान से सुनो, और अगर ये सही है तो—”
“मैंने इसे पहली बार में ही सुन लिया था,” थकी हुई आवाज ने कहा। “तुम जानते हो कि यह गलत है।”
“हाँ, मुझे भी यही लगा था, लेकिन मैं पक्का करना चाहता था। अब, सही स्पेलिंग क्या है, जो?”
क्या हमें इससे गुजरना ही पड़ेगा?
“जो, मुझे साफ-साफ बता दो। धीरे-धीरे और स्पष्ट, और मैं इसे यहाँ लिख लूँगा।” यंगर मुस्कुराया और ऐशट्रे से अपनी सिगार उठाते हुए बोला, “मेरे पास यहीं पेंसिल है।”
बूढ़े आदमी ने अपना नकली नाम धीरे-धीरे बताया, हर अक्षर को ऐसे बोला मानो वो इतना थका हुआ हो कि फोन पकड़ भी न सके, मानो किसी भी पल गिर जाए। उसने झूठा नाम बताया, और जब वो बोल चुका तो यंगर ने कहा, "देखो, अब ये इतना मुश्किल नहीं था, है ना? जो, तुमने ये सब क्यों किया? क्या आज सुबह तुम्हारा मूड ठीक नहीं है?"

"बस इतना ही?"

"फिलहाल के लिए, जो।"
यंगर ने फोन काट दिया, सिगार को अपने दांतों के बीच दबाया और मन ही मन मुस्कुराया।

6

यंगर ने बूढ़े आदमी के घर के सामने गाड़ी रोक दी। उसने खिड़कियाँ नीचे कीं और टू-वे रेडियो की आवाज़ पूरी तरह बढ़ा दी; फिलहाल उससे सिर्फ़ स्टैटिक की आवाज़ आ रही थी। फिर उसने एक नई सिगार निकाली, उसे खोला, जलाया और इंतज़ार करने के लिए बैठ गया।
एक मिनट बाद रेडियो से कर्कश आवाज आई, जो इतनी तेज थी कि शब्द समझ में नहीं आ रहे थे। यंगर बस वहीं बैठा रहा, आवाज गूंजती रही, फिर बंद हो गई और सिर्फ कर्कश ध्वनि सुनाई देने लगी।
उसने घर की तरफ नहीं देखा। उसे देखने की ज़रूरत ही नहीं थी। वह जानता था कि बूढ़ा आदमी अंदर है, और वह जानता था कि बूढ़ा आदमी रेडियो की आवाज़ सुन सकता है, और वह जानता था कि बूढ़े आदमी को बाहर देखना ही पड़ेगा और उसे यहाँ बैठे हुए देख लेना पड़ेगा। यंगर को घर की तरफ देखने की ज़रूरत नहीं थी, न ही पर्दे की सरसराहट देखने की, न ही खिड़की में किसी बूढ़े चेहरे को देखने की; वह बिना देखे ही जानता था कि क्या होगा।
फिर भी, कुछ देर तक कुछ नहीं हुआ। बीच-बीच में तेज़ आवाज़ में ऐसे शब्द सुनाई देते थे जिन्हें समझा नहीं जा सकता था। बीच-बीच में घरघराहट की आवाज़ आती रहती थी, और यंगर अपनी सिगार को पूरा पीकर खत्म कर देता था और बचे हुए टुकड़े को खिड़की से बाहर सड़क पर फेंक देता था।
आधा घंटा बीत गया। यंगर हिला तक नहीं। कुछ भी नहीं हुआ।
आखिरकार, बूढ़े आदमी के बरामदे का जालीदार दरवाजा ज़ोर से खुला और दीवार से टकराया। यंगर ने सिर घुमाकर देखा तो बूढ़ा आदमी गुस्से में घर से बाहर आ रहा था। वह सामने की सीढ़ियों से नीचे उतरा और रास्ते पर चलने लगा, उसके झुर्रीदार बूढ़े हाथ मुट्ठी में बंद हो गए थे। वह कार के पास आया और आगे झुककर खिड़की से अंदर देखा और बोला, "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
"हाय, जो। क्या तुम अब शांत हो?"
“तुम मेरे घर के सामने क्यों खड़े हो?” बूढ़ा आदमी बुरी तरह कांप रहा था, उसके हाथ, सिर और आवाज सब हिल रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो वह किसी भी पल यंगर का गला पकड़ लेगा।

यंगर ने मासूमियत का परिचय देते हुए अपने हाथ फैलाए। उसने कहा, "मैं बस आराम कर रहा हूँ, जो। थोड़ी देर गश्त पर रहने के बाद, मैं गाड़ी रोककर कुछ मिनट आराम करूँगा।"
तुम आधे घंटे से यहीं हो!
जो, उस दिन की उस फोन कॉल के बारे में। मैं इस बारे में सोच रहा था, और अगर मैंने कुछ ऐसा कहा जिससे आपको ठेस पहुंची हो, तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि मुझे खेद है।
"तुम इसे हमेशा जारी नहीं रख सकते, यंगर।"
“जो, इस दुनिया में मेरी बस यही ख्वाहिश है कि हम दोस्त बन जाएं। मैंने तुम्हें अपने सेना के सारे अनुभव इसलिए बताए क्योंकि मैं चाहती हूं कि तुम मेरे बारे में जानो, ठीक वैसे ही जैसे मैं तुम्हारे बारे में जानना चाहती हूं। बस, दोस्त, जो, इतना ही। अपने अनुभव साझा करें।”
बूढ़े आदमी ने अपनी आँखें बंद कर लीं। वह आगे की ओर झुका हुआ था, उसकी बाहें कार के दरवाजे पर टिकी थीं, उसका सिर खुली खिड़की से दिखाई दे रहा था। इस तरह आँखें बंद किए हुए वह लगभग मृत सा लग रहा था; उम्र की लकीरें थकान और चिंता की लकीरों के साथ मिलकर उसके चेहरे को किसी अतिरंजित पेंसिल स्केच जैसा बना रही थीं।
“एबनर यंगर और जो शीर,” यंगर ने सोच-विचार करते हुए कहा। “यह पुराने ज़माने के वाडेविल शो जैसा लगता है, है ना? जो, क्या तुमने कभी वाडेविल में काम किया है?”
बूढ़े आदमी की आंखें फिर से खुल गईं और वह यंगर को घूरने लगा। "तुमने क्या कहा?"
मैंने आपसे पूछा था कि क्या आपने कभी वाडेविल में काम किया है।
“तूने मुझे क्या कहा, कमीने? तूने मुझे क्या नाम दिया?”
यंगर हँसते हुए बोला, "अरे, जो, हम दोस्त हैं, तुम्हें मेरे लिए नाटक करने की ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारा नाम शुरू से जानता हूँ।"
बूढ़े आदमी ने अपना सिर हिलाया। अब वह स्तब्ध सा लग रहा था। उसने कार से खुद को दूर धकेला, मुड़ा और घर की ओर वापस चलने लगा, मानो वह नशे में धुत हो।
यंगर ने उसे सीढ़ी तक आधा ही आने दिया और फिर पुकारा, "शीर!" अब उसकी आवाज़ में दृढ़ता थी, उसमें से सारी आत्मीयता और प्रसन्नता गायब हो गई थी।

"वापस आओ यहाँ!" वह चिल्लाया, और यह ठीक उसी तरह था जैसे एक प्रथम सार्जेंट चिल्लाता है।
अब फैसला लेने का समय आ गया था। इस मोड़ पर बूढ़े आदमी को अंतिम निर्णय लेना ही था; वह अब और इंतजार नहीं कर सकता था, उम्मीद नहीं कर सकता था और हालात को यूं ही बिगड़ने नहीं दे सकता था। वह या तो एक बेकार सा झांसा देने की कोशिश कर सकता था, या घर में जाकर दरवाजे बंद कर ले और आखिरी कोशिश के तौर पर अपने पास मौजूद हर हथियार का इस्तेमाल कर ले, या फिर पूरी तरह से हार मानकर वापस आ जाए और यंगर के हवाले हो जाए, चाहे यंगर उससे कुछ भी चाहे।
लगभग एक मिनट बीत गया, बूढ़ा आदमी अपने घर के सामने यंगर की ओर पीठ करके, बिना हिले-डुले, अपने मन की बात तय करने में लगा रहा। जब उसने आखिरकार फैसला किया, तो वास्तव में, सब कुछ देखते हुए, वही एकमात्र फैसला था जो वह कर सकता था। वह इतना समझदार था कि एक बेकार की चाल चलने की कोशिश न करे, और इतना बूढ़ा था कि आखिरी दांव खेलने की कोशिश न करे। वह मुड़ा और यंगर के पास वापस आ गया।
यंगर ने कहा, "गाड़ी में बैठो।" उसकी आवाज़ में दृढ़ता थी; अब कमान उसके हाथ में थी, मुफ्त की सवारी का समय समाप्त हो चुका था।
बूढ़ा आदमी गाड़ी में बैठ गया और चुपचाप वहीं बैठा रहा।
यंगर ने उसे क्लिपबोर्ड और एक पेन थमा दिया। उसने कहा, "कालक्रमानुसार, मैं चाहता हूँ कि तुम उन सभी डकैतियों का विवरण लिखो जिनमें तुम कभी शामिल हुए थे, वह किस वर्ष हुई थीं, और तुम्हें उनसे कितना मिला था। पूरी रकम नहीं, बस तुम्हारा हिस्सा।"
हताश होकर बूढ़े व्यक्ति ने फुसफुसाते हुए कहा, "तुम मुझसे क्या चाहते हो?"
मैंने अभी आपको बताया। अब ध्यान से सुनो। इसे तीन कॉलम में लिखो, पहले तारीख, फिर शहर का नाम और फिर आपको कितनी रकम मिली। महीने या किसी और चीज़ की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, बस साल लिखो।
बूढ़े व्यक्ति ने अपने हाथ में पकड़ी कलम और गोद में रखे क्लिपबोर्ड को देखा, जिस पर खाली कागज तैयार था। उसी निराशा भरे स्वर में उन्होंने कहा, "मुझे यकीन नहीं है कि मुझे सब कुछ याद है।"
आपको याद रहेगा।

लगभग आधा घंटा लग गया। यंगर सिगार पीते रहे, रेडियो पर कभी-कभार आने वाली कॉल सुनते रहे और सड़क पर कम ट्रैफिक देखते रहे; उन्हें ज़रा भी अधीरता नहीं थी। सब कुछ हो जाएगा, हर चीज़ अपने समय पर। उन्होंने इक्यावन साल इंतज़ार किया था, वे थोड़ा और इंतज़ार कर सकते थे।
अंत में, बूढ़े व्यक्ति ने कहा, "बस। यही है।"
यंगर ने सूची उठाई और उसका अध्ययन किया, लेकिन उसमें 1953 में क्लीवलैंड के लिए कोई उल्लेख नहीं था। उसने अपना सिर हिलाया, सूची नीचे रख दी और बूढ़े आदमी के चेहरे पर एक जोरदार थप्पड़ मारा। "मुझसे झूठ मत बोलो," उसने कहा। "फिर कभी मुझसे झूठ मत बोलना, शीर।" उसने सूची का ऊपरी पन्ना फाड़ दिया और क्लिपबोर्ड वापस देते हुए कहा, "इस बार, इसे ठीक से करना।" बूढ़े व्यक्ति ने बिना कुछ कहे फिर से लिखना शुरू कर दिया। जब उन्होंने लिखना समाप्त किया, तो उसमें 1953 में क्लीवलैंड का उल्लेख था। यंगर ने सिर हिलाकर कहा, "ठीक है, शीर, यह अच्छा है। अब तुम आगे लिख सकते हो।" बूढ़े आदमी ने हैरानी से उसकी ओर देखा। "मैं क्या कर सकता हूँ?"
गाड़ी से बाहर निकलो। घर जाओ।

"भगवान के लिए, कैप्टन यंगर, आप मुझसे क्या चाहते हैं?"
“मैं वापस आऊंगा,” यंगर ने उससे वादा किया। “और तुम भी यहीं रहोगे। अगर तुम अपनी भलाई चाहते हो तो।”

7

“एक मिलियन, आठ सौ छिहत्तर हज़ार डॉलर।” यंगर ने धीरे-धीरे, मधुर और मधुर स्वर में ये शब्द कहे, अपने मुँह में संख्याओं के इस सुखद एहसास का आनंद लेते हुए। “तुमने बहुत सारा पैसा कमाया है, जो,” उसने कहा। “बहुत सारा पैसा।”
सूची तैयार होने के तीन दिन बाद वे बूढ़े आदमी के बैठक कक्ष में बैठे थे। बूढ़ा आदमी पहले से दुबला, झुर्रियों से भरा और अधिक निराश लग रहा था। वह परिपक्व हो रहा था, धीरे-धीरे परिपक्व हो रहा था, लेकिन यंगर को कोई जल्दी नहीं थी। जब वह अंतिम कदम उठाएगा, तो उसे पता होगा कि बूढ़ा आदमी तैयार है। इसके अलावा, प्रतीक्षा करना ही आधा आनंद था। पीछा करने को जल्दबाजी में खत्म करने की कोई जरूरत नहीं थी।
“मुझे इसके बारे में बताओ, जो,” उसने कहा। आज वह फिर से मिलनसार था, थोड़ी नरमी बरत रहा था, वह नहीं चाहता था कि बूढ़ा आदमी इतना हताश हो जाए कि कोई मूर्खतापूर्ण काम कर बैठे, जैसे सब कुछ छोड़कर भाग जाए। उसने कहा, “मुझे बताओ ये डकैतियाँ कैसे होती हैं। मुझे क्लीवलैंड डकैती के बारे में बताओ, जो 1953 में हुई थी।”
बूढ़े आदमी ने उसकी ओर देखा। "क्यों?"
यंगर ने कंधे उचकाए, मुस्कुराया और कहा, "मुझे दिलचस्पी है, बस इतना ही। आप अपने पेशे में पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिनसे मैं मिला हूँ। मुझे पूरी कहानी बताइए, जो। पहले 1953 में क्लीवलैंड वाली घटना, फिर 1949 में डेस मोइन्स की डकैती, और फिर... खैर, बस शुरू कीजिए।"
बूढ़े आदमी ने कहा, "मैं तुम्हें समझ नहीं पा रहा हूँ। मैं तुम्हें बूझ नहीं पा रहा हूँ।"
"कोशिश भी मत करो, जो। बस मुझे अपने जीवन की कहानी सुनाओ।"
बूढ़े आदमी ने बोलना शुरू किया, पहले तो हिचकिचाते हुए, लंबे-लंबे विराम लेते हुए, शब्दों को खोजने और यह समझने की कोशिश करते हुए कि उसे अभी क्यों बोलना चाहिए। लेकिन धीरे-धीरे कहानी में डूबते ही उसकी बोलने की गति तेज हो गई और सारी बातें एक-एक करके बताने लगा: डकैती की योजना कैसे बनाई गई, हर

आदमी ने क्या किया, इस काम में क्या हुआ और उस काम में क्या हुआ, यहाँ क्या गलत हुआ और वहाँ क्या सही हुआ।
समय-समय पर वह किसी का नाम लेता था, और हर बार यंगर चुपचाप उस नाम को लिख लेता था, बस अपने पास रखने के लिए।
बूढ़ा आदमी बातें करता रहा, यंगर सुनता रहा, और धीरे-धीरे बूढ़ा आदमी सहज हो रहा था, अपनी कहानियाँ सुनाने की प्रक्रिया में रुचि लेने लगा था, उन्हें किस्सों की तरह, बातचीत की तरह ले रहा था। यंगर को भी रुचि हो रही थी, उसे सुनने में उतना ही आनंद आ रहा था जितना कि ट्रेन में अपनी कहानियाँ सुनाने में।
दोपहर ढलती गई, कमरा अर्ध-अंधेरा हो गया और बूढ़े आदमी की आवाज़ गूंजती रही। यंगर मुस्कुराता, सिर हिलाता और सुनता रहा, जिससे उसकी रुचि स्पष्ट हो गई। किसी अजीब तरीके से वह दोपहर अच्छी थी, उन दोनों के जीवन की सबसे बेहतरीन दोपहरों में से एक।
जब सब खत्म हो गया, तो बूढ़े आदमी ने कहा, “मैं तुम्हें समझ नहीं पा रहा हूँ। तुम पुलिसवाले हो, मेरे बारे में सब कुछ जानते हो, फिर भी मुझे गिरफ्तार नहीं करते। मुझे धक्का देते रहते हो, लेकिन फिर कुछ नहीं करते। मैं तुम्हें समझ ही नहीं पा रहा हूँ, मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या चाहते हो।”
दरवाजे पर खड़ा यंगर मुड़ा और मुस्कुराया। “मुझे क्या चाहिए? यह तो आसान है। आधा। जल्द मिलते हैं।” उसने अपनी काउबॉय टोपी पहनी और चला गया।

8

लेकिन मेरे पास उतना पैसा नहीं है!
“हाँ, बिल्कुल, जो।” यंगर धैर्य से काम ले रहा था, मानो कोई संत हो। “मैंने तुम्हें आंकड़े दिखाए हैं, और यही सही तरीका है।”
बूढ़ा आदमी सोफे पर बैठा अपने हाथ मल रहा था। उसने कहा, “तुम्हें पता है मेरा सारा पैसा कहाँ है? बैंकों और म्यूचुअल फंड में है; सब निवेश किया हुआ है। मैं इस तरह नकदी में पैसा नहीं रखूंगा। मैं इतनी बेवकूफी क्यों करूंगा?”
“आधा मिलियन, जो,” यंगर ने कहा, उसे यह वाक्यांश बोलना अच्छा लगता था, वह इसे बार-बार कहना पसंद करता था। “कम से कम आधा मिलियन, बिल्कुल कम से कम। और मुझे इसका आधा हिस्सा चाहिए। और मेरा सब्र अब जवाब दे रहा है, जो।”
मैं भगवान की कसम खाता हूँ, मैं कसम खाता हूँ कि मेरे पास उतना पैसा नहीं है, मेरे पास उतना पैसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं भगवान की कसम खाता हूँ। यंगर ने आह भरी और सिर हिलाया। “इन सभी सत्रों में मुझे तुम्हें थप्पड़ मारने ही पड़ते हैं। मुझे ऐसा करना बिल्कुल पसंद नहीं है, जो, सच में। अब चलो ये सब मज़ाक करना बंद करते हैं।”

“रुको! कृपया रुकिए!”
यंगर उसके ऊपर खड़ा था, मुट्ठियां भींची हुई थीं।
बूढ़े आदमी ने कहा, "मैं तुम्हें अपनी क्षमता के अनुसार, जो मेरे पास है, वह दे दूंगा... मेरे घर में एक हजार डॉलर हैं, मैं तुम्हें वह दे दूंगा। और बाकी जो कुछ भी मेरे पास है, वह सब मैं ले आऊंगा।"
“हजार? चलिए देखते हैं।”
रसोई की ओर जाते समय यंगर ने बूढ़े आदमी की पीठ की ओर देखकर मुस्कुराया। एक हज़ार, बस एक हज़ार? आख़िरकार, इससे बाकी रकम मिल ही जाएगी।
लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रसोई में, बूढ़े आदमी ने आटे के डिब्बे से एक थैली निकाली और उसमें एक हजार डॉलर थे। लेकिन बाकी रकम का कोई सुराग नहीं मिला; आधा मिलियन डॉलर आटे के डिब्बों में छिपाए नहीं जा सकते थे।

बूढ़े आदमी ने उसे पैसे देते हुए कहा, "मैं तुम्हें जितना हो सकेगा उतना दूंगा, मैं अपने खाते बंद कर दूंगा, अपने म्यूचुअल फंड वापस बेच दूंगा—" “छोड़ो ये सब बातें, इनके बारे में बात करना बंद करो!” यंगर ने गुस्से में आकर पैसों का बंडल रसोई की शेल्फ पर पटक दिया। “तुम्हें क्या लगता है मुझे तुम्हारे म्यूचुअल फंड्स की कोई परवाह है? मुझे तो बस ये हज़ार डॉलर चाहिए। ये पहला हज़ार डॉलर है, जो, अब बाकी कहाँ है?”
बूढ़े आदमी ने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसने अपना सिर हिलाया।
यंगर ने उसे नीचे गिरा दिया।

9

तीन बार घंटी बजाने के बाद यंगर ने दरवाजा तोड़ दिया। उसे पता था कि वह बूढ़ा बदमाश यहीं अंदर है, तो वह क्या चाल चलने की कोशिश कर रहा था? उसे इसका पछतावा होगा, उस बूढ़े को, उसे इसका पछतावा जरूर होगा।
लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यंगर ने पूरे घर में ढूंढा और आखिरकार उसे बाथरूम में शावर रिंग से लटका हुआ बूढ़ा आदमी मिला, नग्न और नीला पड़ा हुआ, जिसका चेहरा किसी राक्षस जैसा था।
यंगर को यकीन नहीं हो रहा था। उस नीच बदमाश ने ऐसा क्यों किया? ऐसा तो था नहीं कि यही एकमात्र रास्ता था; वह अपनी आधी संपत्ति यंगर को दे सकता था और बात वहीं खत्म हो जाती। वह आराम से जी सकता था, कोई परेशानी नहीं। और हाँ, उसके पास इतना पैसा भी बच जाता जितना ज़्यादातर लोग पूरी ज़िंदगी में नहीं कमाते।
अब पैसों का क्या? यंगर घर में इधर-उधर चक्कर लगा रहा था, सोच रहा था, सोच रहा था। क्या अब वो हमेशा के लिए खो गए? उसकी भटकती आँखें पैसों को ढूँढ़ती रहीं, ईंट, पत्थर, मिट्टी, लकड़ी, धातु या जो भी चीज़ पैसों को छुपा रही थी, उसके पीछे देखने की कोशिश कर रही थीं, हरे नोटों के ढेर में कहीं न कहीं, कहीं न कहीं, उसे देखने की कोशिश कर रही थीं...
लेकिन कहाँ? बूढ़े आदमी द्वारा उसे पहले हज़ार डॉलर देने के बाद से दो हफ़्तों में यंगर इस घर को ऐसे छान मारा था जैसे कोई दूसरा कफ़लिंक खोज रहा हो, और वह लगभग कसम खाकर कह सकता था कि वह यहाँ नहीं है। वह तहखाने में या पिछवाड़े में दबा हुआ नहीं था, अटारी में फर्श के नीचे या अलमारी में किसी नकली पर्दे के पीछे या गद्दे के अंदर नहीं था, दीवारों या छत या फर्श में नहीं था, फर्नीचर या फिटिंग में नहीं था, घर में या ज़मीन पर कहीं भी नहीं था।
नहीं, और यह ओमाहा के अपार्टमेंट में भी नहीं था। पिछले हफ्ते यंगर उस बूढ़े आदमी को वहाँ ले गया था और अपार्टमेंट की तलाशी ली थी, और वहाँ कुछ भी छिपा हुआ नहीं था।

न तो दोनों जगहों में कहीं भी कोई सेफ़्टी डिपॉज़िट बॉक्स की चाबी मिली, न ही रेलवे स्टेशन के लॉकर की चाबी, न ही किसी तरह का नक्शा, और न ही कोई ऐसी चीज़ जिससे पैसे के ठिकाने का ज़रा भी सुराग मिल सके।
शीर के पास कार नहीं थी। वह ओमाहा के अलावा कहीं और यात्रा नहीं करता था, और वह भी केवल ट्रेन से। उसका जीवन सीमित और निर्धारित था, और यंगर उस दायरे के हर कोने से वाकिफ था। पैसा उसी दायरे में कहीं न कहीं होना चाहिए था, बस यही बात मायने रखती थी।
तो वो उसे ढूंढ ही लेगा, आखिर उस बूढ़े कमीने ने उसे धोखा नहीं दिया था। शीर भले ही मर गया हो, लेकिन पैसा अभी भी ज़िंदा है और यंगर भी, और देर-सवेर वे दोनों मिल ही जाएंगे।

लेकिन सबसे पहले ज़रूरी काम। बूढ़ा आदमी मर चुका था, उसका शरीर वहाँ लटका हुआ था, और बाकी सब चीज़ों से पहले उसका निपटारा करना ज़रूरी था। इसे आत्महत्या नहीं कहा जा सकता था, वह इतना तो जानता था। यंगर ने बूढ़े आदमी में अपनी दिलचस्पी पूरी तरह से नहीं छिपाई थी। उसने पुलिसकर्मियों की मदद से शीर पर नज़र रखी थी और आपात स्थिति में संपर्क करने के लिए शीर का फ़ोन नंबर पुलिस स्टेशन में छोड़ दिया था। अगर बूढ़े आदमी की मौत को आत्महत्या करार दिया गया और उसके बाद सामान्य जांच शुरू हुई, तो यह सारा मामला उल्टा पड़ सकता था।
जैसे पोस्टमार्टम होता है। अगर मौत आत्महत्या होती, तो सामान्य पोस्टमार्टम होता, और डॉक्टर सबसे पहले शीर पर यंगर द्वारा बनाए गए निशान देखते - चोट के निशान, जलने के घाव, कटे हुए घाव और रस्सी के निशान, वो सब कुछ जो यंगर ने उस जिद्दी बूढ़े आदमी के शरीर से पांच लाख डॉलर निकालने की कोशिश में किया था। डॉक्टर को पता चल जाता कि किसी ने शीर को यातना दी है, और उसके बाद यंगर मुसीबत में पड़ जाता।
लेकिन इसे आत्महत्या के अलावा कुछ और कैसे बनाया जाए, यही समस्या थी। यंगर इस बात को लेकर काफी परेशान था, मृतक के घर के बैठक कक्ष में इधर-उधर टहल रहा था, सिगार के कश ले रहा था, और आखिरकार उसे डॉ. रेबोर्न की याद आ गई। आखिरकार, बस एक ऐसे मृत्यु प्रमाण पत्र की ज़रूरत थी जिसमें आत्महत्या का ज़िक्र न हो, और डॉ. रेबोर्न कैप्टन यंगर पर एक छोटा सा एहसान करके खुशी- खुशी ऐसा प्रमाण पत्र बना देंगे। रेबोर्न भी यंगर की नौकरी के शुरुआती कुछ

xxxxxxx xxx xxxx xxxxxxxx xxxxxxxxx xxx xx xx xx; xx xxxx xx xxx xxxx xx xxx xxxxx xxxxx xx xxxxx xxxx xx xxxx xxxxxxx xxxx xxxx xx xxxx xx xx xx xxxxxxx xx. xxxxxxxx xx xxxxx xxx xxx

xxxxxxxx xxx xxxx xxxx xxxxx xx, xx xx xx xxxx xx xxxxx xxx xx. xxx xx xxxxxxx xxxx xxxx, xx xxxx xxx xxxxxxxx xx xxx xx xxxxxxxx xxxx xxxx xxx xxxx xxxxx xx xxxxxxxx xxxxx xx xxx xxxx xx xx xxx xxxxx xxxx xx xxxxx xxxxx xx xxxxx xx xxx xxxxxxxx xxxxx

xxx xxx xxx xxxxxxx xx xxxxxxxx xxxx xx xxxx xx xxxxxxxx xxxxxxxx xxx xxxxxxx xx, xxxxxxx xx xxxx xxxxxxx xxxx xxxxx xx, xx xxxxxxx xxxx xxxx xxxx xxxxxxxx xxxxxxxx xx xxx xxxx xxx xxx xxx xxxx xxxx xx, xxxxx xx xx xx. xxxxxxxx xx xxx xxxxx xx xx xxxx xxxxx xx xxxx xxxxx xxxxxxxxx xx xxxx xx xxx xxxx xxxx xx xxx xxx xx xxxxxxxxx xx xxxx xx xxxx xx xxxxxxxx xxxxx xx xxxxxxxxx xxxxx xx xxx xx xxx xxx, xxx xx xxxx xx xxxx xxxxxxx xxx xxx xxxx xxxx xxxx xxx

xx xxx xxx xx xxxx xxx xxx xxxxxxxx xx xxxxxxx xx xxxx xxx xx xxxx xxx xx xxxx xx xxxxx xx xxxxxxx xxxx xxx xx xx xx xx xxxx xx, xxxx xxx; xxx xx xxx xxxxxxx xxx

xxxx xxx xx xxxx xx xx xxxxxxx xxxxx xxxx xxxx xx xxx xxxxx, xx xxxx xxxxxxx xxx xx xxxxx xxx xx xx xxx xxxx xxxx xxxxx xx xxxxx xx xxx xx xxx xxx xxxx xxxxx xxxxx xxx xxx xxx, xxxx xx xxxxx xxx xxxxx xx xx xxxxx xx xxxx xxxx xxx xxxxxxxx xxxx xx xxx, xxxx xxxx xxx xxxxxxx xx xxxxxxxx xxxxx xx xxx xxx xxxx xxx

xxxxxxx xx xxxxxxxx xxxxxx? xx xxxx xxxx xx xxx xx, xx xxx xx, xx xxx xx xxxx xxxx xxxxx xx? xx xx xxxxxxx xx xx xxx xxx, xx xxxxx xxx xx, xx xxxx, xxxx, xxxxx xxxxx xxxx xxxxx, xxxxxxx xx xxxxxxxx xxxxx?

xx xxxxx xx xxxx xxxx xx, xxx xxx xxxx xxxxxx xx xxxxx, xx xxxxxx, xx xxx xx xx xxxxxxx xxxxx, xxx xxx xxxx xx xxxx xxxxxx xxx xxx

xxxx xx xxxxx xx xxx xx xx xxxx xxxx xxx xxxx xxxx xx xx xxx xxxx xxxx xxx xxxx xx, xx xx xxxxx xxx xxxx xxxx xx xx xxxxx xxxx xx xxxxx xx xxxx xxxx xxxx xx xxxx xx, xxxx xx xxxx xxxxx xxxx xxx

यंगर ने विलिस पर नज़र रखी। अगले दिन विलिस ने शहर की टैक्सी ली और लिनब्रुक गया और वहाँ अखबार के दफ्तर में रुका। यंगर ने टैक्सी चालक सैमी से पूछताछ की, लेकिन सैमी को अपने यात्री के बारे में कुछ भी पता नहीं था। यंगर ने उसे चुप रहने और सवालों के बारे में विलिस को कुछ भी न बताने की चेतावनी दी, और फिर वह अपनी फोर्ड कार में वापस चला गया जैसे ही विलिस अखबार के कार्यालय से बाहर आया।
विलिस में कुछ ऐसा था जो लगभग डरावना था। वह लंबा-चौड़ा और कठोर दिखने वाला था, उसकी आँखें इतनी ठंडी थीं जितनी यंगर ने पहले कभी नहीं देखी थीं, और उसके हाथ पेड़ की शाखाओं की तरह टेढ़े-मेढ़े थे। उसके कपड़े उस पर ऐसे फिट होते थे मानो समाज के साथ एक अड़ियल समझौता हो, मानो उन कपड़ों के अंदर का आदमी कभी भी सूट और सफेद कमीज में, गले में बंधी टाई और पैरों में चमड़े के जूतों के साथ सहज महसूस नहीं कर सकता।
अगर पैसों का लालच न होता तो यंगर शायद विलिस से दूर ही रहता, लेकिन आधा मिलियन डॉलर छोड़ना बहुत बड़ी बात थी, बहुत बड़ी। वह उससे चिपटा रहा।

लेकिन फिर विलिस गायब हो गया, और ग्लिफ़ के घर पर, और फिर रेबोर्न के घर पर दिखाई दिया। यंगर को लगा कि विलिस गड़बड़ कर रहा है, और वह घबराकर पूरे शहर में विलिस को ढूंढने, उसे रोकने, और इससे पहले कि वह सब कुछ तहस-नहस कर दे, उसे रोकने की कोशिश करने लगा।
फिर उसने उसे बूढ़े आदमी के घर के तहखाने में बेहोश पाया। तहखाने की सीढ़ियों से नीचे आते हुए, विलिस को फर्श पर पड़ा देखकर यंगर के मन में उसे जान से मारने की तीव्र इच्छा हुई, उसे तुरंत मार डालने की, ठीक वैसे ही जैसे वह धूप में सो रहे किसी ज़हरीले साँप को मार डालता है। विलिस अब निहत्था था, और यंगर को मौका मिल गया था, और उसके कोट के नीचे छिपी बंदूक में उसे मारने का तरीका भी था। उसे दूसरा मौका कभी नहीं मिलेगा, ऐसा मौका फिर कभी नहीं।
लेकिन पैसों की लालसा इतनी प्रबल थी कि उसने ऐसा नहीं किया।
इसके अलावा, अब एक और आ गया था, टिफ्टस नाम का एक और अजनबी, जो शीर के पैसों पर कब्ज़ा करने के लिए चुपके से शहर में घुस आया था। कौन जानता था कि इस सब के खत्म होने से पहले कितने लोग आ जाएँगे, अपराधी, कठोर और खतरनाक आदमी, क्रूर आदमी, सभी उस पैसे के पीछे पड़े थे?

फिर टिफ्टस की हत्या हो गई, और यंगर समझ गया कि वह बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गया है। उसने विलिस के साथ साझेदारी कर ली ताकि वह खुद को इतना असुरक्षित महसूस न करे, लेकिन बाद में पता चला कि विलिस को भी पैसे के बारे में उससे ज्यादा कुछ नहीं पता था।
इसलिए उन्होंने काम को दो हिस्सों में बांट दिया। विलिस पैसे की तलाश करेगा और यंगर टिफ्टस के हत्यारे को ढूंढेगा। हत्यारे को ढूंढना जरूरी था; नहीं तो, वह कहीं और जाकर बिना किसी को पता चले पैसे हड़प सकता था।
यंगर जानता था कि वह विलिस पर भरोसा नहीं कर सकता। उसे पता था कि विलिस जैसे ही पैसा पाएगा, सब कुछ लेकर भागने की कोशिश करेगा। लेकिन यंगर इतना बेवकूफ नहीं था; उसने विलिस पर लगातार नज़र रखने के लिए अपने आदमी लगा रखे थे। उसे पता चल जाता कि विलिस के हाथ पैसा कब लगा, और कुछ ही देर बाद पैसा उसके हाथ में होता।
सब कुछ। विलिस उसे धोखा देने की कोशिश करेगा, है ना? इसलिए साझा करने का कोई कारण नहीं था, बिलकुल भी नहीं।

10

यंगर, जो शीर के घर के पीछे वाले खेत में इधर-उधर घूम रहा था; बार-बार, बार-बार, उसकी नज़रें घास-फूस से भरी, ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर टिकी हुई थीं। वह फावड़ा ढूंढ रहा था।
उसके अनुमान के अनुसार, फावड़ा यहीं होगा। शायद ठीक यहीं पीछे नहीं, लेकिन कहीं आस-पास ही। क्योंकि हत्यारे ने विलिस पर फावड़े से वार किया था, लेकिन टिफ्टस पर नहीं। राज्य पुलिस ने आखिरकार कुछ उपयोगी काम किया; उसे हत्या के हथियार की रिपोर्ट भेजी, जो असल में फावड़ा नहीं था, बल्कि एक भारी कांच की ऐशट्रे थी जो हत्यारे के आने से पहले ही कमरे में मौजूद थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि कातिल ने जो के घर से फावड़ा क्यों लिया था। क्या वह वहाँ खुदाई करने से दूसरों को रोकना चाहता था? यह बात समझ में नहीं आ रही थी। और न ही वह उंगलियों के निशान देखकर फावड़ा ले गया होगा; वह उसे पोंछ सकता था, जैसे उसने होटल में ऐशट्रे को पोंछा था।

यंगर के दिमाग में बस यही बात चल रही थी कि वह घबरा गया था। वह एक घंटे तक अंधेरे में तहखाने के दरवाजे के पीछे दुबका रहा, किसी के चलने की आहट सुनता रहा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि कौन है, क्या चाहता है या तहखाने का दरवाजा खोलेगा भी या नहीं। और जब आखिरकार उसने दरवाजा खोला और विलिस को ठीक से वार कर दिया, और विलिस सीढ़ियों से नीचे गिर गया, तो शायद वह इतना घबरा गया था कि ठीक से सोच भी नहीं पा रहा था। उसके दिमाग में सबसे दूर की बात यह थी कि वह नीचे जाकर फावड़ा वापस वहीं रख दे जहां से उसने उसे उठाया था। शायद घर से बाहर निकलने तक उसे यह भी याद नहीं आया कि फावड़ा उसके हाथ में है। अच्छा, वो इसे लेकर कितनी दूर जाता? एक घंटे बाद जब वो होटल पहुँचा तो उसके पास फावड़ा नहीं था। तो उसने क्या किया होगा, कुछ कदम चला होगा, एक ब्लॉक, दो ब्लॉक, और फिर उसे याद आया होगा कि फावड़ा अभी भी उसके पास है, और उसने उसे कहीं फेंक दिया होगा? यही सबसे ज़्यादा मुमकिन था।
बस फर्क इतना है कि शायद उसके पास कार थी। वह फावड़ा अभी कहीं किसी कार की पिछली सीट पर या डिग्गी में पड़ा हो सकता है। अगर कातिल के पास जो के घर के पास ही कोई कार होती, तो शायद यही हुआ होता।

लेकिन यंगर को शक था कि ऐसा नहीं था। यंगर को लग रहा था कि हत्यारा किसी की नजरों से बचने के लिए खेतों के उस पार, पीछे वाले रास्ते से जो के घर आया होगा और उसी रास्ते से वापस चला गया होगा, और संभवतः उसने फावड़ा यहीं कहीं फेंक दिया होगा। यही यंगर का सिद्धांत था और वह इसे परखने के लिए यहाँ आया था।
क्योंकि उसे एक सुराग, एक शुरुआती बिंदु चाहिए था, और उसके पास ऐसा कुछ नहीं था। उसे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि कातिल कौन हो सकता है। अगर उसका यह सिद्धांत सही था कि घबराहट में फावड़ा उठाया गया था, तो कातिल कोई शौकिया था, विलिस या टिफ्टस जैसे पेशेवर नहीं। और अगर वह शौकिया था, तो शायद वह स्थानीय नागरिक ही था।
लेकिन कौन? यहाँ पूरी कहानी किसी को नहीं पता थी, सिवाय यंगर के। रेबोर्न और ग्लिफ़ को कहानी का अपना-अपना हिस्सा पता था, यंगर के तीन गश्ती दल के जवानों को भी थोड़ा-थोड़ा पता था, लेकिन पूरी कहानी सिर्फ़ यंगर को पता थी। इसके अलावा, वे पाँचों बेगुनाह थे। उसने उनकी जाँच की थी, यह देखकर कि वे उस एक घंटे के दौरान कहाँ थे जब हत्यारा शीर के घर के तहखाने में छिपा हुआ था और उस समय जब टिफ़्टस की हत्या हुई थी, और उन पाँचों के पास उस समय के कम से कम कुछ हिस्से के लिए पुख्ता सबूत थे।
कोई और। यंगर उसका एक कोना पकड़ना चाहता था, बस उसका एक किनारा, बस शुरुआत करने के लिए। और वही फावड़ा था।
उसकी कल्पना कीजिए। तहखाने के दरवाजे के पीछे खड़ा, सिर पर बोरी, हाथों में फावड़ा। वह एक घंटा इंतज़ार करता है, कांपता हुआ, डरा हुआ, फिर विलिस को घूंसा मारता है और भाग जाता है। उसे तुरंत सिर से बोरी उतारनी है, लेकिन वह भी कहीं नहीं है। इसलिए वह इतना घबराया हुआ है कि एक हाथ में फावड़ा और दूसरे में बोरी लिए भाग जाता है। पीछे के दरवाजे से बाहर, नज़रों से ओझल होने के लिए, खेतों के पार, और रास्ते में कहीं फावड़ा और बोरी गिर जाती है।
यंगर उसे लगभग देख सकता था, उसका चेहरा छोड़कर सब कुछ देख सकता था, उसे खेत में भागते हुए देख सकता था, झुका हुआ, हाथों में फावड़ा और बोरी लिए। फिर उसे रुकते हुए, ठहरते हुए, किसी शिकार किए गए जानवर की तरह चारों ओर देखते हुए, फिर फावड़ा और बोरी फेंककर भागते हुए देख सकता था।

क्या वह फावड़े के हैंडल से अपने उंगलियों के निशान मिटाने के बारे में सोचेगा? शायद, लेकिन शायद नहीं।
तो यही एकमात्र उपाय था: खुद जाकर बूढ़े आदमी के घर के पीछे वाले खेत के एक-एक इंच की छानबीन करना। और अगर फावड़ा वहाँ नहीं मिलता, तो पड़ोसियों से पूछताछ शुरू करना। हो सकता है उनमें से किसी ने फावड़ा लिए उस आदमी को देखा हो। यह संभव था, बिल्कुल संभव था, और लोग ऐसी घटना को याद रखते, जैसे कोई आदमी फावड़ा लेकर दौड़ रहा हो।
"हेलो, कैप्टन! क्या आप कुछ ढूंढ रहे हैं?"
यंगर चौंककर ऊपर देखने लगा और उसके सामने लगभग उन्नीस साल का एक लड़का खड़ा था, लंबा, दुबला-पतला और मुहांसों से भरा हुआ। यंगर को अपने विचारों से बाहर आने में एक पल लगा, और फिर उसने उस लड़के को पहचान लिया; रिक्स का लड़का, जो जो शीर के बगल वाले घर में रहता था। वही लड़का जिससे विलिस उस पहली रात बात कर रहा था।
यंगर ने कहा, "नमस्ते।" लड़के का पहला नाम क्या था? अल्फ्रेड, बस यही। "नमस्ते, अल्फ्रेड।"
“शायद मैं आपकी मदद कर सकता हूँ,” लड़के ने कहा। “अगर आपका कुछ खो गया हो तो।”
यंगर ने संयोगवश पूछा, "क्या आपने कल यहाँ किसी आदमी को फावड़ा लिए देखा था?"
“एक आदमी फावड़ा लिए हुए?” लड़के ने भौंहें चढ़ाकर सिर हिलाया। “मैंने फावड़ा तो देखा, लेकिन कुछ और नहीं देखा—”
यंगर ने कहा, "एक फावड़ा? कहाँ?"
“वहाँ, उस लाल झाड़ी के पास। आज सुबह मुझे वह मिली, और उसके ठीक बगल में आलू की बोरी जैसी एक थैली भी मिली।”

कप्तान लाल झाड़ी की ओर चल पड़ा। “क्या वह अभी भी वहीं है, आपको क्या लगता है? अगर वह अभी भी है तो—”
“मैंने इन्हें उठा लिया,” लड़के ने कहा। “मुझे नहीं लगा कि ये किसी के हैं, मैंने इन्हें ऐसे ही फेंक दिया था।”
“तुम्हारे पास वे हैं? कहाँ?”
घर में, तहखाने में।

"मुझे दिखाओ।"
"ज़रूर।"
लड़का आगे-आगे चलने लगा, अपने घर की ओर और तहखाने में नीचे। वहाँ एक पुरानी मेज पर फावड़ा और बोरी रखी हुई थी।
यंगर ने उनकी तरफ देखा और मुस्कुराया। अब तक उन पर लड़के के पैरों के निशान तो होंगे ही, लेकिन शायद अभी भी कुछ और निशान मिल जाएं जिनका इस्तेमाल किया जा सके। कम से कम इससे तो उसकी थ्योरी साबित हो गई; कातिल घबरा गया था और बैग व फावड़ा लेकर खेतों की तरफ भाग गया था। वह एक नौसिखिए था, शायद स्थानीय नागरिक ही था। उसे ढूंढा जा सकता था।
यंगर ने कहा, “मुझे इन्हें अपने साथ ले जाना होगा, अल्फ्रेड। ये उस मामले में सबूत हैं जिस पर मैं काम कर रहा हूँ। जब मेरा काम पूरा हो जाएगा, तो मैं इन्हें वापस ले आऊँगा। जो मिले, वही रखे। ठीक है?”
लड़के ने कंधे उचकाते हुए कहा, "आप इन्हें रख लीजिए। हमारे पास तो अपना फावड़ा है ही।"
यंगर ऊपर गया और सामने के दरवाजे से बाहर निकलकर अपनी फोर्ड कार की ओर चल पड़ा। उसके वहाँ पहुँचने से पहले ही, विलिस जो के घर से बाहर आया और लॉन पार करते हुए बोला, "ये सब सामान तुम्हें कहाँ से मिला?"
यंगर खुद से खुश था। उसने कहा, "मेरा एक सिद्धांत था। मुझे लगा कि वह आदमी घबरा गया और—"
“ये तुम्हें कहाँ से मिले?”
चिढ़कर, विलिस को पूरी बात बताने की इच्छा से उसने कहा, "उस आदमी ने उन्हें घर के पीछे वाले खेत में फेंक दिया था।"
विलिस ने रिक्स के घर की ओर देखा। "क्या तुमने उन्हें वहीं पाया था?" "पड़ोस के बच्चे ने उन्हें ढूंढा।"
"ओह।"
"आप कैसे हैं?"
विलिस ने सिर हिलाया। "अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।"
मुझे नहीं लगता कि पैसा घर में है। अगर होता तो अब तक मिल गया होता।
“मैं ढूंढता रहूंगा,” विलिस ने कहा। वह मुड़ा और वापस घर के अंदर चला गया।

[illegible]

□□□ □□□

1

पार्कर वापस घर के अंदर चला गया। उसे पता था कि यंगर कुछ देर तक खुद को व्यस्त रखेगा, फावड़े पर उंगलियों के निशान ढूंढने में मज़ा लेगा। हो सकता है वह बोरी पर जमी धूल भी साफ कर दे।
निष्क्रियता पार्कर को चिड़चिड़ा और गुस्सैल बना रही थी। वह बस जो शीर के घर में बैठा रहता और उस सरकारी पुलिसवाले, रेगन का इंतज़ार करता रहता कि वह टिफ्टस के हत्यारे का पता लगाए। और शायद तब भी स्थिति सुधर न पाती। चाहे कुछ भी हो जाए, विलिस का भंडाफोड़ होने की पूरी संभावना थी।
लेकिन शायद नहीं। अब वह पांच मिनट पहले की तुलना में कहीं अधिक जानता था।
जब यंगर बेकार फावड़ा और बोरी लेकर चला गया, तो पार्कर बैठक कक्ष की खिड़की के पास गया और बगल वाले घर की ओर देखा। वहाँ की खिड़की से उसे इसी तरह का एक छोटा सा बैठक कक्ष दिखाई दिया, लेकिन वह ज़्यादा फर्नीचर से भरा हुआ था, और सारा फर्नीचर पुराना था। उसने ऊपर देखा, और दूसरी मंजिल पर शयनकक्ष की खिड़कियाँ दिखाई दीं, जो इस खिड़की और जो के रसोईघर की खिड़की के सामने थीं।
बच्चा फिर से बरामदे में था। पार्कर खिड़की से हटकर कमरे के उस पार बरामदे में चला गया। इस घर और बगल वाले घर के बीच बस एक संकरी गली की दूरी थी। पार्कर ने बच्चे को आवाज़ दी, "अरे, एक मिनट इधर आओ।"
बच्चे ने उसकी ओर देखा। "मैं?"
"हाँ, इधर आओ।"
"आप क्या चाहते हैं?"
"मुझे आपसे बात करनी है।"
बच्चे ने चारों ओर देखा, लेकिन उसे कोई और नज़र नहीं आया। उसने कहा, "मुझे यहीं रुककर फोन की घंटी का इंतज़ार करना होगा।"
इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।
बच्चा यह करना नहीं चाहता था, लेकिन वह सीधे-सीधे मना भी नहीं कर सका और न ही उसे कोई बहाना सूझा। उसने कुछ बार 'उह्ह्ह्ह' किया, और फिर बोला, "ठीक है। लेकिन फिर मुझे यहाँ वापस आकर फ़ोन की घंटी सुननी होगी।"

"ज़रूर।"
बच्चा लॉन पार करके बरामदे पर आ गया। पार्कर ने उसके लिए दरवाज़ा खुला रखा। बच्चा पार्कर की आँखों में आँखें मिलाकर बात नहीं कर रहा था। वह घर के अंदर चला गया, और पार्कर भी उसके पीछे अंदर गया, दरवाज़ा बंद किया और बोला, "तुम होटल में मेरे कमरे में क्यों गए थे?"
बच्चा चौंककर और डरकर पीछे मुड़ा। "क्या? आपका क्या मतलब है?"
पार्कर ने सिर हिलाया। “समय बर्बाद मत करो। तुम वहाँ गए थे और टिफ्टस ने तुम्हें पकड़ लिया था, और तुमने उसे घूंसा मारा था। ठीक वैसे ही जैसे तुमने तहखाने में मुझे घूंसा मारा था।”
मुझे नहीं पता—मुझे नहीं पता कि आप क्या कहना चाह रहे हैं—”
“मुझे समझ नहीं आ रहा,” पार्कर ने उससे कहा, “कि तुम मेरे कमरे में किसलिए आए थे। क्या तुम्हें लगता है कि मेरे पास पहले से ही पैसे थे?” “महोदय, मैं आपसे शपथ लेता हूँ—”
पार्कर ने उसे खुले हाथ से मारा। उसने कहा, "झूठ मत बोलो। तुम बहुत छोटे हो।"
बच्चा पल भर में रोने वाला था। उसने कांपते हुए हाथ से अपने गाल को छुआ, जो लाल हो रहा था, और बोला, "मुझे नहीं पता आप ऐसा क्यों कर रहे हैं—"
“तुम एक ताक-झांक करने वाले हो,” पार्कर ने उससे कहा। “मैंने तुम्हें बरामदे में देखा है, मैंने तुम्हें बैठक के कमरे की खिड़की पर देखा है। तुम खड़े होकर देखते रहते हो।”
इसमें कुछ गलत नहीं है। इसमें गलत क्या है?
पार्कर ने कहा, “यंगर, यहाँ रहने वाले बूढ़े आदमी, जो पर दबाव डाल रहा था। तुम देखते रहते थे। कभी-कभी, रात में, तुम चुपके से यहाँ की खिड़की के पास जाकर सुनते थे।”
बच्चा अपना सिर हिला रहा था। उसका मुंह खुला था, उसकी आंखें चौड़ी खुली हुई थीं।
पार्कर ने कहा, "तुमने उस आधे मिलियन डॉलर वाली बकवास पर विश्वास कर लिया। तुम यंगर जितने ही मूर्ख हो।"
“क्र-क्रैप?”
“ऐसा कुछ है ही नहीं। जो के पास कहीं भी कोई नकदी दबी हुई नहीं थी। उसकी सारी दौलत निवेश में लगी हुई थी, जैसा कि उसने यंगर को बताया था।”

“ले-लेकिन उसने, उसने ये सब किया—” बच्चा अचानक रुक गया और उसने अपना दूसरा हाथ भी अपने चेहरे पर रख लिया। दोनों हाथों से उसने अपने चेहरे का निचला हिस्सा ढक लिया और ऊपर से पार्कर को घूरने लगा।
पार्कर ने सिर हिलाया। “उसने वो सारी डकैतियाँ कीं। और पैसे खर्च कर दिए। इतनी तेज़ी से कि तुम या यंगर सपने में भी नहीं सोच सकते थे।”
मैंने नहीं किया—
“हाँ, तुमने किया। तुम नीचे खुदाई कर रहे थे। तुमने मुझे आते हुए सुना, और इंतज़ार किया, और जब मैंने तहखाने का दरवाज़ा खोला तो तुमने मुझे डंडे से मारा, और वापस घर भागकर एक कोठरी में छिप गए। तुम इतने डरे हुए थे कि फावड़ा छोड़ना भूल गए, इसीलिए तुमने उसे यंगर को दे दिया। उसे अपने पास रखने से डरते हुए, तुमने उसे बताया कि तुम्हें वह मिला है। यंगर बेवकूफ है, लेकिन कुछ समय बाद उसे समझ आ जाएगा।”
“मैंने ऐसा नहीं किया।” बच्चे ने अपना सिर बार-बार हिलाया। “मैंने ऐसा नहीं किया। मैंने सुना, मैंने उनकी बातें सुनीं, लेकिन मैंने ऐसा कुछ नहीं किया, मैं कसम खाता हूँ।”
पार्कर ने कहा, "मैं सिर्फ एक बात जानना चाहता हूं। आप होटल में मेरे कमरे में क्यों गए थे? मुझे समझ नहीं आ रहा है।"
“नहीं, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया—”
पार्कर ने उसे दो बार थप्पड़ मारा, एक बार आगे से और एक बार पीछे से। बच्चा रोने लगा, और पार्कर ने कहा, "मैं जानना चाहता हूँ। मुझे वो चीजें पसंद नहीं हैं जिन्हें मैं समझ नहीं सकता।"
बच्चा रोते हुए बोला, “तुम पुलिस को बता दोगे! तुम मुझे पुलिस के हवाले कर दोगे!”
नहीं। मैं कानून से बात नहीं करता।

बच्चा पलकें झपकाता रहा, फिर झपकाता रहा और पार्कर को घूरता रहा। "क्या तुम्हारा मतलब यही है? क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?"
“मैंने पुराने दिनों में जो के साथ काम किया था। मैं कानून से बात नहीं करता।”

उस लड़के ने कांपते हाथों से अपनी आँखें मलीं और सूखे होंठों को चाटा। उसने कहा, “मेरा ऐसा कुछ भी करने का इरादा नहीं था। न तुम्हें मारने का, न उस दूसरे आदमी को मारने का, न ही कुछ और। मुझे तो बस पैसे चाहिए थे।”
तुम मेरे होटल के कमरे में क्यों गए थे?
“मैं जानना चाहता था कि तुम कौन हो। जब मैंने तुम्हें बेहोश किया था, तब मैं तुम्हारा बटुआ देखना भूल गया था, और मुझे वापस आने में डर लग रहा था, क्योंकि शायद तुम अभी भी बेहोश नहीं थे। मुझे लगा कि मुझे जानना ही होगा, क्योंकि तुम घर की तलाशी ले रहे थे। मुझे नहीं पता था, शायद तुम एफबीआई से जुड़े हुए थे या कुछ और।”
"तुम्हें मेरा कमरा कैसे मिला?"
“मैं कैप्टन यंगर का पीछा कर रहा था, और वह तुम्हारा पीछा कर रहा था। उससे पहले, तुम्हारे ऊपर हमला करने से पहले।”
"तो तुम अंदर गए और टिफ्टस ने तुम्हें वहीं पकड़ लिया।"
“वह खिड़की से अंदर आया। मैं अलमारी के पीछे छिप गई, लेकिन उसने मुझे देख लिया। वह चिल्लाने लगा और भागने लगा, और मैं डर गई, इसलिए मैंने उसे ऐशट्रे से मारा। सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता था कि इससे उसकी मौत हो सकती है। मैं बस उसे बेहोश करना चाहती थी, मुझे नहीं पता था कि इससे उसकी जान जा सकती है।” टिफ़्टस हमेशा से यही सोचता था कि पार्कर को जो के सामान के बारे में उससे ज़्यादा जानकारी है। एक बार उसने कहा था, "अंदर की बात।" पार्कर जो को अच्छी तरह जानता था और इसलिए उसे अंदर की बात पता थी। टिफ़्टस ने सोचा होगा कि शायद जो का कोई पत्र या कुछ ऐसा हो जिससे पार्कर को वह अंदर की बात पता चल सके, और वह उसे खोजने निकल पड़ा था।
बच्चा कंपकंप रहा था, मानो उस पर ठंडा पानी डाल दिया गया हो। उसने कहा, "तुम पुलिस को नहीं बताओगे, है ना? बताओगे ना?"
वह लड़का मुसीबत था। उसे सब कुछ पता था, जो ने यंगर को जो कुछ भी बताया था, उसने सब सुन लिया था। और उसे पकड़ा जाना तय था; देर-सवेर उसे पकड़ा ही जाना था। उसने एक के बाद एक मूर्खतापूर्ण हरकतें की थीं, यहाँ तक कि यंगर को फावड़ा और बोरी भी दे दी थी। देर-सवेर यंगर या रीगन, ज़्यादा संभावना रीगन की थी, उस लड़के तक पहुँच जाते, और वह लड़का बस बोलता ही रहता। वह लगातार तीन दिन तक बोलता रहता, और एक बार भी अपनी बात नहीं दोहराता।

पार्कर ने सिर हिलाया। एक और बात पर चर्चा करनी है। उसने कहा, "क्या तुम्हारे घर पर कोई नहीं है?"
नहीं। मेरी माँ बाहर गई हुई हैं—”
“ठीक है। तुम्हें कुछ समय के लिए शहर से बाहर जाना होगा। मैं तुम्हें कुछ पैसे दूंगा।”
“क्या आप लाएंगे?” बच्चा आशा से चमक उठा।
"एक नोट लिख लो, ताकि तुम्हारी मां तुम्हारे पीछे पुलिस को न लगा दे।" “ओह। ज़रूर। यह तो आसान है।”
हम पहले वही करेंगे।
पार्कर उसे रसोई में ले गया और वहाँ से पेंसिल और कागज़ लेकर आया। बच्चे ने एक नोट लिखा। पार्कर ने उसे पढ़ा। यह ठीक था। उसने कहा, “जल्दी करो। बगल वाले घर जाओ, कुछ सामान पैक करो, ज़्यादा नहीं। फिर वापस यहाँ आ जाना।” "जी श्रीमान।"
बच्चे के गायब होने के वो दस मिनट बहुत बुरे थे। पार्कर बेचैनी से इधर-उधर चक्कर लगाता रहा। बहुत कुछ गलत हो सकता था।
लेकिन वह लड़का एक छोटा सा थैला लेकर वापस आया। उसने कहा, “मैंने सामान पैक कर लिया है। मैंने नोट डाइनिंग रूम की मेज पर छोड़ दिया है।”
"अच्छा," पार्कर ने कहा और उसे दो बार मारा।
उसने उसे तहखाने में उस गड्ढे में दफना दिया जिसे बच्चे ने खुद खोदा था।

2

पार्कर पीछे के रास्ते से निकल गया। वह जानता था कि यंगर ने उसे शहर से भागने से रोकने के लिए कुछ आदमियों को निगरानी में लगा रखा था, लेकिन उसे यंगर के सैनिकों की समझ उनके नेता से ज़्यादा नहीं थी। उसने बहुत पहले ही गली के उस पार खड़ी ग्रे रंग की प्लाईमाउथ कार को पहचान लिया था, जिसका इस्तेमाल घर के सामने पहरा देने वाला आदमी करता था, और खेतों के पार सड़क के किनारे खड़ी हरी रंग की डॉज कार घर के पीछे पहरा देने वाले आदमी की होती थी। अगर कोई तीसरा स्टेशन होता तो वह अब तक उसे ढूंढ लेता, इसलिए उसे बस प्लाईमाउथ और डॉज के बीच से जाना था।
वह घरों के पास से होते हुए पिछवाड़े वाले रास्ते से गया और डेढ़ ब्लॉक चलने के बाद सड़क पर आ गया। फिर वह सीधे शहर के केंद्र की ओर चल पड़ा।
वह होटल में उसी तरह दाखिल हुआ जैसे पहली बार बाहर आया था; पीछे की ओर बने आग से बचने वाले सीढ़ीनुमा रास्ते से। उसे टिफ्टस का कमरा नंबर याद था और वह जानता था कि रोंडा नाम की महिला बगल वाले कमरे में होगी।

जैसे ही उसने दरवाजा खटखटाया, उसने तुरंत दरवाजा खोल दिया। "तुम हो," उसने कहा। "आखिरकार आ ही गए।"
वह अंदर आया और दरवाजा बंद कर दिया। उसने काले रंग की स्ट्रेच पैंट और गुलाबी स्वेटर पहनी हुई थी और पूरा मेकअप किया हुआ था। उसने कहा, "तुम कहाँ जा रही थी?"
“कहीं नहीं। तुमने मुझे यहाँ आने और यहीं रहने को कहा था, मैं यहाँ आ गया और यहीं रह गया। मुझे तो लगने लगा था कि तुम मुझे भूल गए हो।”
वह बड़ी चालाकी से पेश आ रही थी। उसे लगा होगा कि वह यहाँ सेक्स के लिए आया है। उसने कहा, "हम दोनों इस शहर से निकलना चाहते हैं, है ना?"
उसने सिर हिलाया और फिर कंधे उचका दिए। "मैं इस तरह की जगह की आदी नहीं हूँ, इसे ऐसे ही समझ लीजिए।"
"जब तक कानून टिफ्टस के हत्यारों को सजा नहीं देता, तब तक हम नहीं जा सकते, है ना?"

“वो मैं हूँ, बेबी,” उसने कहा। “तुम नहीं। तुम बेगुनाह हो, याद है? तुम्हारे पुलिसवाले दोस्त ने तुम्हें झूठी गवाही दी थी।”
“यह बिल्कुल सीधा है,” उसने कहा। “मैं टिफ्टस को नहीं मारूंगा, मेरे पास कोई कारण नहीं है। उसे मारने से सब कुछ गड़बड़ हो जाएगा।”
“हाँ, मैं कहूँगी। और मैं आपको एक बात बता दूँ, मुझे वो लड़का पसंद था। वो कद में छोटा था, और उसका नाम थोड़ा अजीब था, लेकिन मुझे वो अच्छा लगता था। वो मेरी कदर करता था, इसीलिए।”
"ज़रूर।"
“उसने मुझे तुम्हारे बारे में कुछ बातें बताईं,” उसने कहा। “उसने जो बताया, उससे ऐसा नहीं लगता था कि तुम ही वो आदमी होगे जिसने उसकी हत्या की। मेरा मतलब है, अगर तुम ऐसा करने वाले भी होते, तो तुम्हें पता है? तुममें इतनी समझदारी तो होती कि तुम अपने ही कमरे में इस तरह से ऐसा नहीं करते।”

“ठीक है।” उसे एक मिनट के लिए उसे बोलने देना पड़ा; अगर उसने उसे जल्दी करने के लिए कहा, तो वह फिर से खड़ी हो जाएगी।
उसने कहा, “इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि तुम्हें यहाँ क्यों रुकना चाहिए। मुझे रुकना पड़ा क्योंकि उस पुलिसवाले, उस रेगन ने मुझे रुकने को कहा था। लेकिन तुम बेगुनाह हो।”
उन्होंने कहा, "पूरी तरह से नहीं। जब तक रीगन संतुष्ट नहीं हो जाती, तब तक नहीं।"
“सुनो,” उसने कहा, “यहाँ का मुखिया कौन है? क्या यह रीगन है, या तुम्हारा वह मोटा दोस्त?”
"यंगर प्रभारी है, लेकिन रीगन पुलिसवाला है।"
वाह, ये तो बहुत बढ़िया है। क्या वे कभी उस आदमी को पकड़ पाएंगे जिसने ये किया है?
"नहीं।"
उसे इस जवाब की उम्मीद नहीं थी। उसने सिर हिलाकर कहा, "क्या? क्यों नहीं?"
"क्योंकि मैंने उसे पकड़ लिया," पार्कर ने उससे कहा। "यह एक लंबी कहानी है, तुम इसे सुनना नहीं चाहोगी।"
“क्या तुम मजाक कर रहे हो? जरूर, मैं इसे सुनना चाहता हूँ।”

“तुम नहीं कर सकते।”
उसने उसके चेहरे की ओर देखा, और एक-दो पल के लिए वह बहस करने ही वाली थी, लेकिन फिर उसने अपना इरादा बदल लिया। "ठीक है, मुझे नहीं लगता," उसने कहा। "तो फिर इसका क्या मतलब है?"
"बात यह है कि हमें रीगन को कोई और देना होगा।"
"उदाहरण के लिए, कौन?"
कोई भी। कोई ऐसा व्यक्ति जो अब इस दुनिया में नहीं है।
और उसे इसे निगलना होगा?
“यंगर ही है, और वो करेगा भी। कहानी इतनी अच्छी होनी चाहिए कि यंगर उसे स्वीकार करके केस बंद कर दे। एक बार यंगर केस को सुलझा हुआ घोषित कर दे, तो रीगन कुछ नहीं कर सकता। जब तक यह पता नहीं चल जाता कि कातिल कौन है, तब तक वो सिर्फ सलाहकार की भूमिका में है।”
उसने संशय से कहा, "ठीक है, अगर आप ऐसा कहती हैं। हम यह कहानी कैसे सुनाएंगे?"
“यह निर्भर करता है। आपने रीगन को अब तक क्या बताया है?”
“हाहा। कौन सा समय? वो रीगन तो सड़क के उस पार भी मुझ पर भरोसा नहीं करता। पहले मैं उसे कुछ कहता हूँ, फिर कुछ और।”
पार्कर अधीर होता जा रहा था। यंगर कभी भी जो के घर जाने का मन बना सकता था, और पार्कर नहीं चाहता था कि यंगर परेशान हो। वह चाहता था कि यंगर को लगे कि सब कुछ उसके नियंत्रण में है।
उसने कहा, "बस मुझे बता दो कि तुमने उसे क्या बताया।"
उसने कंधे उचकाए और हाथ हिलाते हुए कहा, "पहली बार तो मैंने उसे सच बताया। दूसरी बार मैंने उससे कहा कि मुझसे गलती हो गई।" वह कमरे के उस पार गई और ड्रेसर से एक सिगरेट निकाल ली।
“मेरे लिए भी एक ले आओ,” उसने कहा। इसमें थोड़ा समय लगने वाला था।
वह एक फिल्टर वाली सिगरेट पीती थी। उसने उसे एक सिगरेट दी और उसने माचिस से सिगरेट जलाने से पहले उसका फिल्टर फाड़ दिया। जब वह सिगरेट जला रहा था, तब उसने अपनी भूरी आँखों से उसे स्थिर भाव से देखा। उसे अब भी लग रहा था कि वह सिर्फ शारीरिक संबंध बनाने के लिए आया है।

वो तैयार नहीं था। शायद बाद में, जब सब कुछ सुलझ जाएगा। मियामी में एक औरत उसका इंतज़ार कर रही थी, लेकिन वो उससे ऊब चुका था। बाद में फैसला करेगा, अभी नहीं।
वह चमड़े की कुर्सी पर बैठ गया और बोला, "मुझे बताओ कि तुमने उसे पहली बार क्या कहा था। एक-एक बात विस्तार से बताओ। मुझे ऐसे बताओ जैसे मैं वही हूँ और तुम ठीक वैसे ही कर रहे हो जैसे तुमने किया था।"
“मुझे इसका कोई मतलब नहीं दिखता, लेकिन क्यों नहीं?” वह दूसरी कुर्सी पर बैठ गई, पैर मोड़े और छत की ओर देखने लगी। “प्रिय इंस्पेक्टर रेगन,” उसने कहा, “यह सब तब शुरू हुआ जब मैं पाँच साल की थी…”
"मेरे पास इसके लिए समय नहीं है, रोंडा।"
उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने उसके चेहरे से मासूमियत छीन ली। "ठीक है," उसने सपाट स्वर में कहा। "मैंने उसे यही बताया। एडॉल्फ और मैं यहाँ छुट्टी मनाने आए हैं, बस यहाँ से गुज़र रहे हैं। जब हम अंदर आए तो एडॉल्फ ने आपको लॉबी में देखा और कहा कि वह आपको जानता है और आपसे मिलने जा रहा है। मुझे नहीं पता कि आप दोनों के बीच क्या हुआ, लेकिन आपने उसे पीटा और जान से मारने की धमकी दी। बस इतना ही।"
"उसे वापस उसके कमरे में ले जाने के बारे में क्या ख्याल है? क्या वहां आपसे मुलाकात हो सकती है?"
उसने सिर हिलाया। “नहीं। मैंने इसके बारे में कुछ नहीं कहा, मैंने बस सीधे-सीधे बात कह दी। तुमने उसे पीटा और बाद में वह कमरे में वापस आया और मुझे बताया कि तुमने ही उसे पीटा था।”
“क्या तुमने रीगन को यह बताया था? कि टिफ्टस बाद में कमरे में वापस आई और उसने तुम्हें बताया कि मैंने उसे पीटा था?”
"हाँ।"
“टिफ्टस ने ऐसा कैसे कहा? क्या तुमने कहा कि उसने मेरा नाम लिया, या कहा कि यह वही आदमी था जिसे उसने लॉबी में देखा था जिसने उसे पीटा था, या क्या?” छोटी-छोटी बातों से उसे परेशानी हो रही थी। वह चिढ़ रही थी, और अब उसने कंधे उचकाए, सिगरेट का धुआँ उड़ाया और कहा, "मुझे कैसे पता? मैंने पुलिसवाले को पूरी घटना नहीं बताई।"

“ठीक है, सुनो। तुमने रीगन को यही बताया था: तुम और टिफ्टस यहाँ आए, लॉबी में एक आदमी को देखा जिसे टिफ्टस ने कहा कि वह जानता है, टिफ्टस उस आदमी को देखने गया और वापस आकर कहा कि उस आदमी ने उसे पीट दिया। ठीक है?”
उसने सिर हिलाया। "बिल्कुल वही जो मैंने कहा था।"
“ठीक है। तो दूसरी बार तुमने उसे क्या बताया?”
“तुम वो आदमी नहीं थे। जब मैंने तुम्हें पहली बार उस दफ्तर में देखा, तो मुझे लगा कि तुमने ही ये किया है, और मुझे वो आदमी पसंद भी था, चाहे तुम मानो या न मानो, इसलिए मैंने तुम्हें फंसाया। लेकिन फिर मुझे सोचने का मौका मिला, और तुमने पुलिसवाले के साथ दोस्ती का बहाना बना दिया, तो जब मैं रीगन से दोबारा मिला, तो मैंने उसे बताया कि मुझसे गलती हो गई, असल में तुम वो आदमी नहीं थे।”
"तुमने उसे बताया था कि मैं वो आदमी नहीं हूँ जिसे टिफ्टस ने लॉबी में देखा था।"
"सही।"
पार्कर ने इस बारे में सोचा। उसने रीगन को पहले ही बता दिया था कि टिफ्टस उस सुबह उससे मिलने आई थी, और उसने कुछ देर बाद टिफ्टस को सड़क पर देखा था। उसे यह बात, साथ ही उस महिला द्वारा रीगन को बताई गई बातें भी शामिल करनी थीं, और इन सबको मिलाकर एक ऐसी कहानी बनानी थी जो किसी बिल्कुल नई दिशा की ओर इशारा करे।
जब वह सोच रहा था, वह दूसरी कुर्सी पर बैठी सिगरेट पीती रही और उसे देखती रही। वह थोड़ी उलझन में लग रही थी और हिचकिचा रही थी।
कुछ देर बाद उसने कहा, “ठीक है, रीगन, हमें एक नई कहानी सुनानी है। हम पुरानी कहानी को बदलते नहीं हैं, बस उसमें कुछ और जोड़ते हैं। तुम और टिफ्टस यहाँ आए, लॉबी में एक आदमी को देखा, टिफ्टस ने कहा कि वह उसे जानता है, फिर तुम चले गए, वापस आए और बताया कि उस आदमी ने उसे पीटा और जान से मारने की धमकी दी। जब तुमने मुझे देखा तो तुम्हें लगा कि मैं ही वह आदमी हूँ, लेकिन तुम गलत थे। वह आदमी लंबा और मेरे जैसा ही गठीला था, लेकिन मुझसे छोटा था और उसके बाल सुनहरे थे। और तुम्हें जो याद है, वह यह है कि टिफ्टस ने तुम्हें उसका नाम बताया था। जब उसने लॉबी में उस आदमी को देखा तो उसने कहा, ‘अरे, ये तो जिमी चैम्बर्स है।’ समझे? उसने कहा, ‘अरे, ये तो जिमी चैम्बर्स है।’”

उसने सिर हिलाया। "अरे, जिम्मी चैंबर्स तो है ही," उसने कहा। "लेकिन मुझे बात समझ नहीं आ रही।"
“चिंता मत करो। मैं यंगर के माध्यम से जिमी चैंबर्स के साथ कुछ और काम करवा लूंगा।”
लेकिन यह जिमी चैंबर्स कौन है? क्या यह सिर्फ एक मनगढ़ंत नाम है?
“नहीं। यह एक आपराधिक रिकॉर्ड वाला व्यक्ति है, रीगन को यह पता लगाने में कोई परेशानी नहीं होगी कि वास्तव में एक जिमी चैंबर्स है, और जिमी चैंबर्स टिफ्टस को जानता था, इसलिए सब कुछ ठीक हो जाएगा।”
उसने कहा, "वह सचमुच शहर में नहीं था, है ना?"
नहीं। अब, इसके बाद…”
उसने कहा, "मैं ऐसा नहीं कर सकती।"
“तुम क्या नहीं कर सकते?”
“मैं इस चैम्बर्स को मुसीबत में नहीं डाल सकता। क्यों न हम कोई नया नाम रख लें, बात तो वही रहेगी।”
“नहीं, ऐसा नहीं होगा। चैंबर्स एक ऐसा नाम है जिसकी रीगन जांच कर सकता है। और चैंबर्स की कुछ महीने पहले एक विस्फोट में मौत हो गई थी और किसी भी अधिकारी को इसके बारे में पता नहीं है, इसलिए उसे मुसीबत में डालने की चिंता न करें।”
क्या यह सच है?
“यह घटना एक ऐसे काम के दौरान हुई जिसमें हम दोनों साथ थे। मैं अपने ही जैसे लोगों पर कानून का सहारा नहीं लेता।”
“ठीक है,” उसने कहा। “आप मुझसे यह कब करवाना चाहते हैं?”
कल सुबह।
"उन्हें कल सुबह दफनाया जाएगा।"
उसे एक पल के लिए सोचना पड़ा, और फिर उसे एहसास हुआ कि वह टिफ्टस के बारे में बात कर रही है। उसने कहा, "तो रीगन अंतिम संस्कार में तुम्हारे साथ होगा। उसे तब बता देना।"
"मुझे अभी-अभी यह बात सूझी, है ना?"
“नहीं। आज रात तुम्हें यह बात याद आ गई, और तुम कुछ कहने वाले नहीं थे क्योंकि तुम्हें लगता था कि रीगन तुम पर भरोसा नहीं करता। लेकिन तुम अपने आदमी का बदला लेना चाहते हो, इसलिए तुम उसे सब कुछ बताने ही वाले हो।”

"मुझे उम्मीद है कि वह मेरी बात पर विश्वास करेगा," उसने कहा।
"इसकी चिंता मत करो।"
“ज़रूर।” लेकिन फिर उसका चेहरा खिल उठा और उसने कहा, “मैं एक असली सीन कर सकती हूँ, पूरा कब्रगाह वाला सीन। रोना, हंगामा करना, ताबूत पर लेट जाना, सब कुछ। मैंने इससे पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया।”
उन्होंने कहा, "ज्यादा मत करो, बस इतना ही।"
“मेरी चिंता मत करो,” उसने उससे कहा। “शायद तुम्हें इसका एहसास न हो, लेकिन मैं पेशे से एक अभिनेत्री हूँ।”
“अच्छा।” वह जल्दी से उठकर जाने लगा।
उसने कहा, "तुम्हें अभी जाना है? थोड़ी देर रुक जाओ।"

"किसी और समय।"
उसने बनावटी मुस्कान के साथ उससे पूछा, "क्या आप इसे बाद के लिए टालना चाहेंगे?"
"हाँ।"

3

लगभग आधी रात हो चुकी थी जब यंगर ने वापस फोन किया। पार्कर जो के घर के लिविंग रूम में अंधेरे में बैठा इंतज़ार कर रहा था। वह रोंडा से मिलने के बाद रात दस बजे से कुछ पहले लौटा था और उसने पुलिस मुख्यालय में फोन करके यंगर के लिए संदेश छोड़ा था कि वह उसे कॉल करे। फिर दो घंटे बीत गए, और पार्कर बस बैठा रहा और इंतज़ार करता रहा, किसी खास बात के बारे में नहीं सोच रहा था, कोई योजना नहीं बना रहा था, न ही बेचैन था और न ही चिड़चिड़ा। कभी-कभी उसके साथ ऐसा ही होता था, जब उसे पता होता था कि उसकी स्थिति क्या है और आगे क्या होगा; वह अंधेरे में अकेला बैठकर इंतज़ार कर सकता था, पत्थर की तरह शांत और धैर्यवान।
आखिरकार फोन की घंटी बजी और वो यंगर का फोन था। उसने सबसे पहले पूछा, "तुम्हें मिल गया?"
नहीं। मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।
"किस बारे में?"
“पैसा, और कुछ और। इधर आओ।”
"काफी देर हो चुकी है, विलिस।"

“हमें यह काम आज रात ही निपटाना होगा। क्या तुम कल टिफ्टस के अंतिम संस्कार में जा रहे हो?”
“रीगन चाहता है कि मैं जाऊं। वह भी, वह भी साथ आ रहा है।”
“अच्छा। अब इधर आओ, ज्यादा समय नहीं लगेगा।”
यंगर ने कुछ बड़बड़ाया, लेकिन थोड़ी देर बाद उसने कहा कि वह अभी आता है। पार्कर ने फोन रखा और उठकर घर में लाइटें जलाने लगा। वह जानता था कि जब वह अंधेरे में बैठता है तो दूसरे लोग इसे अजीब समझते हैं, और वह यंगर को किसी भी बात पर चिढ़ने नहीं देना चाहता था। उसने अपने लिए एक कप कॉफी बनाई और इंतज़ार करने के लिए लिविंग रूम में वापस चला गया, और दस मिनट बाद दरवाजे की घंटी बजी।
जब पार्कर ने दरवाजा खोला, तो यंगर शिकायत करते हुए अंदर आया। "तुम्हें पता है कि आधी रात हो चुकी है? उम्मीद है कि यह सब कुछ सार्थक होगा।"

"बैठ जाओ, यंगर, इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।"
वे दोनों बैठक कक्ष में बैठ गए और पार्कर ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि तुम एक बात पर विचार करो। तुम टिफ्टस के हत्यारे को ढूंढ रही हो। लेकिन रीगन भी उसे ढूंढ रही है। क्या होगा अगर रीगन उसे पहले ढूंढ ले?"
“मैं उसे तुरंत उससे दूर ले जाऊंगा। मैं अभी भी प्रभारी हूं, विलिस, मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है।”
पार्कर ने सिर हिलाया। "नहीं। जब रीगन तुम्हें बताए कि उसने उसे पकड़ लिया है, तभी उसे ले जाना। क्या रीगन तुम्हें तुरंत बता देगा?"
“वह निश्चित रूप से बेहतर है।” यंगर को यह विचार सुनकर अपमान महसूस हुआ। “क्यों?” पार्कर ने उससे पूछा। “अगर वह उस आदमी को एक घंटा, छह घंटे तक रोके रखे, उससे थोड़ी पूछताछ करे, और फिर उससे पूछताछ पूरी होने तक तुमसे कुछ न कहे, तो तुम क्या करोगे?”
मैं उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकता हूँ, धिक्कार है!
“इसका रीगन पर क्या असर होगा? उसके बॉस पर इसका क्या असर होगा? किसी छोटे से कस्बे का पुलिस चीफ इसलिए भड़क गया क्योंकि रीगन ने उसका हाथ नहीं थामा और उसे लगातार फोन नहीं किया।”
यह सच था, और यंगर को यह पता होना ही था। उसने शेखी बघारने की कोशिश की, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। आखिरकार उसने कहा, "इसका क्या मतलब है? इससे क्या फर्क पड़ता है?"
“अगर रीगन उसे पहले पकड़ लेता है,” पार्कर ने उससे कहा, “रीगन उससे सब कुछ उगलवा लेगा। तुम जानते हो वो ऐसा ही करेगा। उसे लगता है कि तुम्हारे और मेरे बीच कुछ चल रहा है। उसे शक है। जब तक उसे पता नहीं चलेगा कि क्या चल रहा है, वो उस आदमी को तुम्हारे हवाले नहीं करेगा, और तब तक बहुत देर हो चुकी होगी, सारा मामला सबके सामने आ जाएगा, और हमें पैसे मिलने का कोई मौका नहीं बचेगा।”
यंगर ने एक सिगार निकाला और उसे अपने हाथों में घुमाने लगा, लेकिन उसने उसे खोला या लपेटा नहीं। उसने कहा, "तो हम क्या कर सकते हैं?"
"मामले को बंद करवाओ। कातिल का पता लगाओ, ताकि रीगन का नामोनिशान मिट जाए।"
“हम ऐसा कैसे करेंगे? आपका मतलब किसी को फंसाना है? हम ऐसा करके बच नहीं सकते, मैं भी नहीं।”

“हमें शव की ज़रूरत नहीं है,” पार्कर ने उससे कहा, “सिर्फ़ नाम चाहिए। तुम्हें सीधे मुख्यालय जाना है और वाशिंगटन को एक टेलीटाइप अनुरोध भेजना है, कि तुम्हें जिमी चैंबर्स नाम के एक व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी चाहिए, जो एडॉल्फ टिफ़्टस नाम के एक व्यक्ति का सहयोगी बताया जाता है।” “जिमी चैंबर्स? किसलिए?”
“चुप रहो और मेरी बात सुनो।” यंगर फिर से अपमानित सा लग रहा था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा, और पार्कर यंगर की तरफ से आ रही किसी भी नज़र को अनसुना करते हुए बोलता रहा। “आज दोपहर, मैंने तुम्हें वो बात बताई जो मैं अब तक छुपा रहा था। मैंने तुम्हें वो बात बताई जो टिफ्टस ने मुझसे तब कही थी जब मैंने उसे मरने से पहले सड़क पर देखा था। रीगन वाली मेरी कहानी याद है? मैंने टिफ्टस को दो बार देखा था, पहली बार जब वो मेरे होटल के कमरे में आया था और थोड़ी देर बाद सड़क पर।”
यंगर ने सिर हिलाया। "मुझे याद है।"
ठीक है। जब मैं उससे सड़क पर मिला, तो उसने मुझसे कहा, मैंने देखा कि वह किसी लड़ाई में शामिल था और उसने मुझसे कहा, 'जिमी चैंबर्स ने मुझे पीटा।' मैंने उससे कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह शहर में है,' और उसने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अंतिम संस्कार के लिए यहाँ आया था।' बस इतना ही। समझ गए? यंगर ने संवाद दोहराया और कहा, "इसका क्या मतलब है? आखिर यह चैंबर्स कौन है?"
आपको इसका जवाब कल वाशिंगटन से मिल जाएगा।
फिर क्या होता है?
"फिर आप यह तय करते हैं कि चैंबर्स ने टिफ्टस की हत्या की, और आप रीगन को मदद करने के लिए धन्यवाद देते हैं, और आप उसे घर भेज देते हैं।"
"सिर्फ आपके कहने पर?"

नहीं। और भी सबूत मिलेंगे, चिंता मत करो।
“क्या सबूत?”
“इंतजार करो। जब तुम्हें यह मिले तो तुम हैरानी जताने में सक्षम होना। सबसे ज़रूरी बात यह है कि तुम आज रात ही यह अनुरोध भेज दो, जितनी जल्दी हो सके शहर पहुँच जाओ, और कल सुबह सबसे पहले रीगन को इसके बारे में बता दो।

समझ गए? कल सुबह रीगन से मिलते ही सबसे पहले उसे चैम्बर्स के बारे में बता दो। यह ज़रूरी है कि तुम इसे तुरंत करो।”
“ठीक है, ठीक है। बस इतना ही?”
“हाँ। फिर, रीगन के रास्ते से हट जाने के बाद, हम खुद पैसे और हत्यारे की तलाश कर सकते हैं।”
“हाँ,” यंगर ने कहा, “पैसे का क्या? मैं कातिल के करीब पहुँच रहा हूँ, मुझे फावड़ा और सब कुछ मिल गया है, लेकिन तुम्हारा क्या? तुम तो बस यहाँ बैठे हो।”
“मैं इस जगह से गुजर चुका हूँ,” पार्कर ने उससे कहा। “कल दोपहर, रीगन के इस मामले से बाहर निकलने के बाद, मुझे लगता है कि हमें ओमाहा जाना चाहिए और वहाँ जो के अपार्टमेंट को देखना चाहिए।”
“मैं उस अपार्टमेंट में पहले ही जा चुका हूँ, विलिस। अगर वहाँ पैसा होता, तो मैं उसे ढूंढ लेता।”
पार्कर ने सिर हिलाया। "मैं खुद उस जगह को देखना चाहता हूँ। क्या आप चाहते हैं कि मैं अकेला जाऊँ?"
"हरगिज नहीं," यंगर ने उससे कहा।
पार्कर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "तो हम साथ चलेंगे। हम आपकी कार में चलेंगे, यही सबसे अच्छा रहेगा। मुझे यहाँ लगभग तीन बजे ले जाना।"

"क्या आपको लगता है कि तब तक रीगन इस मामले से बाहर हो जाएगी?"
“क्यों नहीं? आप वाशिंगटन को अनुरोध भेजने में जल्दबाजी करें, आपको कल सुबह जवाब मिल जाएगा, रीगन दोपहर तक बाहर हो जाएंगे।”
यंगर ने कहा, "अगर वह बाहर होगा तो मैं आऊंगा। अगर वह बाहर नहीं होगा तो मैं नहीं आऊंगा। मैं बस इतना ही कह सकता हूं।"
“बस इतना ही काफी है। अभी शहर जाओ और वह अनुरोध भेज दो। रीगन को बता देना कि तुमने आज दोपहर को अनुरोध भेज दिया है।”
"जी हां, मुझे वह पहले ही मिल चुका है।"
पार्कर ने उसे बाहर जाने दिया, पाँच मिनट इंतज़ार किया और फिर पीछे के दरवाजे से निकलकर घरों के पीछे की ओर चला गया। उसे कल बंदूक की ज़रूरत पड़ने वाली थी, और अब उसे हासिल करने का सही समय था।

शहर का केंद्र एकदम शांत और सुनसान था। मुख्य सड़क के किनारे दुकानों के भीतर बिजली की घड़ियाँ जगमगा रही थीं, कुछ लाल नियॉन साइन रात भर जलते रहे, और रेलवे स्टेशन और होटल इन सबके बीच रोशनी का एक छोटा सा द्वीप बना रहे थे, लेकिन सड़क पर कोई यातायात नहीं था, फुटपाथ पर कोई पैदल यात्री नहीं था।
पार्कर को मुख्य सड़क से आधे ब्लॉक की दूरी पर एक गली में खेल के सामान की दुकान मिली। उसने पीछे की खिड़की को आसानी से पार कर लिया और वहाँ रखे घटिया सामान, जिनमें ज़्यादातर राइफलें और स्कोप थे, में से छानबीन करते हुए आखिरकार अपने लिए एक पिस्तौल चुन ली - एक छोटी नोक वाली आइवर जॉनसन ट्रेल्समैन.22। उसने गोलियों का एक डिब्बा उठाया और खिड़की से वापस बाहर आ गया, पीछे से सामान को इस तरह समेटते हुए ताकि चोरी तुरंत पकड़ी न जा सके।

वह वापस जो के घर गया, रसोई की मेज पर बैठा और बंदूक के पुर्जे अलग कर दिए। तेल साफ करने के बाद उसने उसे फिर से जोड़ा और उसमें गोलियां भर लीं।
वह बंदूक को तकिए के नीचे रखकर सो गया।

4

दरवाजे पर रीगन थी। पार्कर ने कहा, "अंदर आ जाओ।"
रीगन उत्सुक और असंतुष्ट लग रहा था। उसने सिर हिलाया, घर में कदम रखा और कहा, "मैं आपसे बात करना चाहता था।"
“ज़रूर।” पार्कर ने दरवाज़ा बंद कर दिया। “सरकारी काम?”
रीगन ने घृणा से मुंह बनाया। "अनौपचारिक," उसने कहा। "अब मेरा टिफ्टस हत्याकांड से कोई संबंध नहीं है।"
मुझे यह पता नहीं था। अंदर आइए और बैठिए।
रीगन बैठक कक्ष में चला गया, लेकिन बैठा नहीं। उसने एक सस्ता सा ओवरकोट पहना हुआ था और उसके हाथ जेब में थे। अपने भूरे रंग के छोटे बालों, चश्मे, सख्त मुंह और ओवरकोट के साथ वह अब किसी कॉलेज शिक्षक जैसा नहीं लग रहा था; वह वैसा ही दिख रहा था जैसा वह वास्तव में था; एक सख्त, होशियार पुलिसवाला, जिसे कुछ गड़बड़ लग रही थी और वह इसे जाने नहीं देना चाहता था।
पार्कर भी अपने पैरों पर खड़ा रहा। उसने कहा, "तुम्हें पता चल गया कि टिफ्टस का हत्यारा कौन है?"
रीगन ने कहा, "आप इसके बारे में मुझसे ज़्यादा जानते होंगे।" उन्होंने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई। "काश मैं जोसेफ शार्डिन से मिला होता," उन्होंने कहा। "वह इस पूरे मामले की कुंजी है।"
पार्कर ने कहा, "मुझे इसके बारे में क्यों पता होगा?"
“तुमने ही तो इसे सुलझाया था,” रीगन ने उससे कहा। वह व्यंग्य कर रहा था, लेकिन धीरे से, बिना किसी दबाव के। “तुमने ही हमें वह सुराग दिया जिसकी हमें ज़रूरत थी।”
"आपका मतलब जिमी चैम्बर्स के बारे में है?"
“वही तो है।”
"तो उसने ही किया था, है ना?"
“ऐसा ही लगता है। एबनर को पूरा यकीन है।”
"लेकिन तुम... नहीं हो।"
रीगन ने सिर हिलाया। "नहीं, विलिस, मैं नहीं हूँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; मैं प्रभारी नहीं हूँ।"

"अगर आप मुझसे कुछ पूछना चाहते हैं," पार्कर ने उससे कहा, "तो पूछिए। मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं।"
"क्यों?"
"क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम चार्ल्स विलिस की बुराई करो।"
रीगन ने उसे घूरते हुए भौंहें चढ़ाईं। "मुझे तो लगता है कि यही सच है," उसने कहा। "और मुझे समझ नहीं आ रहा। तुमने चैम्बर्स के बारे में बताने में इतना समय क्यों लगाया?"
“पहले तो मुझे लगा कि उसने ये किया ही नहीं होगा। फिर, कोई और ऐसा व्यक्ति सामने नहीं आया जो ऐसा कर सकता था, तो पक्का उसी ने किया होगा। मुझे लगा था कि अगर मैंने उसके बारे में बताया, तो तुम और यंगर उसे पकड़ लोगे और कहीं और नहीं देखोगे, क्योंकि वो जेल जा चुका है। लेकिन अगर उसने सच में ये काम किया है, तो मैं उसका बचाव नहीं करना चाहूँगा। क्या तुमने उसे पकड़ लिया?”
रीगन ने सिर हिलाया। "ऐसा लगता है कि वह अब शहर में कहीं नज़र नहीं आता।"

"खैर, अगर उसने ऐसा किया है तो यह तो स्वाभाविक ही है।"
“सब कुछ समझ में आ रहा है,” रीगन ने कहा। “थोड़ी देर हो गई, लेकिन सब कुछ समझ में आ रहा है। पहले जो अलग-अलग कहानियां आपस में ठीक से नहीं जुड़ रही थीं, वे अचानक चुंबक की तरह एक साथ जुड़ गईं। तुम्हारे और एबनर तथा सैमुअल्स नाम की महिला के बीच कोई न कोई संबंध जरूर है, जिसे मैं ढूंढ नहीं पा रही हूँ।”
"यह सब होने से पहले मैं उन दोनों को नहीं जानता था," पार्कर ने कहा।
“मुझे भी यही लगता है,” रीगन ने उससे कहा। “इसीलिए तो मुझे समझ नहीं आ रहा।” वह लिविंग रूम में घूमते हुए फर्नीचर को देखने लगा। “शार्दिन ही असली वजह है,” उसने पार्कर से ज़्यादा खुद से कहा। “उसकी मौत हो जाती है, और उसके तीन पुराने दोस्त अंतिम संस्कार में आते हैं, मियामी का एक बिजनेसमैन और दो पूर्व कैदी। उनमें से एक पूर्व कैदी दूसरे को मार देता है, और वह बिजनेसमैन अचानक स्थानीय पुलिस कप्तान का दोस्त बन जाता है। और मारे गए आदमी की प्रेमिका से भी, यह मत भूलना। पहले वह उसे अपने आदमी का हत्यारा बताती है, फिर अपनी कहानी बदल देती है, और फिर उसी समय जब बिजनेसमैन चैंबर्स का नाम लेता है, वह उसे फिर से चैंबर्स बता देती है। यह अजीब बात

है ना, विलिस? मैंने आज सुबह तक इस चैंबर्स के बारे में एक शब्द भी नहीं सुना था, और फिर मुझे हर जगह से यही सुनने को मिल रहा है।”
“मैंने कल यंगर को बताया था। उस महिला के बारे में क्या? उसने क्या कहा?” रीगन ने कड़वी मुस्कान दी। "हाँ, सही कहा, तुम वहाँ नहीं थे, तुम्हें पता नहीं होगा। आज सुबह उसे याद आया, टिफ्टस ने उसे उस आदमी का नाम बताया जिसने उसे पीटा था, और वह चैंबर्स था।"

"उसने मुझे भी यही बताया था।"
रीगन ने पार्कर की ओर देखा, और फिर कमरे में मौजूद लोगों की ओर। उन्होंने कहा, "मैं जानना चाहता हूँ कि शार्दिन की मौत कैसे हुई।"
मैंने सुना था कि यह दिल का दौरा था।
“मैंने भी यही सुना। ठीक है, विलिस, मैं बस यह जानना चाहता था कि आपने हमें चैम्बर्स के बारे में बताने में इतना समय क्यों लगाया, और आपके पास इसका जवाब तुरंत तैयार था।”
"यह सच है।"
“मुझे पूरा यकीन है।” रीगन ने कंधे उचकाए और दरवाजे की ओर मुड़ गया। “अब यह मेरी चिंता नहीं है,” उसने कहा। “चैम्बर्स देर-सवेर मिल ही जाएगा, और शायद मुकदमे में कुछ और खुलासे भी हों। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ।”
"ठीक है," पार्कर ने कहा।
रीगन लिविंग रूम से होते हुए लॉबी की ओर चले गए। उन्होंने कहा, "विलिस, आपसे मिलकर अच्छा लगा।"
इस पर कुछ कहने को नहीं था। पार्कर ने दरवाजा खुला रखा। रीगन दरवाजे पर रुकी और बोली, "मुझे लगता है अब आप शहर छोड़कर जा रहे हैं।"
"शायद।"
“अच्छा। अलविदा, विलिस।”
"अलविदा।"

5

यंगर ठीक तीन बजे पहुंचा। पार्कर ने उसके फोर्ड से उतरकर घंटी बजाने का इंतजार नहीं किया; जैसे ही उसने यंगर को गाड़ी रोककर फुटपाथ पर पहुंचते देखा, उसने अपना सूटकेस उठाया और घर से बाहर निकल गया।
जब उसने कार का दरवाजा खोला तो यंगर ने कहा, "यह सूटकेस कहाँ से आया?" "हमें शायद यहीं रुकना पड़ेगा। हमारी शुरुआत देर से हो रही है।"
"तुम्हें मुझे बताना चाहिए था, मैं अपना खुद का बैग पैक कर लेता।"
पार्कर ऐसा नहीं चाहता था। उसने कहा, "तुम मुझसे उधार ले सकते हो। कोई दिक्कत नहीं।" उसने सूटकेस को पिछली सीट पर फेंक दिया और यंगर के बगल में आगे की सीट पर बैठ गया। उसने दरवाजा बंद किया और कहा, "चलो यहाँ से चलते हैं।"
"सही।"
पार्कर ने थोड़ी दूर खड़ी प्लाईमाउथ कार की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। "क्या तुम रास्ते में अपने बेटे को जगाना चाहते हो?"
"क्या?"

“पिछले कुछ दिनों से वह ज्यादातर समय सोता ही रहा है। लगता है उसे रातों के लिए कोई स्थिर व्यवस्था मिल गई है।”
यंगर ने भौंहें चढ़ाकर कहा, "तुम उसके बारे में कब से जानते हो?"
"जब से उसने वहां गाड़ी खड़ी की।"
“कमीने!” यंगर ने स्टीयरिंग व्हील को झटका दिया, फोर्ड को फुटपाथ से दूर धकेला, और तेज़ी से यू-टर्न लेकर घर और प्लाईमाउथ दोनों से दूर निकल गया। यंगर ने कहा, “अगर तुम उसके बारे में जानते थे, और अगर वह हमेशा सोता रहता था, तो तुम वहाँ क्यों रुके रहे?”
“पैसा,” पार्कर ने उससे कहा। यह एक ऐसा जवाब था जिसे यंगर समझ सकता था। यंगर ने ऐसा ही किया। वह मुड़ा और पार्कर को देखकर मुस्कुराया। "तुम भी इसे उतना ही चाहते हो जितना मैं चाहता हूँ," उसने कहा। "उतना ही जितना मैं चाहता हूँ।"
"ज़रूर।"

“मुझे पता है।” यंगर ने फिर से सामने की ओर मुँह किया और ट्रैफिक को देखने लगा। वह खुद से खुश था। उसने कहा, “रीगन के साथ सब ठीक रहा। यह अच्छा हुआ, जब सैमुअल्स नाम की महिला ने चैंबर्स के बारे में भी बात करना शुरू कर दिया। तुमने इसे बहुत अच्छे से संभाला।”
“उसने सही किया, है ना?”
"सुनो, मुझे भी लगभग उसकी बात पर यकीन हो गया था। एक आम अभिनेत्री। बस एक ही बात है, अगर चैम्बर्स को पकड़ लिया गया तो क्या होगा?"
"वह नहीं होगा," पार्कर ने उससे कहा।
"आप इस बात को लेकर आश्वस्त लग रहे हैं।"
"मैं हूँ।"
कुछ देर तक उन्होंने कोई बात नहीं की। यंगर उन्हें ऐसे रास्ते से ले गया जो शहर के बीच से होकर नहीं गुजरता था, और यह अच्छा ही हुआ। कार में उन दोनों को एक साथ देखकर किसी के ध्यान देने की संभावना कम थी। हालांकि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा।
कुछ देर बाद, ओमाहा की ओर जाने वाली तीन लेन वाली सड़क पर, यंगर ने फिर से बोलना शुरू किया, "तुम मियामी से हो, है ना?"
मैं कभी-कभी वहां रहता हूं।
मैं यही करने वाला हूँ। जैसे ही मुझे वो पैसा मिल जाएगा, मैं यहाँ से निकल जाऊंगा। मियामी, तुम्हारा क्या ख्याल है? या फिर देश से बाहर जाना मेरे लिए बेहतर होगा, शायद रिवेरा या अकापुल्को?
"एक जगह दूसरी जगह जैसी ही होती है," पार्कर ने उससे कहा, लेकिन वह जानता था कि यंगर इसे समझ नहीं पाएगा।
उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, "आधे मिलियन डॉलर से भी नहीं।"
"ढाई लाख," पार्कर ने उसे याद दिलाया।
यंगर ने स्कूल से बंक मारते पकड़े गए बच्चे की तरह प्रतिक्रिया दी; दोषी मुस्कान के साथ। "हाँ, सही कहा," उसने कहा। "हाँ, सही कहा, विलिस। मेरा मतलब ढाई लाख था, यही मेरा मतलब था।"
"ज़रूर।"
आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं।

“नहीं। मैं तुम पर भरोसा नहीं कर सकता, तुम यह जानते हो। और तुम भी मुझ पर भरोसा नहीं कर सकते। तुम मुझ पर भरोसा नहीं करते, इसीलिए तुमने प्लाईमाउथ और डॉज में उन लोगों को भेजा था।”
"क्या आप उन दोनों के बारे में जानते थे?"
“हम एक-दूसरे पर भरोसा नहीं करते,” पार्कर ने उससे कहा। “हम कर ही नहीं सकते, इसमें बहुत पैसा शामिल है। और यह अच्छा नहीं है। हर समय एक-दूसरे पर नज़र रखते हुए हम कभी कुछ हासिल नहीं कर पाएंगे। याद है, टिफ्टस का हत्यारा अभी भी कहीं आसपास ही है।”
"मैं उसके करीब पहुंच रहा हूं, विलिस।"
"बात वो नहीं है।"
यंगर ने सिर हिलाया और गाड़ी चलाते हुए सीधे आगे की ओर देखने लगा।
मुझे पता है। आप सही कह रहे हैं, हमें एक-दूसरे पर भरोसा करना आना चाहिए। "मैंने भी यही कहा।"
“लेकिन कैसे?” यंगर ने अपना सिर घुमाकर पार्कर की ओर देखा और फिर सामने की ओर मुड़ गया। “मैं तुम्हें सच बताता हूँ, विलिस, तुम बाइबल की कसम खाकर भी कह सकते हो कि सूरज चमक रहा था और मुझे खुद जाकर देखना पड़ेगा। किसी भी हालत में तुम मुझे अपने ऊपर भरोसा नहीं दिला सकते।”
“इसका एक ही तरीका है।”
"कैसे?"
मैंने तुम्हें अपने बारे में कुछ जानकारी जुटाने दी, इसलिए अगर मैं तुम्हें धोखा देता हूँ तो इसका उल्टा असर होगा।
यंगर ने सड़क को ध्यान से देखा और समझने की कोशिश की। "मुझे आपकी बात समझ नहीं आई," उसने कहा।
पार्कर ने उससे कहा, “मैं एक नोट लिखता हूँ। मैं उसमें लिखता हूँ, ‘मैंने एडॉल्फ टिफ्टस को मार डाला।’ मैं उस पर अपने हस्ताक्षर करता हूँ। यह सब मेरी लिखावट में है, इसलिए तुम मुझे रंगे हाथों पकड़ सकते हो। मैं तुम्हें वह नोट देता हूँ, और तुम उसे किसी वकील या दोस्त या किसी और को सुरक्षित रख देना। तुम उनसे कहना कि अगर तुम्हें कुछ हो जाता है, तो वे यह नोट कानून को सौंप दें। इस तरह तुम सुरक्षित रहोगे। मैं तुम्हें छूने की हिम्मत नहीं करूँगा।”

यंगर ने सिर हिलाया। "यह बात समझ में आती है," उसने कहा। "यह बिल्कुल भी बुरा विचार नहीं है। इसके बाद मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ।"
"ज़रूर।"

“तो हम इसे कर लेंगे,” उन्होंने कहा। “जैसे ही हम वापस शहर पहुंचेंगे।” “हम इसे ओमाहा में, जो के अपार्टमेंट में कर सकते हैं। हम इसे जितनी जल्दी करेंगे, हम दोनों के लिए उतना ही अच्छा होगा।”
यंगर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ठीक है, कोई बात नहीं। मुझे परवाह नहीं। बस एक बात है, अगर मैं तुम्हें कोई झूठी गवाही दे दूं तो क्या होगा?"
मैं इसे नोट में लिख दूंगा। जैसे कि मैंने आपको बताया कि यह असल समय से पहले था, और आपके पास घड़ी नहीं थी, कुछ ऐसा ही। नोट में सारी बात स्पष्ट हो जाएगी।
“अच्छा। यह एक अच्छा विचार है।”
"तुम्हारे लिए भी," पार्कर ने उससे कहा।
यंगर चौंक गया। उसने पार्कर की तरफ देखा और फिर नज़रें हटा लीं। "तुम्हारा मतलब क्या है, मैं भी?"
आप भी एक नोट लिखिए।
“क्या? कि मैंने टिफ्टस को मार डाला? इसका कोई मतलब नहीं बनता।”
"नहीं, तुमने जोसेफ शार्डिन की हत्या की।"
यंगर अब डरा हुआ लग रहा था। “मैंने उसे नहीं मारा! तुम क्या बकवास कर रहे हो, विलिस, मैंने उसे नहीं मारा!”
“मैंने टिफ्टस को नहीं मारा,” पार्कर ने उसे याद दिलाया। “बात वो नहीं है। बात ये है कि तुम्हारे खिलाफ कुछ सबूत हो, जैसे तुम्हारे पास मेरे खिलाफ होगा।”
लेकिन इसका कोई मतलब नहीं बनता। यह कैसा दिखेगा?
पार्कर ने कहा, “तुम लिखो, ‘मैंने जोसेफ शार्डिन को मार डाला। मैं उससे पैसे ऐंठ रहा था, और मेरा उसे मारने का इरादा नहीं था।’ और तुम अपने हस्ताक्षर करो। नहीं, एक मिनट रुको। इसके अलावा, तुम लिखो, ‘डॉक्टर रेबोर्न को इसके बारे में सब पता है।’ क्योंकि उन्हें पता ही होगा, है ना?”
यंग ने सड़क की ओर घूरते हुए कहा, "अगर उस कमीने ने अपना मुंह खोला है तो..."

“उन्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। जब से उन्होंने मेरा चेहरा ठीक किया है, तब से मैंने उन्हें नहीं देखा है।”
“मुझे यह पसंद नहीं है,” यंगर ने कहा। “मैंने उस बूढ़े आदमी को नहीं मारा, तो मुझे ऐसा क्यों कहना चाहिए?”
पार्कर ने उससे कहा, "टिफ्टस को मारने के बारे में मेरा नोट तुम्हारे पास होगा, और जो को मारने के बारे में तुम्हारा नोट मेरे पास होगा। इस तरह हम एक-दूसरे से सुरक्षित रहेंगे।"
यंगर ने अपने निचले होंठ को चबाया और अपना सिर आगे-पीछे हिलाया। "मुझे यह पसंद नहीं है," उसने कहा। "मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है।"
पार्कर सीट पर पीछे झुककर बैठ गया और सामने से गुजरते हुए समतल ग्रामीण इलाके को देखने लगा। सपाट खेत, दूर-दूर तक कोई पेड़ नहीं। समतल खेतों के उस पार मीलों दूर सफेद रंग के फार्महाउस दिखाई दे रहे थे।
सीधी सड़क पर गाड़ी चलाते हुए, यंगर अपने होंठ चबा रहा था और केवल ढाई लाख डॉलर होने की आदत डालने की कोशिश कर रहा था। यही समस्या थी, और पार्कर इसे जानता था। यंगर पूरी रकम की उम्मीद कर रहा था, और अब उसे अपनी सोच बदलनी पड़ रही थी, आधी रकम से संतोष करना पड़ रहा था।
आसमान में आधा पाई।
ओमाहा के बाहरी इलाके उनके सामने उभरने लगे, और आखिरकार यंगर ने सिर हिलाकर सहमति दी। "ठीक है," उसने कहा। "यही सबसे अच्छा तरीका है।"
पार्कर समझ गया कि उसका क्या मतलब है। उसका मतलब था कि उसे इस बात का पूरा यकीन नहीं था कि वह पार्कर को उससे पहले पकड़ पाएगा, इससे पहले कि पार्कर उसे पकड़ ले।
"तुम सही कह रहे हो," पार्कर ने उससे कहा।

6

पार्कर के नोट में लिखा था:
मैंने एडॉल्फ टिफ्टस को मार डाला। वह मेरे कमरे में आया और हमारी बहस हुई, जिसके बाद मैंने उसे ऐशट्रे से मारा। फिर मैं जो शार्डिन के घर गया और कैप्टन यंगर से मिला और उसे बताया कि घटना असल समय से आधा घंटा पहले हुई थी। मैंने रोंडा सैमुअल्स को डराकर जिम चैंबर्स के बारे में झूठी कहानी गढ़ने पर मजबूर कर दिया।
चार्ल्स विलिस

यंगर ने इसे पढ़ा और कहा, "ठीक है। इससे पूरी बात स्पष्ट हो जाती है।"
वे जो शीर के ओमाहा अपार्टमेंट में रसोई की मेज पर बैठे थे। पार्कर ने कलम और कागज ढूंढकर यंगर को शक होने से बचाने के लिए पहले ही अपना नोट लिख लिया था। अब उसने कलम और कागज का पैड मेज पर सरकाते हुए कहा, "अब तुम्हारी बारी।"
"ज़रूर," यंगर ने कहा, लेकिन वह पार्कर का नोट पकड़े रहा, और उसकी आँखों में एक विचारशील भाव था।

पार्कर ने उससे कहा, "भूल जाओ। तुम्हें अब भी मेरी ज़रूरत है। तुम्हें पैसे ढूंढने के लिए मेरी ज़रूरत है, और टिफ्टस के हत्यारे को ढूंढने में तुम्हारी मदद करने के लिए भी मेरी ज़रूरत है।"
“मेरी कोई योजना नहीं थी,” यंगर ने कहा। उसने नोट नीचे रखा, कलम उठाई और लिखना शुरू कर दिया। पार्कर उसे देखता रहा और इंतज़ार करता रहा।
जो ने एक शांत इलाका चुना था। रसोई की खिड़की से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी, कहीं भी कोई आवाज़ नहीं थी सिवाय बॉलपॉइंट पेन की आवाज़ के जब यंगर अपना सुसाइड नोट लिख रहा था।
जब यह काम पूरा हो गया, तो पार्कर ने इसे लिया और पढ़ा:
मैंने जोसेफ शार्डिन को मार डाला। मेरा इरादा नहीं था, मैं उससे पैसे ऐंठ रहा था और यह एक दुर्घटना थी। डॉ. रेबोर्न को इसके बारे में सब पता है, उन्होंने इसे छिपाने में मेरी मदद की। उन्हें ऐसा करना पड़ा, क्योंकि मेरे पास उनके खिलाफ कुछ सबूत थे।
कैप्टन एबनेर एल. यंगर

यंगर ने पूछा, "यह कैसा है?"
“ठीक है,” पार्कर ने कहा और अपनी जेब से.22 पिस्टल निकाली। “अपनी हथेलियों को मेज पर सपाट रखो,” उसने कहा।

यंगर की आंखें बड़ी हो गईं। उसने कहा, "तुम क्या करने वाले हो?"
पार्कर ने अपना लिखा हुआ नोट उठाया, उसे मसलकर अपनी जेब में रख लिया। फिर वह खड़ा हो गया। उसने कहा, “तुम हिलोगे नहीं। एक भी हरकत मत करना।”
“तुमने इसे ढूंढ लिया,” यंगर ने कहा। उसकी आवाज़ में कड़वाहट और घृणा थी। “तुमने इसे ढूंढ लिया। यह तो हमेशा से घर में ही था।”

“मुझे एक डॉलर भी नहीं मिला,” पार्कर ने उससे कहा। “जो ने तुम्हें सच बताया था, वहाँ कोई आधा मिलियन डॉलर नहीं थे।”
"तुम झूठ बोल रही हो।"
पार्कर ने अपना सिर हिलाया। "बस बहुत हो गया," उसने कहा। "झूठ बोलने का अब कोई कारण नहीं है।"
यंगर ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और पार्कर के चेहरे की ओर देखा और पार्कर का मतलब समझ गया। उसने कहा, "तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुम बच नहीं सकते।" पार्कर ने यंगर का नोट सावधानी से उठाया, ताकि उसमें सिलवटें न पड़ें, और उसे फ्रिज के ऊपर रख दिया, जहाँ वह यंगर की पहुँच से बाहर रहेगा।
यंगर ने कहा, "अगर पैसे नहीं हैं, तो आपको मुझे मारने की जरूरत नहीं है।" “मैं तुम पर भरोसा नहीं कर सकता,” पार्कर ने उससे कहा। “मैं तुम पर कभी भरोसा नहीं कर सकता। अगर मैंने तुम्हें ज़िंदा रहने दिया, तो तुम हमेशा यही सोचोगे कि आधा मिलियन डॉलर कहीं आस-पास है; तुम यही सोचोगे कि मैंने उसे अपने पास रख लिया है।”
नहीं। नहीं, मैं ऐसा नहीं करूँगा, मैं—”
“हम इस बारे में बात करेंगे,” पार्कर ने वादा किया। “लेकिन पहले मुझे तुम्हारी बंदूक चाहिए। बात करते समय मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे पास हथियार हो।”
“हम इस बारे में बात कर सकते हैं,” यंगर ने सिर हिलाते हुए कहा। “आप सही कह रहे हैं, हम इस बारे में बात कर सकते हैं। चीजों को करने का हमेशा कोई न कोई दूसरा तरीका होता है, आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है—”
“अपनी बंदूक,” पार्कर ने कहा। “अपने कोट के नीचे हाथ डालकर उसे निकालो और मेज पर रख दो। निकालते समय सिर्फ अपने अंगूठे और पहली उंगली का इस्तेमाल करो और उसे बट से पकड़ो। धीरे-धीरे और सावधानी से काम लो।”

“ज़रूर, विलिस। मैं कुछ भी करने की कोशिश नहीं करूँगा।” यंगर अब पसीने से तरबतर था, डरा हुआ और बेचैन, यह सोचने की कोशिश कर रहा था कि क्या वह पंद्रह मिनट बाद भी ज़िंदा रह सकता है। उसने पार्कर के बताए तरीके से अपनी पिस्तौल निकाली और उसे मेज़ पर रख दिया।
यह एक .32 कैलिबर की पिस्तौल थी, स्मिथ एंड वेसन मॉडल 30। पार्कर ने अपनी जेब से एक साफ सफेद रुमाल निकाला और यंगर की पिस्तौल को अपने दाहिने हाथ में उठा लिया। उसने.22 कैलिबर की पिस्तौल अपने बाएं हाथ में पकड़ रखी थी। यंगर के हाथ अभी भी फॉर्मिका की मेज़पोश पर हथेली के बल टिके हुए थे, लेकिन फिर भी कांप रहे थे। वह पार्कर को देखता रहा और मुस्कुराता रहा। वह घबराहट से मुस्कुरा रहा था, और इस बेवकूफी भरी सोच से भी कि शायद मुस्कुराने से पार्कर को पता चल जाए कि वह वाकई एक अच्छा इंसान है, और डर से भी। उसने कहा, "मैं तुम पर विश्वास करता हूँ, विलिस। कोई पैसा नहीं है। मैं तुम पर विश्वास करता हूँ।"
“बहुत देर हो चुकी है,” पार्कर ने उससे कहा। वह मेज के चारों ओर घूमा और .32 पिस्तौल को यंगर की छाती से सटा दिया, ठीक उसी कोण पर जैसे यंगर अपने दाहिने हाथ में बंदूक पकड़े होता। यंगर का मुंह खुला और उसने खुद को बचाने के लिए अपने हाथ मेज से ऊपर उठाने शुरू किए, और पार्कर ने ट्रिगर दबा दिया। उसके बाद, सब कुछ व्यवस्थित करने में पाँच मिनट से भी कम समय लगा। उसने यंगर के हाथ में.32 पिस्तौल बंद कर दी, नोट को वापस मेज पर रख दिया और कपड़े से उसका एक कोना पोंछ दिया जहाँ उसने उसे छुआ था, और कमरे में जिन कुछ चीजों को उसने छुआ था, उन पर से अपने उंगलियों के निशान मिटा दिए। उसके बाद से, वह जिस भी चीज को छूता, उसे रुमाल से ढक कर रखता। उसने अपार्टमेंट की उसी तरह तलाशी ली जैसे उसने जो के घर की ली थी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यहाँ ऐसा कुछ भी न हो जिससे उसे या जो के पुराने जान-पहचान वालों में से किसी को भी सुराग मिल सके। उसने यंगर की जेब से जो के कामों की सूची और नामों वाला लिफाफा निकाला और उसे टिफ्टस को मारने के बारे में लिखे नोट के साथ ऐशट्रे में जला दिया। उसने राख को शौचालय में बहा दिया।
जब उसने अपना काम पूरा कर लिया, तो सब कुछ संतोषजनक था। इससे रीगन के सवालों का जवाब मिल जाना चाहिए था। रीगन जोसेफ शार्डिन के बारे में जानना चाहता था, तो यह जानकारी उसे मिल गई। यंगर बूढ़े आदमी से जबरन वसूली कर रहा था और गलती से उसकी हत्या कर दी। शार्डिन के तीन पुराने दोस्त अंतिम

संस्कार के लिए शहर आए थे, उनमें से एक ने दूसरे की हत्या कर दी थी और तीसरे का इससे कोई लेना-देना नहीं था। तीसरे को शायद शक था कि यंगर ने बूढ़े आदमी के साथ क्या किया है, लेकिन वह कुछ भी साबित नहीं कर पाया था इसलिए उसने कुछ नहीं कहा। टिफ्टस की हत्या की जांच पूरी होने पर, यह तीसरा आदमी चला गया। पश्चाताप से ग्रस्त यंगर ओमाहा में बूढ़े आदमी के अपार्टमेंट में गया - यह साबित करते हुए कि बूढ़े आदमी के जीवन और सामान पर उसका पूरा नियंत्रण था - और वहाँ उसने एक आत्महत्या पत्र लिखा और आत्महत्या कर ली। ठीक है। अब बस एक ही काम बचा था, रोंडा सैमुअल्स को शहर से बाहर निकालना।
अगर उसे वहीं छोड़ दिया गया तो शायद उसे गुस्सा आ जाए और वह सीटी बजाना शुरू कर दे।
पार्कर ने आखिरी बार चारों ओर देखा और पाया कि यहाँ सब कुछ हो चुका है।
वह अपार्टमेंट से निकल गया।

7

पार्कर कतार में बने एक फोन बूथ में गया और नंबर लिख लिया। फिर वह टर्मिनल के दूसरी तरफ वेस्टर्न यूनियन कार्यालय की ओर चला गया। वहां से एक तेज़, धातु जैसी आवाज़ में ट्रेनों के प्रस्थान की घोषणा हो रही थी।
वेस्टर्न यूनियन के दफ्तर में, पार्कर ने एक खाली कागज़ लिया और उस पर सैगामोर होटल, सैगामोर, नेब्रास्का की रोंडा सैमुअल्स के नाम एक टेलीग्राम लिखा। उन्होंने सामने वाले बूथ में लगे फ़ोन का नंबर दिया और लिखा: "मुझे शाम छह बजे पे फ़ोन से कॉल करना।" उन्होंने यह पत्र डेस्क के उस पार महिला को दिया, जिसने कहा, "सर, आप इस पर हस्ताक्षर करना भूल गए।" "नाम मत बताना," पार्कर ने उससे कहा। "उन्हें पता चल जाएगा कि यह किससे आया है।"
उन्होंने कहा, "इसका कोई नाम होना चाहिए।"
वह उसकी ओर झुका, धैर्य और मित्रता दिखाने की कोशिश करते हुए, और आँख मारी। "यह एक तरह का मज़ाक है," उसने कहा।
“ओह।” वह मुस्कुराई। “बहुत अच्छा।”

उसने टेलीग्राम का भुगतान किया और फिर टर्मिनल के उस पार रेस्तरां में चला गया। उसने जो खाना खाया, वह दोपहर के भोजन के लिए बहुत देर से था और रात के खाने के लिए बहुत जल्दी था। उसने अपनी दूसरी कप कॉफी पीते हुए कुछ देर और बिताई और फिर बाहर निकलकर टर्मिनल में थोड़ी देर घूमा। छह बजने में दस मिनट पहले वह टेलीफोन बूथ में छोटे से स्टूल पर जाकर बैठ गया।
उसने ठीक पांच बजे तक फोन नहीं किया। पार्कर ने पहली घंटी बजते ही रिसीवर उठा लिया और कान से लगा लिया, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। कुछ सेकंड तक सन्नाटा रहा, फिर एक आवाज ने हिचकिचाते हुए कहा, "हैलो?"
उसने उसे पहचान लिया। उसने कहा, "हाँ, मैं ही हूँ।"
“ओह,” उसने कहा। “तुम यहाँ हो।”
"क्या तुम उस शहर को छोड़ने के लिए तैयार हो?"
"कोई मजाक नहीं।"

“ओमाहा जाने वाली ट्रेन के दो टिकट खरीदें। दो टिकट खरीदना सुनिश्चित करें।”
और आप मुझे पैसे वापस कर देंगे, है ना?
“चिंता मत करो। अगली ट्रेन पकड़ लो। वहाँ से एक ट्रेन छह बजकर बीस मिनट पर निकलती है और पौने सात बजे यहाँ पहुँच जाती है।”
मैंने अभी तक पैकिंग भी नहीं की है।
तो अपना सामान पैक कर लीजिए। याद रखिए, दो टिकट खरीदिए।
"मुझे याद है।"
उसने फोन रखा, फोन बूथ से बाहर निकला और इंतजार करने लगा। पौने सात बजे उसने लॉकर से अपना सूटकेस निकाला, और पौने दो बजे वह पटरियों से रैंप पर आई और वह उसके बगल में बैठ गया।
उसने कहा, "मुझे मत बताओ, मुझे अंदाज़ा लगाने दो। हम साथ में आए थे, है ना?"

"सही।"
"हमेशा साथ-साथ, है ना?"
"सही।"
तो अब क्या? मियामी?
"कल।"
आज रात के बारे में क्या ख्याल है?
मैंने हमारे लिए एक होटल का कमरा बुक कर लिया है। “एक और होटल का कमरा,” उसने कहा।
“यह अलग है,” उसने कहा। उसने उसका हाथ पकड़ लिया।

8

कुछ बातें ऐसी थीं जिनके बारे में पार्कर को पता नहीं था, कुछ ऐसी बातें थीं जिनके कारण पूरी संरचना बिखर गई।
आत्महत्या पत्र। यह एक अच्छा आत्महत्या पत्र था, सिवाय इसके कि यह सटीक नहीं था। जब कानून डॉ. रेबोर्न के पास पहुंचा, तो उन्होंने कुछ समय तक सब कुछ नकार दिया, और जब आखिरकार वे टूट गए, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने यंगर को जिस मामले को छिपाने में मदद की थी, वह आत्महत्या थी, हत्या नहीं। रेबोर्न ने कहा कि जोसेफ शार्डिन ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी, और वे अपनी कहानी नहीं बदलेंगे।
इस बार रीगन जांच का नेतृत्व कर रहा था, सारा मामला उसी के हाथ में था, और वह इसे छोड़ने को तैयार नहीं था। इसमें समय लगा, लेकिन उसने जोसेफ शार्दिन के शव को कब्र से निकालने का अदालती आदेश प्राप्त कर लिया, और जब शव का पोस्टमार्टम किया गया तो पता चला कि शार्दिन ने आत्महत्या ही की थी, लेकिन आत्महत्या से कुछ समय पहले उसे बुरी तरह प्रताड़ित किया गया था।
यदि शार्डिन हत्याकांड, हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थी, तो यंगर की आत्महत्या, आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या थी।

और भी कई चीज़ें थीं। यंगर के दफ्तर में एक फावड़ा, बस एक साधारण फावड़ा। लेकिन वह वहाँ क्या कर रहा था? रीगन शार्दिन के घर के आसपास छानबीन करने लगा, और कुछ देर बाद उसने देखा कि तहखाने का एक हिस्सा खोदा गया था और फिर से भर दिया गया था। जब उसने दोबारा खुदाई करवाई तो वहाँ एक शव मिला, और पता चला कि वह पड़ोस का किशोर था, एक उन्नीस साल का लड़का जिसने कुछ दिन पहले एक नोट छोड़कर यात्रा पर जाने की बात कही थी।
रीगन को लगने लगा था कि चार्ल्स विलिस ही इस पूरे मामले की कुंजी है। लेकिन विलिस जा चुका था, और सैमुअल्स नाम की महिला भी गायब थी। फिर भी, रीगन उनसे बात करना चाहता था।
विलिस ने जिस होटल के कमरे में अपनी पहली रात बिताई थी, वहां मिले उंगलियों के निशान शार्डिन के घर में मिले उंगलियों के निशानों से मेल खा गए, जहां विलिस ने शहर में अपने बाकी दिन बिताए थे। उंगलियों के निशान

प्राप्त करने और उनका मिलान करने में कुछ समय लगा, लेकिन जब रीगन को दो सही निशान मिल गए, तो उन्होंने उन्हें चार्ल्स विलिस के बारे में जानकारी जुटाने के लिए वाशिंगटन भेज दिया।
अगर यंगर ने सचमुच जो शीर को मारा होता तो सब कुछ ठीक चल रहा होता, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया था, और इसी से मामला आगे बढ़ता गया और अंत में वाशिंगटन से एक जवाब आया, जिसमें कहा गया कि चार्ल्स विलिस नाम का व्यक्ति असल में रोनाल्ड कैस्पर था, जो कैलिफोर्निया में जेल तोड़ने और हत्या के आरोप में वांछित था। इसके बाद पुलिस की तस्वीरें जारी की गईं, लेकिन रोनाल्ड कैस्पर के रूप में जेल की सजा काटने के बाद पार्कर ने अपने चेहरे की सर्जरी करवा ली थी, इसलिए जब पुलिस की तस्वीरों में चार्ल्स विलिस जैसा चेहरा नहीं दिखा तो सब कुछ थोड़ा धीमा हो गया।

लेकिन ज्यादा देर तक नहीं। रीगन को पता था कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, पर उसे यह नहीं पता था कि क्या। उसने एक और अनुरोध भेजा; क्या मियामी स्थित एफबीआई कार्यालय चार्ल्स विलिस की तलाश कर सकता है? उसने जो पता दिया था, वह शायद फर्जी था, लेकिन एहतियात के तौर पर किसी को इसकी जांच कर लेनी चाहिए थी।
एक और आश्चर्यजनक बात; पता आखिरकार फर्जी नहीं था।

9

पार्कर लिफ्ट का इंतजार कर रहा था तभी मैनेजर आया और बोला, "क्या मैं आपसे एक मिनट बात कर सकता हूँ? मेरे ऑफिस में।"
"क्या चल रहा है?"
"यह निजी होना चाहिए।"
पार्कर ने उसकी ओर देखा। मैनेजर का नाम फ्रीडमैन, जे. ए. फ्रीडमैन था। पार्कर ने पिछले दस वर्षों में से प्रत्येक वर्ष एक या दो महीने इस होटल में बिताए थे, और अब तक वह जे. ए. फ्रीडमैन को अच्छी तरह से जान चुका था। फ्रीडमैन ने पार्कर के हाथ को छुआ और धीरे से कहा, "यह महत्वपूर्ण है। सचमुच।"
"ठीक है।"
फ्रीडमैन अपने कार्यालय की ओर आगे-आगे चल रहा था। वह कद में छोटा और तगड़ा था, और ऐसे चलता था मानो लुढ़क कर चलना उसके लिए बेहतर होता। उसका चेहरा किसी नरम चीज़ से बना हुआ था, और उसने सींग के फ्रेम वाला चश्मा पहन रखा था।
अपने कार्यालय में उन्होंने पार्कर को बैठने का इशारा किया और फिर कहा, "सच कहूँ तो, श्रीमान विलिस, यह कुछ शर्मनाक है। मुझे ठीक से नहीं पता कि इसे कैसे निपटाया जाए।"

"समस्या क्या है?"
फ्रीडमैन ने अस्पष्ट इशारे करते हुए कहा, मानो वह अपनी बात को कम करके आंकना चाह रहा हो, "जाहिर है, आप किसी तरह की मुसीबत में हैं। इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है, कर संबंधी परेशानी है, शायद किसी तरह की व्यावसायिक परेशानी। ऐसा हममें से किसी के साथ भी हो सकता है, मेरे साथ, किसी के भी साथ।"
सैगामोर से लौटे हुए उसे लगभग दो सप्ताह हो चुके थे। जिस महिला को वह यहाँ छोड़कर आया था, वह उसके लौटने तक जा चुकी थी, इसलिए तब से वह रोंडा को अपने पास रख रहा था। जैसे ही फ्रीडमैन ने मुसीबत की बात कही, पार्कर समझ

गया कि इसका संबंध सैगामोर से है, वहाँ कुछ गड़बड़ हुई है। उसने कहा, "आप ऐसा क्यों कह रहे हैं कि मैं मुसीबत में हूँ?"
"दो संघीय एजेंट आपको ढूंढते हुए यहां आए थे।"
यह सैगामोर था। उसने कहा, "उन्होंने क्या कहा?"
“कुछ नहीं, मिस्टर विलिस। बस इतना ही कि वे आपको ढूंढ रहे थे।”
"क्या कहा आपने?"
फ्रीडमैन ने अपने हाथ फैलाए। “मुझे सहयोग करना होगा। आप खुद एक व्यवसायी हैं, आप समस्या को समझते हैं।”
"ज़रूर।"
मैंने उन्हें आपके कमरे का नंबर बताया था, लेकिन यह भी कहा था कि मुझे नहीं लगता कि आप अंदर हैं। उन्होंने कहा कि वे आपके कमरे में इंतज़ार करेंगे। मैंने उन्हें एक बेलबॉय के साथ ऊपर भेजा ताकि वे अंदर आ सकें, और तब से मैं आपका इंतज़ार कर रहा हूँ। शायद आधा घंटा हो गया होगा। कम से कम मैं आपको चेतावनी तो दे ही सकता हूँ। वे दो लोग हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे आपको अचानक घेरने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि आप ज़रूरत से ज़्यादा बोल दें। मैंने सोचा कि आपको यह पता होना चाहिए, ताकि अगर आप अपने वकील से संपर्क करना चाहें, तो कोई तैयारी कर सकें।
उनके पास पहले से ही रोंडा थी। जब उसे पता चला कि वे संघीय अधिकारी हैं, तो वह पाँच मिनट तक चुप रही। पार्कर ने कहा, "धन्यवाद। मैं इसकी सराहना करता हूँ।"
“बिल्कुल नहीं। हमारी स्थिति आसानी से उलट सकती है।” फ्रीडमैन ने उदास मुस्कान के साथ कहा, “सरकार को व्यापार की समझ नहीं है।”
पार्कर उठ खड़ा हुआ। उसने कहा, "मुझे पहले कुछ काम निपटाने होंगे।" “बिल्कुल, बिल्कुल। मुझे उम्मीद है कि इस परेशानी से आपको ज्यादा असुविधा नहीं होगी।”
"शायद ऐसा नहीं होगा। फिर से धन्यवाद।"
"कभी भी।"
पार्कर लॉबी में वापस चला गया। क्या यहाँ कोई और आदमी था? क्या उनके पास उसकी तस्वीरें थीं? वह लॉबी पार नहीं किया, बल्कि दूसरी तरफ गया, बार से होते हुए दूसरी तरफ के दरवाजे से बाहर निकला और तिरछे होकर ठेले की ओर चला गया। उसने बैंगनी वर्दी वाले लड़के के लिए दरवाजा खोलने का इंतजार नहीं

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible]," [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible]" [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□

□ □□□□□ [□□□□□□]

□ □□□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□□

□ □□□□□□□

□ □□□□□□□

□ □□□□□□

□ □□□□

□ □□□□□□

□ □□□□□□

□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□

□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□

□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□

□ □□□□□□□□□□□

□□□□□□□□□□□□□

□□□□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□

□□□□□□□ □□□□

□□□□□□

□□□□□□□□□

□□□□□□□□□□

□□□□□□□□□□

□□□□□ □ □□□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ http://www.press.uchicago.edu/ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□